फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 58 प्रभात जयपुर, सोमवार 28 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The 'Auspicious' Places

Once a location acquires a narrative of divine presence, the physical dirt, stone, ice, or water of that space ceases to be mundane matter

Why Is the Ocean Salty?

The Warrior Queen Of The Maheshwari Saree

रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया

रूस के विदेश मंत्री ने कहा कि वे सुरक्षा परिषद की स्थाई सीट के लिए ब्राज़ील और भारत का समर्थन करते हैं

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर। रूस ने एक बार फिर भारत के साथ अपनी दोस्ती का प्रमाण संयुक्त राष्ट्र में भाषण के दौरान दुनियाभर के सामने दे दिया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने युनाइटेड नेशन्स जनरल असैम्बली (यूएनएससी) के स्थायी सदस्य के तौर पर भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने नई दिल्ली का पक्ष लिया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन किया।

इतना ही नहीं, रूस ने पश्चिमी देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के खिलाफ कड़ी चेतावनी भी दी। यूएनजीए में दुनियाभर के नेताओं को संबोधित करते हुए, रूस के विदेश मंत्री लावरोव ने इस बात पर भी जोर दिया कि यूएन सुरक्षा परिषद में किसी भी सुधार से परिषद और उसके स्थायी सदस्यों के विशेषाधिकार कम नहीं होने चाहिए।

मॉस्को के सैद्धांतिक रुख को स्पष्ट करते हुए, रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि "यूएन सुरक्षा परिषद के सुधार में पश्चिमी देशों, खासकर जर्मनी और जापान को अतिरिक्त सीटें देना शामिल नहीं होना चाहिए, क्योंकि वे अब सैन्यवाद और प्रतिशोध की भावना की राह पर चल पड़े हैं।"

रूसी विदेश मंत्री ने ग्लोबल साउथ से प्रतिनिधित्व बढ़ाने का समर्थन किया और कहा, "हम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के पक्ष में हैं। हम स्थायी सीट के लिए ब्राज़ील और भारत की दावेदारी का समर्थन करते हैं।"

रूसी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हमें अफ्रीकी महाद्वीप के हितों का भी ध्यान रखना चाहिए, जैसा कि इज़राइली सहमति और सीट घोषणा में कहा गया है।

यूएन मुख्यालय में चल रही आम बहस के दौरान दुनियाभर के नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि काउंसिल को आज की भू-राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को दिखाना चाहिए। मॉरिशस ने भी अपने भाषण में भारत की दावेदारी का साफ तौर पर समर्थन किया है। मॉरिशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफूल ने नई दिल्ली का समर्थन करते हुए कहा, "हम काउंसिल में सुधार के लिए जी4 और एल69 के रुख का समर्थन करते हैं, और वैश्विक मामलों में भारत की रचनात्मक भूमिका को देखते हुए स्थायी सीट के लिए उसकी दावेदारी का समर्थन दोहराते हैं।"

दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है। 142 करोड़ जनसंख्या के साथ भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। यूएनएससी में इतनी बड़ी आबादी का रिप्रेजेंटेशन होना जरूरी है।

मुख्यमंत्री आज भरतपुर व खैरथल-तिजारा दौरे पर

जयपुर, 27 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को भरतपुर एवं खैरथल-तिजारा जिले के दौरे पर रहेंगे।

इस दौरान वे दोनों जिलों में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण

■ **दोनों जगह विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।**

एवं शिलान्यास कर क्षेत्रवासियों को विकास कार्यों की सौगात देंगे।

मुख्यमंत्री भरतपुर जिले के बयाना क्षेत्र के बिड्यारी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां पर विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के पश्चात मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे।

खैरथल-तिजारा जिले में भी मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।

रूद्रप्रयाग में लैण्डस्लाइड से चारधाम यात्रा रूकी, चार हजार यात्री फंसे

हाईवे पर मलबा जमा है, खराब मौसम के कारण मलबा हटाने में दिक्कत आ रही है

रुद्रप्रयाग, 27 सितंबर। उत्तराखंड में लगातार बारिश के चलते पहाड़ों में लैंडस्लाइड हो रहे हैं। जिसकी वजह से राज्य में यातायात बहुत अधिक प्रभावित हो रहा है। रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड होने की वजह से चारधाम यात्रा फिलहाल रोक दी गई है। दोनों तरफ से करीब 4000 के आसपास तीर्थ यात्री यहां फंसे हुए हैं।

हाईवे पर मलबा जमा हुआ है, जिसे हटाने के लिए मशीनें लगी हुई हैं, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से मलबा हटाने में दिक्कत हो रही हैं। प्रशासन ने अगले आदेश तक केदारनाथ यात्रा पर रोक लगा दी है। जबकि हैलिकॉप्टर सेवाएं यहां पहले से ही बंद हैं।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लगातार हो रही बारिश की वजह से

■ **बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर धारीदेवी मंदिर के पास पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा व पत्थर सड़क पर गिरे और ट्रैफिक पूरी तरह से बंद हो गया। दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं।**

बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिरोबगड़ एक बार फिर मुसीबत का केंद्र बन गया है। धारी देवी मंदिर के पास पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और पत्थर हाईवे पर आ गिरा, जिससे ट्रैफिक पूरी तरह से बंद हो गया है। देखते ही देखते राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और हजारों यात्री सड़क के दोनों ओर फंस गए हैं। सिरोबगड़ में पहाड़ी से लगातार मलबा गिरने के कारण हाईवे को खोलना चुनौती बनी हुई है। नेशनल हाईवे पर प्रशासन की मशीनें मलबा हटाने में जुटी हैं, लेकिन पहाड़ी से लगातार गिर रहे मलबे और पत्थरों के बीच सड़क को सुरक्षित तरीके से खोलना आसान नहीं है।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड के टिहरी, हरिद्वार, देहरादून और पौड़ी में रैड अलर्ट जारी किया है। नैनीताल, रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा अल्मोड़ा, चंपावत, पिथौरागढ़ , ऊधम सिंह नगर और बागेश्वर में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे तक यहां भारी बारिश होने की संभावना बन रही है।

बलूचिस्तान महिला सशस्त्र शाखा ने पाकिस्तान सेना के नौ अधिकारियों को मार गिराया

महिला शाखा, करीमा आर्म्ड असॉल्ट डिवीज़न ने हाईवे पर पाकिस्तान सेना के तीन वाहन धमाके से उड़ाये

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान, 27 सितंबर। बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) की इस माह गठित महिला सशस्त्र शाखा, करीमा आर्म्ड असॉल्ट डिवीजन (केएएडी) के हमले में पाकिस्तानी सेना के कम से कम नौ अधिकारी मारे गए हैं। बीएलए की इन शेरनियों ने तुर्बत, कलात और मंगचर में दो सटीक अभियान चलाकर सेना को कड़ी चुनौती दी।

प्रवक्ता बलोच ने मीडिया को जारी बयान के अनुसार इस महिला डिविज़न ने तुर्बत के जोस्क इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) हाइवे और कलात के मंगचर शहर में क्वेटा-कराची हाइवे पर हुई लड़ाई में सेना को धूल चटा

■ **बलोच प्रवक्ता के अनुसार, इस ऑपरेशन में करीमा आर्म्ड असॉल्ड डिवीज़न तथा बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट की कुर्बान यूनिट ने भाग लिया। कुर्बान यूनिट के कमांडर कैप्टन चकर मुराद शहीद हो गए।**

दी। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर और 25 सितंबर को डिविज़न कमांडरों ने पाकिस्तानी सेना की क्विक रैस्पॉन्स फोर्स की तीन गाड़ियों को धमाका करके उड़ा दिया। इस लड़ाई में सेना के कम से कम 9 अधिकारी मारे गए।

उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में बीएल की महिला डिविज़न को बीएलएफ की कुर्बान यूनिट का पूरा समर्थन मिला। बलोच ने कहा कि इस लड़ाई में कुर्बान यूनिट के कमांडर कैप्टन चकर मुराद उर्फ दिलीप जान शहीद हो गए।

प्रवक्ता ने कहा कि जुस्क और मंगचर की इन दो लड़ाइयों में पाकिस्तानी सेना के 9 लोगों की लोगों की मौत हो गई। कैप्टन चकर मुराद फरवरी 2021 में बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट के मंच से आजादी के संघर्ष में औपचारिक रूप से शामिल हुए थे। वह कई साल जेल में रहे। जेल से रिहाई के बाद वह पूर्णकालिक रूप से बीएलए में शामिल हो गए।

यूपीआई शुल्क मामले में सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा

नई दिल्ली, 27 सितंबर। यूपीआई से 2000 रुपये से ज्यादा के भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर लगाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत 28 सितंबर को इस व्यवस्था को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी। केंद्र ने 14 सितंबर को संबंधित

■ **अधिवक्ता अंजन दत्ता ने एक जनहित याचिका दायर कर केन्द्र की एमडीआर लगाने की व्यवस्था को चुनौती दी है।**

अधिसूचना जारी की थी और 15 सितंबर को एमडीआर का ढांचा घोषित किया गया था। नई व्यवस्था 15 अक्टूबर से लागू होने वाली है।

अधिवक्ता अंजन दत्ता ने जनहित याचिका दाखिल कर केंद्र के फैसले को चुनौती दी है। याचिका में 14 सितंबर की अधिसूचना और 15 सितंबर को घोषित एमडीआर व्यवस्था को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की 28 सितंबर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लवली यूनिवर्सिटी के छात्रों ने अमृतसर-दिल्ली नेशनल हाईवे को जाम किया

रेप के बाद एक छात्रा के आत्महत्या करने का मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए

चंडीगढ़ , 27 सितंबर (हि.स.)। पंजाब के जालंधर में भाजपा के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल की लवली प्रोफेशन यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में शनिवार रात से शुरू हुआ छात्रों का हंगामा रविवार को भी जारी रहा। विवि परिसर में तोड़फोड़ कर कई वाहनों को आग लगाने के बाद रविवार को गुस्साए छात्रों ने अमृतसर-दिल्ली मार्ग जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार, यूनिवर्सिटी की एक छात्रा से रेप के बाद उसके आत्महत्या करने का मैसेज सोशल मीडिया पर शनिवार रात वायरल होने के बाद हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए। छात्रों ने कैंपस में तोड़फोड़ की और एक हिस्से में आग लगा दी। इसके बाद आज दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे पर धरना देकर ट्रैफिक जाम कर दिया। पुलिस ने पहले कहा कि जांच में रेप का कोई मामला सामने नहीं आया है, फिर, मामला बढ़ता देख एफआईआर दर्ज की गई।

शनिवार रात सोशल मीडिया पर वायरल हुए मैसेज में दावा किया गया कि किसी बाहरी व्यक्ति ने गर्ल्स हॉस्टल में घुसकर एक छात्रा के साथ रेप किया है। मैसेज वायरल होते ही छात्रों का गुस्सा भड़क गया। प्रदर्शनकारी छात्र यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट की ओर बढ़े और वहां तोड़फोड़ की। मुख्य गेट से बाहर निकलकर छात्रों ने चंडीगढ़ - अमृतसर नेशनल हाईवे पर धरना दे दिया। इससे हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जालंधर रेंज के डीआईजी नवीन सिंगला ने विशेष जांच टीम गठित की है। इस टीम में फगवाड़ा के एसपी मेजर सिंह, डीएसपी पलविंदर सिंह, एक महिला पुलिस इंस्पेक्टर और छात्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। एसआईटी पूरे मामले की जांच करेगी और आरोपों की सत्यता का पता लगाएगी।

दूसरी ओर, यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार मोनिका गुलाटी की ओर से रेप के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए स्टूडेंट्स से अपील की गई है कि वे अफवाह पर ध्यान न दें। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सोशल मीडिया पर प्रसारित दावों को झूठा, बेबुनियाद और मनगढ़ंत बताया है।

रविवार शाम को पुलिस छात्रों से बातचीत कर रही थी, तभी पुलिस पर बोतलें फेंकी गईं। पुलिस ने शाम करीब साढ़े 7 बजे छात्रों पर लाठीचार्ज किया।

जवाब में छात्रों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस की 3 गाड़ियों में आग लगा दी गई। इसके बाद भी जब छात्र नहीं रुके, तो पुलिस ने रात करीब 9 बजे छात्रों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।

देश की पहली एलएनजी-डीज़ल डुअल-फ्यूल ट्रेन शुरु हुई

अहमदाबाद, 27 सितंबर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के साबरमती से देश की पहली एलएनजी-डीजल डुअल-फ्यूल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने गुजरात में 1,542 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ भी किया।

रेलवे ने कहा कि साबरमती से भारतीय रेल में आज से हरित ऊर्जा के नए अध्याय का शुभारंभ हुआ है। वैकल्पिक ईंधन और आधुनिक रेल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इस ट्रेन में एलएनजी (लिक्विफाइड नैचुरल गैस) और डीजल दोनों ईंधनों का उपयोग किया जा सकता है। साबरमती इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो में 1,400 हॉर्सपावर क्षमता वाली दो ड्राइविंग पावर कारों को डुअल-फ्यूल प्रणाली में परिवर्तित किया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुवाहाटी पुलिस ने सीजेपी के आशुतोष रांका को गिरफ्तार किया

गुवाहाटी, 27 सितंबर। असम पुलिस ने रविवार को गुवाहाटी में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के को-कन्वीनर आशुतोष रांका और संगठन के कई अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई संगठन की पहली क्षेत्रीय

■ **वे असम सचिवालय के पास अपने संगठन की पहली क्षेत्रीय स्वयंसेवक बैठक में भाग लेने जा रहे थे।**

स्वयंसेवक बैठक के असम सचिवालय के पास शुरू होने से ठीक पहले की गई।

सीजेपी नेताओं ने बताया कि आशुतोष रांका, अंकित भारद्वाज और प्रेम आकाश सहित संगठन के बड़े नेताओं और असम के स्वयंसेवकों को पुलिस हिरासत में लेकर किसी जगह पर गयी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर से गोडावण तीन अक्टूबर को प्राकृतिक अवास में छोड़े जाएंगे

गोडावणों को विशेष रीवाइल्डिंग टनल में चार माह प्राकृतिक परिस्थितियों में रहने का प्रशिक्षण दिया गया है

जैसलमेर, 27 सितंबर। राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल अब निर्णायक चरण में पहुंच गई है। कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर में तैयार किए गए गोडावणों को प्राकृतिक आवास में पुनः स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। पहले चरण में गोडावणों को जैसलमेर के रामदेवरा और डेजर्ट नेशनल पार्क के सुदासरी क्षेत्र में खुले प्राकृतिक वातावरण में छोडे जाने की तैयारी है।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 3 अक्टूबर को रामदेवरा और 4 अक्टूबर को सुदासरी में गोडावणों को रिलीज़ किया जाएगा। हालांकि पहले चरण में सभी 10 पक्षियों को एक साथ छोड़ा जाएगा या चयनित पक्षियों को ही रिलीज़ किया जाएगा, इसका अंतिम निर्णय वैज्ञानिकों के तकनीकी आकलन के बाद होगा।

प्राकृतिक आवास में छोड़ने से पहले गोडावणों को विशेष रूप से तैयार रीवाइल्डिंग टनल में करीब चार माह तक प्राकृतिक परिस्थितियों में रहने का प्रशिक्षण दिया गया। मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम रखते हुए उन्हें जंगल जैसी परिस्थितियों में भोजन, आवागमन और प्राकृतिक व्यवहार के अनुकूल बनाया गया।

वन विभाग के संरक्षण केंद्रों में वर्तमान में रिलीज के लिए 10 गोडावण स्वस्थ एवं तैयार बताए जा रहे हैं। खुले क्षेत्र में छोडे जाने के बाद इनके व्यवहार, गतिविधियों और नए वातावरण के साथ अनुकूलन की लगातार वैज्ञानिक निगरानी की जाएगी।

गोडावणों को प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापित करने के लिए प्रारंभिक स्तर पर गुजरात के कच्छ क्षेत्र में रिलीज करने की योजना पर विचार किया गया था। विशेषज्ञों के सुझाव और पक्षियों के

■ **प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 3 अक्टूबर को रामदेवरा तथा 4 अक्टूबर को सुदासरी में गोडावणों को रिलीज करने की तैयारी है। अभी यह निर्णय नहीं हुआ है कि सभी 10 पक्षियों को पहले चरण में छोड़ा जाएगा या केवल चयनित पक्षियों को रिलीज़ किया जायेगा।**

प्राकृतिक आवास को देखते हुए बाद में राजस्थान के थार क्षेत्र को उपयुक्त माना गया। इसके बाद जैसलमेर के रामदेवरा और डेजर्ट नेशनल पार्क के सुदासरी क्षेत्र का चयन किया गया।

गोडावणों को रिलीज़ करने के अवसर पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों तथा देश-विदेश के वन्यजीव विशेषज्ञों की मौजूदगी की संभावना है। पूरा अभियान वैज्ञानिक निगरानी और निर्धारित संरक्षण प्रोटोकॉल के तहत संचालित किया जाएगा।

डेजर्ट नेशनल पार्क के डीएफओ चंद्रपाल चौहान के अनुसार, गोडावणों को प्राकृतिक जीवन के लिए तैयार करने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से रीवाइल्डिंग टनल तैयार किया गया है। उन्होंने इसे गोडावण संरक्षण परियोजना का महत्वपूर्ण चरण बताते हुए कहा कि पक्षियों को मानवीय हस्तक्षेप से दूर रखकर जंगली वातावरण में रहने का प्रशिक्षण दिया गया है और के विशेषज्ञों की देखरेख में कड़े प्रोटोकॉल निर्धारित किए गए हैं।

तमिलनाडु सरकार ने आरटीआई से जुड़ा फैसला वापस लिया

चेन्नई, 27 सितंबर। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय थलापति के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार को कड़े विरोध के बाद आखिरकार अपना एक बड़ा फैसला

■ **सरकार के आदेश में पब्लिक डिपार्टमैंट यानी सार्वजनिक कानून-व्यवस्था विभाग को सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के दायरे से बाहर करने की कोशिश की गई थी।**

वापस लेना पड़ा है।

सरकार ने उस आदेश को रद कर दिया है, जिसके तहत पब्लिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चेहरा मस्तिष्क का प्रतिबिम्ब है और आँखें बिना कहे दिल के राज़ खोल देती हैं। –सैंट जेरोमे

पहले हमें अपनी दृष्टि को स्वतंत्र करना होगा!

जमुई की विचलित कर देने वाली घटना ने एक बार फिर हमारे समाज में स्त्री की हैसियत को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि भले ही हम समय-समय पर यह कहकर अपनी पीठ थपथपाते रहें कि– **''यत्रनार्यस्तुपूज्यन्तेरमन्तेतत्रदेवता:।यत्रैतास्तु न पूज्यन्तेसर्वास्तत्राफला:क्रिया:।''** अर्थात जहाँ स्त्रियों का सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ उनका सम्मान नहीं होता, वहाँ किए गए समस्त अच्छे कर्म निष्फल हो जाते हैं। हमारे कर्म बताते रहते हैं कि हमारी सोच इसके विपरीत ही है।

आज मैं जमुई की घटना के हवाले से स्त्रियों के प्रति हमारी सामूहिक दृष्टि की बात करना चाहता हूँ। अगर यह घटना न भी घटित हुई होती, तो मैं यह सवाल जरूर उठाता कि आखिर क्यों एक स्त्री को हम एक स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में नहीं देख पाते हैं?

यह सवाल उठाने का एक तात्कालिक संदर्भ यह भी था कि हाल में सम्पन्न हुए नगरपालिका चुनावों में मेरे वार्ड में, जो स्त्रियों के लिए आरक्षित था, हर प्रत्याशी ने अपनी प्रचार सामठी में अपने पति का सचित्र उल्लेख जरूरी समझा। उनके लिए एक नया और दिलचस्प पद भी रच डाला गया–'पूर्व पार्षद प्रत्याशी'! मैं बराबर सोचता रहा कि क्या कोई स्त्री अपने पति के नाम के सहारे के बिना चुनाव भी नहीं लड़ सकती? क्या इस स्थिति की जड़ें भी उसी ग्रंथ–नाम जानबूझकर नहीं ले रहा, ताकि अनावश्यक विवाद न हो–के इस कथन में हैं कि **''स्त्री बचपन में पिता के, जवानी में पति के और बुढ़ापे में पुत्र के वश में रहे, स्वतंत्र कभी न रहे''?**

जब ये बातें कही गई थीं, तब से अब तक नदियों में बहुत सारा पानी बह चुका है। आज लड़कियाँ पढ़-लिख रही हैं और जीवन के सभी क्षेत्रों में सक्रिय हैं। राजनीति, प्रशासन, कला-संस्कृति, सुरक्षा, नागरिक सेवाएँ, तकनीक–कौन-सा ऐसा क्षेत्र है जहाँ उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमता के झंडे नहीं गाड़े हैं! लेकिन इस सबके बावजूद क्या उन्हें उसी आजादी के साथ अपनी जिंदगी जीने का स्वाभाविक अधिकार मिल सका है, जिस आजादी के साथ एक पुरुष जीता है?

क्या एक स्वतंत्र स्त्री आज भी हमें असहज नहीं कर देती? और हमारी यह असहजता कभी उसके फैशन, कभी कपड़ों, कभी उसके संगी-साथियों, कभी देर से घर लौटने और कभी उसके खान-पान को लेकर हमारी टिप्पणियों में व्यक्त होती है। याद कीजिए पटना का वह कुख्यात प्रसंग, जिसमें कथित रूप से एक लेखक ने एक युवा लेखिका के साथ अनुचित व्यवहार किया था। तब अधिकांश टिप्पणियाँ इस आशय की आई थीं कि उस युवा लेखिका ने मद्यपान किया हुआ था। पुरुष का मद्यपान हमें असहज नहीं करता, लेकिन अगर स्त्री करे तो जैसे पुरुष समाज को उसके साथ अवांछित हरकत करने का लाइसेंस मिल जाता है। हमारा समाज यह दोहरा मापदंड क्यों अपनाता है?

जब भी किसी स्त्री, चाहे वह किसी भी वय की क्यों न हो, के साथ कोई अनुचित हरकत होती है, हम उसकी सुरक्षा के लिए चिंतित होते हैं। और हमारी यह चिंता इस रूप में व्यक्त होती है कि उसे अकेले नहीं जाना चाहिए, सुनसान रास्तों पर नहीं जाना चाहिए, देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए, ऐसे कपड़े नहीं पहनने चाहिए, अगर पुरुषों का साथ हो तो उचित दूरी बनाए रखनी चाहिए, वगैरह। सोचने की बात है कि ये उसकी सुरक्षा के प्रावधान हैं या उस पर लगाई गई बंदिशें? आखिर क्यों सारी अपेक्षाएँ स्त्री से ही की जाती हैं? मैंने तो कभी नहीं पढ़ा या सुना कि पुरुषों को स्त्रियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। क्या उनके लिए भी कोई आचार-संहिता कहीं मौजूद है? और अगर नहीं है, तो क्यों नहीं है?

मेरा मूल सवाल यह है कि क्या हम अपनी स्त्री, अपनी बहन, अपनी बेटी को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर देखना चाहते हैं? उसे हम जो स्वतंत्रता देना चाहते हैं, क्या वह वास्तव में स्वतंत्रता है या हमारी मान्यताओं, पूर्वाठाहों और सामाजिक सुविधा के अनुरूप तय की गई सीमित स्वतंत्रता-इतना तो ठीक है, लेकिन इससे ज्यादा नहीं?

इससे आगे की बात। अगर कभी किसी स्त्री के साथ कुछ अनुचित घटित हो जाए, तो यह क्यों मान लिया जाता है कि उसका पूरा परिवार कलंकित हो गया है? अधिकांश मामलों में स्त्री की कोई गलती नहीं होती, वह तो पीड़िता होती है, लेकिन उसके पीड़ित होने का दंश उसके पूरे परिवार को झेलना पड़ता है–यह कितनी बड़ी विडम्बना है!

हमारे समाज की एक बहुत बड़ी व्याधि है–मोरलपुलिसिंग। यह हमारा बड़ा प्रिय शगल है कि हम हर स्त्री को, चाहे उससे हमारा कोई लेना-देना हो या न हो, नैतिकता के अपने मानदंडों पर परखते रहते हैं! कोई लड़की अगर किसी लड़के के साथ नजर आई है तो क्यों आई है? उसका उसके साथ क्या रिश्ता है? किसी ने ऐसे कपड़े क्यों पहने हैं? कोई लड़की देर रात घर क्यों आती है? क्यों वह सहज होकर किसी से भी बात कर लेती है? अगर वह मोबाइल पर बात कर रही है तो किससे कर रही है? और दुखद बात यह है कि हमारी यह मोरलपुलिसिंग केवल मौखिक नहीं रहती। वैलेंटाइन डे पर इसका एक रूप देखने को मिलता है और जमुई प्रकरण में इसी का क्रूरतम रूप देखने को मिला है।

मैं तो कहना चाहूँगा कि जमुई कांड में उन गुंडों ने जो हरकत की, कमोबेश वही हरकत हममें से अधिकांश भी करते हैं–बस उसका रूप थोड़ा माइल्ड होता है। क्या हम कभी खुद से यह सवाल पूछते हैं कि हम किसी के निजी जीवन पर टीका-टिप्पणी करने वाले होते कौन हैं? यह हक हमें किसने दिया है? और यह भी कि यह मोरलपुलिसिंग केवल स्त्रियों के मामले में ही क्यों होती है? बहुत दुखद यह भी है कि ऐसा करने वालों में पुरुष ही नहीं, स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं। वे भले ही सड़क पर आकर गुंडागर्दी न करें, अपनी वाणी से वे भी वैसा ही करती हैं जैसा बहुत सारे पुरुष करते हैं। असल में यह पीढ़ियों से चली आ रही हमारी सामाजिक मानसिकता की परिणति है और दुर्भाग्य से इस मानसिकता को बदलने के सार्थक प्रयास बहुत ही कम हुए हैं।

कहा जा सकता है कि स्त्रियों की सुरक्षा के लिए हमारे पास पर्याप्त कानून बने हुए हैं और अगर कोई किसी भी तरह की अवांछित हरकत करता है तो उसके लिए सजा के पर्याप्त प्रावधान मौजूद हैं। इस बात से असहमत नहीं हुआ जा सकता। लेकिन इसी के साथ यह भी जानना होगा कि कानून की भूमिका दुष्कृत्य हो जाने के बाद प्रारंभ होती है। फिर, एक तो यह कि कानून को लागू करने का दायित्व जिनका है, क्या उनकी मानसिकता स्वस्थ है? आए दिन न्यायपालिका के बड़े लोगों के ऐसे वक्तव्य पढ़ने को मिलते हैं, जो इस सवाल का जवाब 'नहीं' में देते हैं। उनका स्वर भी कई बार यही होता है कि दोष तो स्त्री का है। दूसरी बात यह कि केवल कानून का होना ही पर्याप्त नहीं है। ऐसे प्रयत्नों की भी जरूरत है जो पुरुषों को संवेदनशील बनाएँ और स्त्रियों की स्वतंत्रता का सम्मान करना सिखाएँ। स्त्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल स्त्री की नहीं हो सकती। जिस समाज में पुरुष और स्त्री दोनों रहते हैं, उस समाज की जिम्मेदारी दोनों की है।

हो सकता है इन बातों का एक अर्थ यह निकाल लिया जाए कि हम स्त्री को विशेषाधिकार देने की बात कर रहे हैं। नहीं। यह सच नहीं है। हम तो उसके लिए बराबरी के दर्जे के समर्थक हैं। पुरुष के लिए आजादी जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी वह स्त्री के लिए भी होनी चाहिए–उससे तनिक भी कम नहीं। जैसे किसी पुरुष का रात दो बजे घर लौटना असामान्य नहीं माना जाता, वैसे ही स्त्री का भी देर से घर लौटना असामान्य न समझा जाए। अगर वह किसी से बात कर रही है तो हमें परेशान नहीं होना चाहिए कि जिससे वह बात कर रही है, वह उसका क्या लगता है। अगर वह किसी के साथ घूम रही है तो हमें सबसे पहले उसके चरित्र की पड़ताल करने की जरूरत क्यों महसूस होनी चाहिए ?

मेरा मूल सवाल यह है कि क्या हम अपनी स्त्री, अपनी बहन, अपनी बेटी को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर देखना चाहते हैं? उसे हम जो स्वतंत्रता देना चाहते हैं, क्या वह वास्तव में स्वतंत्रता है या हमारी मान्यताओं, पूर्वाठाहों और सामाजिक सुविधा के अनुरूप तय की गई सीमित स्वतंत्रता–इतना तो ठीक है, लेकिन इससे ज्यादा नहीं?

हमें यह सोचना होगा कि क्या पुरुष के मामले में भी हमारी सोच ऐसी ही होती है। अगर नहीं, तो क्यों नहीं?

शायद स्त्री को स्वतंत्र देखने से पहले हमें अपनी दृष्टि को स्वतंत्र करना होगा।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

संविधान स्याही से नहीं, रक्त से लिखा जाता है: संवैधानिक नैतिकता और संस्थागत गरिमा

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

हाल के दिनों में निर्वाचन आयोग चर्चा में है और यह प्रकरण संस्था की छवि तथा उसकी वैधता को कमजोर करने के प्रयासों के संदर्भ में सामने आया है। यह पूरा प्रकरण हमें स्मरण कराता है कि शांति की नैतिकता, युद्ध की नैतिकता और संविधान की नैतिकता–इन तीनों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा होना चाहिए।

दुर्भाग्यवश, यह विवादद इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक रिपोर्ट के बाद उत्पन्न हुआ, जिसमें निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के कथित विचारों के संबंध में यह कहा गया कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और निर्णय-प्रक्रिया में लोकतांत्रिकता का अभाव था। दो निर्वाचन आयुक्तों को इस बात का लाभ नहीं दिया जा सकता कि उन्हें असहमति व्यक्त करने का तरीका ज्ञात नहीं था, क्योंकि असहमति व्यक्त करने का तरीका और उसके लिए चुना गया समय दोनों ही महत्वपूर्ण होते हैं। किंतु गोपनीय पत्राचार को मीडिया के साथ साझा करना किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी संस्था का मीडिया ट्रायल आमंत्रित करने के समान है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति, चाहे वह व्यक्तिगत दुर्भावना, अज्ञानता अथवा राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा और गरिमा को नुकसान पहुँचाने में कोई कसर न छोड़ें।

यह प्रसंग डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की उन प्रसिद्ध टिप्पणियों की याद दिलाता है, जो उन्होंने 4 नवंबर 1948 को भारत में संवैधानिक नैतिकता के अभाव के संदर्भ में की थीं। उन्होंने ग्रोटे को उद्धृत करते हुए कहा था: ''संवैधानिक नैतिकता का प्रसार केवल किसी समुदाय के बहुमत में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में होना स्वतंत्र और शांतिपूर्ण शासन की अनिवार्य शर्त है; क्योंकि कोई भी शक्तिशाली और हठी अल्पसंख्यक, अपने लिए प्रभुत्व स्थापित करने में पर्याप्त रूप से सक्षम हुए बिना भी, किसी स्वतंत्र संस्था के सुचारु संचालन को असंभव बना सकता है।''

उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि ग्रोटे के अनुसार संवैधानिक नैतिकता का अर्थ है: ''संविधान के स्वरूपों और प्रक्रियाओं के प्रति सर्वोच्च श्रद्धा; उन प्रक्रियाओं के अंतर्गत और उनकी सीमाओं में कार्य करने वाले प्राधिकार के प्रति आज्ञाकारिता; साथ ही खुले रूप में अपनी बात कहने की आदत, ऐसी कार्रवाई जो केवल निश्चित कानूनी नियंत्रण के अधीन हो, और उन प्राधिकारियों के सभी सार्वजनिक कार्यों की निर्बाध आलोचना का अधिकार। इसके साथ ही, दलगत संघर्ष की कटुता के बीच प्रत्येक नागरिक के मन में यह पूर्ण विश्वास भी होना चाहिए कि संविधान के स्वरूप और उसकी पवित्रता उसके विरोधियों की दृष्टि में भी उतनी ही सुरक्षित रहेगी, जितनी उसकी अपनी दृष्टि में।''

यह उचित रूप से कहा जाता है कि किसी संवैधानिक पद पर नियुक्ति, विशेषकर ऐसे पद पर जिसमें राष्ट्रीय उत्तरदायित्व निहित हो, व्यक्ति के चरित्र और योग्यता की न्यूनतम कसौटी को पूरा करनी चाहिए। राष्ट्रीय चरित्र वाला व्यक्ति सदैव राष्ट्र को सर्वोपरि रखेगा और व्यक्तिगत शिकायतों से ऊपर संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को बनाए रखेगा।इसे निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली के संदर्भ में भी देखा जा सकता है, जहाँ निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं।

यदि मुख्य निर्वाचन आयुक्तश्री ज्ञानेश कुमारकी कथित तानाशाही के आरोपों में कोई सत्यता है, तो दोनों निर्वाचन आयुक्तों को निर्णय तक पहुँचने के समय तैयार की गई नोटशीट में दर्ज अपने असहमति के विचारों का उल्लेख करना चाहिए। अत: सार्वजनिक क्षेत्र में लगाए गए इन आरोपों को स्थापित तथ्य के रूप में स्वीकार करने के बजाय उनकी गंभीरता से जाँच और परीक्षण आवश्यक है।इस विवाद के कारण विपक्षी दलों नेमुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के इस्तीफेकी माँग भी की है। इसने विपक्षी दलों को एक तैयार मुद्दा उपलब्ध करा दिया है। ऐसी माँगें राजनीतिक विमर्श की गुणवत्ता और स्तर पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं।

एक छद्म युद्ध प्रारंभ हो गया है। विपक्षी नेतृत्व की राजनीतिक विफलता का आरोप निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर मढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में अतीत में और के संबंध में उठाए गए प्रश्नों को पुन: उठाया जा रहा है। राजनीतिक नेतृत्व इस आत्मावलोकन में विफल दिखाई देता है कि और से संबंधित विषय न्यायिक परीक्षण के अधीन रहे हैं और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों में इन पर विचार किया जा चुका है। विपक्षी दलों का यह दृष्टिकोण कि वे कानून और संवैधानिक संस्थाओं से ऊपर हैं, विधि के शासन के प्रति अत्यंत निम्न स्तर के सम्मान को प्रतिबिंबित करता है। यह कहा जाता है कि विधायिका के लिए लक्ष्मण रेखा के रूप में मूल संरचना सिद्धांत है, जिसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय नेकेशवानंद भारती मामले में प्रतिपादित किया और जो न्यायिक समीक्षा के माध्यम से संवैधानिक सीमाओं को सुनिश्चित करता है। लेकिन जब राजनेताओं द्वारा राष्ट्रीय महत्व के विषयों और संस्थाओं के साथ व्यवहार करने की बात आती है, तब उनकी लक्ष्मण रेखा कहाँ है?

सत्ता प्राप्त करने की अधीरता में राजनीतिक दल कभी-कभी ऐसी स्थिति में पहुँच जाते हैं जहाँ संवैधानिक नैतिकता, संवैधानिक औचित्य तथा सार्वजनिक जीवन और सार्वजनिक विमर्श में आत्म-संयम को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से एक ओर रख दिया जाता है। विपक्ष को यह स्मरण रखना चाहिए कि वह जितना संविधान में विश्वास रखेगा, उतना ही जनता का विश्वास संविधान में बना रहेगा। संवैधानिक संस्थाओं की वैधता और प्रतिष्ठा एक दिन में निर्मित नहीं होती। टी.एन. शेषन ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में निर्वाचन आयोग की शक्ति और भूमिका को जिस प्रकार प्रदर्शित किया, वह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है।असहमति का अधिकार प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक राजनीतिक दल का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार निरपेक्ष नहीं है। संविधान स्वयं इस अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंधों की व्यवस्था करता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष-दोनों के लिए आचार-संहिता आवश्यक है और राष्ट्रीय महत्व की संस्थाओं, विशेषकर निर्वाचन आयोग, के साथ व्यवहार करते समय अत्यधिक आत्म-संयम की अपेक्षा की जाती है। अंतत: लॉरेंस एच। ट्राइब की उस प्रसिद्ध पंक्ति को स्मरण करना सदैव उपयोगी है-संविधान स्याही से नहीं, बल्कि रक्त से लिखा जाता है।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना बनी सुखी के लिए संबल

विकसित भारत-जन सेवा अभियान-2026 : वर्षों से लंबित विद्यालय भूमि के पट्टे का मामला भी हुआ निस्तारित

आकांक्षा

प्रदेशभर में महत्वाकांक्षी विकसित भारत-जन सेवा अभियान-2026 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित किया जा रहा है। जनकल्याण, सामाजिक सरोकार और सुशासन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस एक माह के अभियान के माध्यम से सरकारी योजनाओं के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ किसानों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए प्रदेश को समृद्ध एवं विकसित राजस्थान की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

अभियान के प्रभाव का एक प्रेरक उदाहरण जोधपुर के मंडोर स्थित डाईकड़ा ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में देखने को मिला, जहां स्थानीय पशुपालक सुखी के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना संबल बनी। अपने पशुधन की असामयिक मृत्यु से दु:खी सुखी पत्नी हरलाल को शिविर में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत तत्काल 27 हजार रुपये की बीमा दावा राशि प्रदान की गई। सुखी ने अपने पशुधन का योजना के तहत बीमा करवाया था, जिससे उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिली। भावुक सुखी ने बताया कि 27 हजार रुपये की यह राशि उनके परिवार के लिए बहुत बड़ी मदद है। उन्होंने बताया कि वह इस राशि को बैंक ऋण के साथ मिलाकर भैंस खरीदने और अपनी डेयरी आय को बढ़ाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने हम जैसे छोटे पशुपालकों के लिए इस योजना को आगे बढ़ाया।

इसी शिविर में लंबे समय से लंबित एक अन्य मामले का भी मौके पर निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने भूमि अभिलेखों की गहन जांच करते हुए डाईकड़ा स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के वर्षों से लंबित मामले का त्वरित निस्तारण किया और मौके पर ही विद्यालय की भूमि का बहुप्रतीक्षित पट्टा जारी किया। पट्टा जारी होने से विद्यालय की भूमि के अधिकार सुनिश्चित हो गए हैं। इससे विद्यालय में नए कक्ष-कक्षों, सुरक्षित चारदीवारी और आधुनिक खेल मैदानों के निर्माण के साथ-साथ विभिन्न राज्य प्रायोजित विकास योजनाओं के तहत अनुदान प्राप्त करने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। वर्षों से लंबित इस मामले का मौके पर ही समाधान होने से ग्रामीणों और विद्यालय प्रशासन में खुशी का माहौल है।

अनिशा

–आकांक्षा (पीआरओ) जोधपुर,
अनिशा (यंग मीडिया सहायक)

सेवा संकल्प अभियान-सेवा सेतु अभियान शिविर

अभियान के माध्यम से विकसित भारत 2047 राष्ट्रीय संकल्प से युवाओं को जोड़ा जा रहा है

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल होने पर समूचे देश में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि अभियान के माध्यम से विकसित भारत 2047 राष्ट्रीय संकल्प से युवाओं को जोड़ा जा रहा है। आज देश 2047 के भारत के सपने को साकार करने के लिए रोडमैप बनाकर आगे ब्रढ़ रहा है। 2047 इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि 1947 में देश आजाद हुआ था और 2047 में देश स्वतंत्रता शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है। नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार दूरगामी सोच के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार का लक्ष्य 2047 आते आते भारत विकासशील देष नहीं अपितु विकसित देशों की कतार में शामिल हो जाए। एक जिला एक उत्पाद, वोकल फार लोकल, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन, युवाओं को एंटरप्रोन्योर बनाने का संकल्प, देश को आत्मनिर्भरता की और ले जाने और भारत दुनिया के देशों के सामने सिर उंचा उठाकर देख सकें और यह सपना कि भारत दुनिया के देशों का नेतृत्व करने की स्थिति में आएं इस लक्ष्य के साथ देश आगे बढ़ रहा है। आज लगभग सभी क्षेत्रों में भारत अपनी पहचान और छाप छोड़ रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने के दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है तो आज रक्षा उपकरणों तक का प्रमुख निर्यातक देश बन गया है।

दरअसल देखा जाएं तो सेवा संकल्प अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि इस अभियान के माध्यम से देश में एक इस तरह का माहौल तैयार किया जा रहा है कि देश विकसित भारत 2047 के दूरगामी लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। सरकार द्वारा समठा विकास के संकल्प के साथ योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी ही नहीं अपितु योजनाओं और कार्यक्रमों से सीधे लाभान्वित करने के संकल्प के साथ आयोजन हो रहे हैं। यह आयोजन किसी एक स्थान या एक प्रदेष में ना होकर देशव्यापी अभियान हो रहा है। निश्चित रुप से इसका लाभ देषवासियां को प्राप्त होगा।

सेवा संकल्प अभियान के क्रम में ही राजस्थान में भी 26 सितंबर से 28 सितंबर तक सेवा सेतु अभियान शिविरों का गिरदावर सर्कल स्तर तक आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का लाभ आम प्रदेशवासियों तक पहुंचाने के लिए ही राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी-बिजली सहित सीधे आम जनता से जुड़े 22 से अधिक संबंधित विभागों की शिविरों में भागीदारी तय की गई है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा स्वयं समीक्षा कर रहे हैं तो मुख्य सचिव वी श्री निवास द्वारा मोनेटरिंग की जा रही है। शिविरों में सीधे आम जन से जुड़े बिन्दुओं को शामिल किया गया है जिससे प्रदेशवासियों को शिविर के दौरान ही लाभान्वित किया जा सके। राजस्व विभाग द्वारा राजस्व खातों के शुद्धिकरण से लेकर नामांतरण, रास्ते संबंधित विवाद, सीमाज्ञान, अतिक्रमण हटाने आदि आदि प्रकरणों के निस्तारण को शामिल किया गया है तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीकाकरण से लेकर रोगों की स्क्रीनिंग, टीबी जांच पोषण किट आदि, कृषि और पशुपालन द्वारा पशु चिकित्सा शिविर, टीकाकरण, बीमा, किसानों की कृषि संबंधित योजनाओं और मृदा परीक्षण जैसे कार्यों को शामिल किया गया है। फूड एवं सिविल सप्लाई द्वारा आधार सीडिंग, ईकेवाईसी सहित अन्य कार्य, ग्रामीण विकास द्वारा अन्य के साथ ही ठोस कचरा प्रबंधन, स्वच्छता गतिविधियों को शामिल किया गया है। विद्युत और जलदाय से संबंधित समस्याओं के समाधान के साथ ही इनसे जुड़ी अन्य सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा के तहत पीएम जनधन योजना से लेकर अन्य सभी योजनाओं से जोड़ने सहित अन्य कार्य और शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृति, पालनहार योजना, विद्यालयों से भूमि संबंधित आदि आदि कार्य और महिला और बाल विकास विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी व लाभ पहुंचाया जा रहा है। इन सबके साथ ही श्रमिक टूलकिट वितरण, पूर्व सैनिकों से संबंधित कार्य, दिव्यांगों को रोडवेज पास के साथ ही अन्य आवश्यक प्रकरणों को इन शिविरों में निपटाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलान शर्मा के व्यक्तिगत फोकस से एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि सेवा सेतु अभियान अपने उद्देश्यों में काफी हद तक सफल रहेगा और निश्चित रुप से इसका लाभ गॉव-ढ़ाणी में बैठे दूरदराज के लोगों तक पहुंच पायेगा। इसके साथ ही जिस पवित्र लक्ष्य के साथ सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है इसका लाभ आम प्रदेशवासियों तक पहुंच सकेगा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 28 सितम्बर, 2026

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत-2083, रेवती नक्षत्र प्रात: 10:16 तक, धुव्र योग प्रात: 8:54 तक, तैतिल करण प्रात: 8:06 तक, चन्द्रमा आज दिन 10:16 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज अशून्य शयन व्रत, द्वितीया का श्राद्ध है। पंचक दिन 10:16 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– सूर्योदय से 7:50 तक, चर 9:19 से 10:48 तक, चर 1:47 से 3:16 तक, लाभ अमृत 3:16 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:14

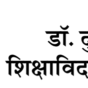

मेष

मानसिक तनाव दूर होगा। मन: स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

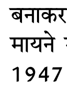

वृष

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

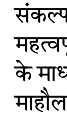

मिथुन

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

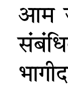

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है और आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

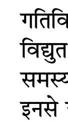

सिंह

व्यावसायिक प्रायासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता एवं आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

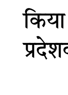

कन्या

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज यात्रा में दुर्घटना का भय है।

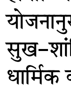

तुला

विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

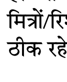

वृश्चिक

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण आज स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

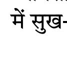

धनु

घर-परिवार में आपसी वाद-विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

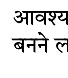

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

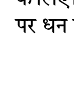

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

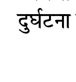

मीन

परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आज मानसिक तनाव दूर होगा।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सेवा संकल्प अभियान – जन सेवा ही प्रभु सेवा

(17 सितम्बर-17 अक्टूबर 2026)

भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, अलवर, कोटपुतली-बहरोड़ एवं खैरथल-तिजारा जिलों के

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

₹1,109 करोड़ के 345 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, ऊर्जा, पेयजल, सार्वजनिक निर्माण, ग्रामीण विकास एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से हो रहा काया कल्प

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

शिलान्यास

- सवयार्ड ग्राम निठार, भुसावर में भूमि समतलीकरण एवं चारदीवारी तथा किसान पथ नगला गुठाकर से नयागाँव की सीमा तक कृषि उपज मण्डी समिति, वैर के निर्माण कार्य (लागत राशि 2.15 करोड़ रुपए)
- सार्वजनिक निर्माण विभाग के 125 कार्य (लागत राशि 185.20 करोड़ रुपए)
- ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के 7 कार्य (लागत राशि 1.56 करोड़ रुपए)
- स्कूल शिक्षा विभाग के 13 कार्य (लागत राशि 27.72 करोड़ रुपए)
- यूडब्ल्यूएसएस नदबई का विस्तार कार्य (लागत राशि 6.47 करोड़ रुपए)
- जल संसाधन विभाग के 6 कार्य (लागत राशि 44.35 करोड़ रुपए)
- चुली एवं अनियाला में 33 केवी सब स्टेशन के निर्माण कार्य (लागत राशि 2.55 करोड़ रुपए)
- ट्रोमा सेन्टर एवं MCH अस्पताल का निर्माण कार्य (लागत राशि 160.15 करोड़ रुपए)
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 20 कार्य (लागत राशि 96.58 करोड़ रुपए)
- नगरीय विकास विभाग के 3 कार्य (लागत राशि 13.43 करोड़ रुपए)
- पशु चिकित्सा उपकेन्द्रों बिचपुरी गुजरान, दरगमां एवं बालौती के भवन निर्माण कार्य
- नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण सड़क, भिवाड़ी से खिजुरीवास टोल, भिवाड़ी (लागत राशि 40 करोड़ रुपए)
- कठूमर से डेहरा मोड (वाया मसारी, भरीथल होते हुए अटारी) सड़क का चौड़ाईकरण (18 किमी.) (कठूमर, नदबई) -अलवर, भरतपुर (लागत राशि 11 करोड़ रुपए)
- विधानसभा क्षेत्र थानागाजी में मिसिंग लिंक सड़कों के 16 कार्य (लागत राशि 9 करोड़ रुपए)
- नयागाँव बोलका से धौलान टहला, राजगढ़ SH-25 तक 11 किमी सड़क निर्माण कार्य (थानागाजी) - अलवर (लागत राशि 5 करोड़ रुपए)

लोकार्पण

- ऊर्जा विभाग के 14 कार्य (लागत राशि 273.48 करोड़ रुपए)
- जल संसाधन विभाग के 11 कार्य (लागत राशि 128.20 करोड़ रुपए)
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 11 कार्य (लागत राशि 11.96 करोड़ रुपए)
- सार्वजनिक निर्माण विभाग के 6 कार्य (लागत राशि 24.84 करोड़ रुपए)
- उच्च प्राथमिक विद्यालय, नागला केवाल के निर्माण कार्य (लागत राशि 1.10 करोड़ रुपए)
- ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के 10 कार्य (लागत राशि 1.24 करोड़ रुपए)
- राजकीय कन्या महाविद्यालय, बाडी में निर्माण कार्य (लागत राशि 7.50 करोड़ रुपए)
- राजकीय आयुर्वेद औषधालय धौर एवं कासिमपुर के भवन निर्माण कार्य
- वन विभाग के 5 कार्य
- बायो परीक्षण प्रयोगशाला एवं संयुक्त निदेशक कार्यालय के भवन निर्माण कार्य (लागत राशि 2.42 करोड़ रुपए)
- पशु चिकित्सालय उदई खुद एवं अनियाला के नवीन भवन के निर्माण कार्य
- सीसी अटल पथ का निर्माण, ईशाक हाउस से सरकारी अस्पताल,
- ग्राम इस्माइलपुर तक (लागत राशि 2 करोड़ रुपए)
- सीसी अटल पथ का निर्माण, SH-14 राय मोड़ से हरी टेलर से भावनी बड़सिवा, ग्राम ततरपुर (लागत राशि 2 करोड़ रुपए)
- बी.टी. सड़क निर्माण कार्य, अलावपुर बासवा से चम्मुनी ढाणी से धनियों सैयद रोड...
- अटल प्रगति पथ का निर्माण, नाई हाउस से टाइल ग्राम गुवालड़ा (लागत राशि 2 करोड़ रुपए)

राजस्थान संवाद

दोपहर 11:30 बजे | बिड़यारी, बयाना, जिला भरतपुर | 28 सितम्बर, 2026 | अपराह्न 1:30 बजे | खैरथल, जिला खैरथल-तिजारा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

दो करोड़ की रिश्वत मामले में एसओजी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी गिरफ्तार

ब्यूरो ने दलाल एवं एसओजी अति. पुलिस अधीक्षक को न्यायालय में पेश किया

■ उदयपुर नगर निगम के 272 भूखण्ड के प्रकरण संख्या 97/2022 को लचिला बनाने एवं कार्यवाही के दौरान जब्तगी नहीं की गई सामग्री लौटाने के एवज में दो करोड़ रूपये रिश्वत की मांगी थी

उदयपुर, (निसं)। शहर के चर्चित 272 भूखण्ड मामले को लचिला करने के मामले में दो करोड़ की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार दलाल सज्जनसिंह एवं एसओजी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सोनी को ब्यूरो ने रिमाण्ड पर लिया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर रेंज डॉ. रामेश्वरसिंह उप महानिरीक्षक पुलिस , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभार ब्यूरा चौकी इन्टे उदयपुर गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के सुपरविजन में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इंटेलीजेंस युनिट उदयपुर की पुलिस उप अधीक्षक डॉ.सोनू शेखावत के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारी दलपतसिंह, सहायक उप निरीक्षक मुनीर मोहम्मद, कांस्टेबल अजय कुमार, मय टीम ने नगर निगम 272 भूखण्ड मामले में शनिवार को ट्रैप कार्यवाही करते हुए दलाल सज्जनसिंह को दो करोड़ की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसओजी मुकेश सोनी को भी गिरफ्तार किया। रविवार को ब्यूरो की टीम ने दोनों को न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों को 3 दिन के लिए रिमाण्ड पर लिया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इंटेलीजेंस युनिट उदयपुर को उदयपुर नगर निगम के 272 भूखण्ड के प्रकरण संख्या 97/2022 को लचिला बनाने एवं कार्यवाही के दौरान जब्तगी नहीं की गई सामग्री लौटाने के एवज में दो करोड़ रूपये रिश्वत की मांग करने वाले दलाल सज्जनसिंह पुत्र गणेशलाल जैन निवासी सामुदायिक भवन के पास हिरणमगरी सेक्टर 11 एवं के मार्फत बालोतरा निवासी एसओजी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सोनी द्वारा दो करोड़ रूपये रिश्वत मांगने की शिकायत दी थी।

जोधपुर एयरबेस पर युद्धाभ्यास "तरंग शक्ति-2026" शुरू

भारतीय वायु सैनिकों के साथ सात अन्य देशों के वायु सैनिक जांबाजी दिखाएंगे

■ यह एक्सरसाइज क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए कंस्ट्रक्टिव डिफेंस एंगेजमेंट और बेहतर मिलिट्री सहयोग के प्रति भारत के कमिटमेंट को पक्का करती है

जोधपुर, (कासं)। युद्धाभ्यास "तरंग शक्ति-2026" शनिवार से शुरू हो गया। आज दूसरे दिन भी यह अभ्यास जारी रहा।12 अक्टूबर तक जोधपुर एयरबेस पर चलने वाले युद्धाभ्यास में भारत समेत आठ देशों की वायु सेनाओं के जवान हिस्सा ले रहे हैं।

उद्घाटन समारोह के बाद, इंडियन एयर फ़ोर्स एयर फ़ोर्स स्टेशन जोधपुर में एक्सरसाइज़ तरंग शक्ति 2026 का ऑपरेशनल फ़ेज़ शुरू करने के लिए तैयार है। 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होने वाली इस मल्टीलेटरल एयर एक्सरसाइज़ की थीम पावर इन पार्टनरशिप है, जो पार्टनर एयर फ़ोर्स के बीच मिलकर काम करने, एक्सपर्टीज़ शेयर करने और इंटरऑपरेबिलिटी बनाने से मिलने वाली ताकत को दिखाती है। इस एक्सरसाइज़ में सात फ्रेंडली विदेशी देश- ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, यूनाइटेड अरब एमिरेट्स, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका और बांग्लादेश हिस्सा ले रहे हैं। 2024 में पहले सफल एडिशन के आधार पर, एक्सरसाइज तरंग शक्ति 2026 हिस्सा लेने वाली एयर फोर्स को एडवांस्ड जॉइंट ट्रेनिंग, ऑपरेशनल एक्संपर्टीज़ के एक्सचेंज और प्रोफेशनल एक्सपीरियंस को मज़बूत करने का मौका देती है।

हिस्सा लेने वाली टीमें के साथ काम करेंगी, और कई मिशनों में फ्रंटलाइन कॉम्बैट प्लेटफॉर्म और सपोर्ट एलिमेंट्स का इस्तेमाल करेंगी। कई दूसरे भी ऑब्ज़र्वर के तौर पर हिस्सा लेंगे। यह एक्सरसाइज एयरक्रू, मिशन प्लानर्स और ऑपरेशनल सपोर्ट स्टाफ के बीच प्रोफेशनल बातचीत को आसान बनाएगी, जिसमें इंटरऑपरेबिलिटी, आपसी लर्निंग, एयरोस्पेस सेफ्टी और ऑपरेशनल प्रोसीजर की बेहतर समझ पर ज़ोर दिया जाएगा। यह बातचीत हिस्सा लेने वाली सेनाओं को एक साथ काम करने, एक्सपीरियंस शेयर करने और एक-दूसरे की क्षमताओं और ऑपरेटिंग फिलॉसफी को बेहतर ढंग से समझने का मौका देगी।

तरंग शक्ति के इस एडिशन में फ्लाइंग ऑपरेशन्स से कहीं ज़्यादा बड़ा कैनवस है, जिसमें एक्सरसाइज के दौरान कई तरह की प्रोफेशनल, कल्चरल और आउटरीच एक्टिविटीज़ प्लान की गई हैं। इनमें एक डेडिकेटेड सेमिनार, हिस्सा लेने वाली विदेशी टीमों के लिए इंडस्ट्रियल टूर, सेखों मैराथन, हेरिटेज टूर और योग सेशन शामिल हैं। इन मुलाक़ातों से प्रोफेशनल लेन-देन, भारत के एयरोस्पेस और इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम के बारे में जानने, और हिस्सा लेने वाली टुकड़ियों के बीच ज़्यादा बातचीत और भाईचारे के मौके मिलेंगे। एक्सरसाइज तरंग शक्ति 2026 में अपनी ऑपरेशनल क्षमताओं, प्रोफेशनल स्टैंडर्ड और इंस्टीट्यूशनल सोच को दिखाने का मौका मिलेगा, साथ ही भारत की बढ़ती स्वदेशी एयरोस्पेस और डिफेंस क्षमताओं को भी दिखाती है। पावर इन पार्टनरशिप थीम के तहत यह एक्सरसाइज, हिस्सा लेने वाली एयर फ़ोर्स के बीच स्थायी पार्टनरशिप बनाने में सहयोग, इंटरऑपरेबिलिटी और आपसी भरोसे के महत्व को मज़बूत करती है। यह एक्सरसाइज क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए कंस्ट्रक्टिव डिफेंस एंगेजमेंट और बेहतर मिलिट्री सहयोग के प्रति भारत के कमिटमेंट को पक्का करती है, साथ ही शेयर्ड ऑपरेशनल अनुभव के ज़रिए पार्टनरशिप को मज़बूत करती है और ज़्यादा स्ट्रेटेजिक सहयोग को बढ़ावा देती है।

सीएम ने दो विधायकों के निकाय चुनाव में रवैये को लेकर नाराजगी जताई

■ राजनीति में किसी व्यक्ति के बजाय पार्टी के प्रति वफादारी और संगठन के साथ समन्वय को प्राथमिकता दी जानी चाहिए : सीएम

उदयपुर, (निस)। प्रदेश में निकाय चुनाव खत्म होने के बाद अब भाजपा ने अगली बड़ी चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी का पूरा फोकस अब आगामी पंचायतीराज चुनावों पर है। शनिवार को उदयपुर में हुई बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सख्त रूप भी देखने को मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सलूंबर से विधायक शांता मीणा और वल्लभनगर से विधायक उदयलाल डांगी से निकाय चुनाव के दौरान रहे उनके रवैये को लेकर गहरी नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री ने वफादारी को लेकर विधायकों को संदेश दिया कि राजनीति में किसी व्यक्ति के बजाय पार्टी के प्रति वफादारी और संगठन के साथ समन्वय को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सलूंबर विधायक शांता मीणा को सीधे शब्दों में टोकते हुए कहा कि राजनीति में व्यक्ति निष्ठा के बजाय संगठन निष्ठा होनी चाहिए। यानी किसी व्यक्ति विशेष के प्रति वफादार रहने के बजाय हमेशा पार्टी और संगठन के प्रति वफादार रहना चाहिए। मुख्यमंत्री की इस सख्त हिदायत के बाद दोनों विधायक उनके सामने बिल्कुल खामोश खड़े रहे। सीएम सलूंबर, भींडर और कानोड में विधायकों के टिकट वितरण में बहुत दखल से भाजपा की चिंताजनक स्थिति पर काफी नाराज थे। उदयपुर में शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संभाग के भाजपा सांसदों, विधायकों और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों की एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक ली। इसमें मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा और उन्हें पंचायत चुनावों में जीत की पूरी रणनीति भी समझाई। इससे पहले जब निकाय चुनाव होने वाले थे तब भी मुख्यमंत्री ने अपनी पहली चुनावी बैठक उदयपुर में ही की थी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हाल ही में हुए निकाय चुनावों से हमें जो अनुभव मिला है, उसका पूरा इस्तेमाल अब पंचायतीराज चुनावों में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण चुनावी बैठक में उदयपुर संभाग के कई बडे नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें उदयपुर के सांसद और भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.मन्नालाल रावत, चित्तौड़गढ़ के सांसद सीपी जोशी, कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी, उदयपुर शहर के विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा समेत संभागभर के सभी भाजपा विधायक और जिलाध्यक्ष शामिल थे।

दुष्कर्म के प्रयास में महिला की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में छह दिन पहले हुए महिला के ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने रविवार शाम खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोपी नीरज लोनी (35) निवासी कटनी मध्यप्रदेश को बारां के छबड़ा से गिरफ्तार किया है। आरोपी वाटिका में किराए से रहकर मजदूरी करता था। पुलिस के अनुसार उसने शराब पीने के बाद महिला मजदूर को प्लॉट पर सफाई कराने के बहाने मजदूरी देने के नाम पर रिंग रोड के पास सुनसान जगह ले गया। वहां दुष्कर्म का प्रयास करने पर महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने भारी पत्थर से उसके सिर और मुंह पर वार कर हत्या कर दी और फरार हो गया।

डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि ब्लाइंड मर्डर की जांच के दौरान पुलिस टीम ने वारदात स्थल और आसपास के रास्तों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज और अन्य तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान की गई।

बालों से भरा बोरा लेकर चोर फरार

टोंक, (निसं)। देवली शहर के चर्च रोड पर एक अनोखी चोरी की घटना के बाद चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। इस दौरान चोर बालों से भरा एक बोरा उठा ले जा रहा है। जिसके बाद दुकान मालिक विमल कुमार सिंघल ने देवली थाना पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया कि शनिवार को उनकी पुराने बर्तन की दुकान के बाहर से एक पिकअप में सवार चोर बालों का बोरा उठाकर ले गया। जब बोरा घायब मिला तो दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज देखी, सीसीटीवी में चोर बोरा उठाकर पिकअप में रखता हुआ नजर आया। रिपोर्ट के अनुसार बोरे में 23 से 24 किलो बाल थे, जिनकी बाजार कीमत 11 से 12 हजार रुपए प्रति किलो है, इस प्रकार बालों की कुल कीमत लगभग 2.5 से 2.9 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पिकअप सवार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ईसरदा-बंध बरेठा परियोजना की खुली नहर के विरोध में महापंचायत संपन्न

■ किसानों ने मांग की कि ईसरदा से बंध बरेठा तक पानी खुली नहर के बजाय पाइपलाइन से ले जाया जाए

■ किसानों ने जयपुर की फैक्ट्रियों से निकलने वाले केमिकल युक्त पानी के मोरेल बांध तक पहुंचने की समस्या का स्थायी समाधान मांगा

गंगापुर सिटी, (निसं)। रविवार को ईसरदा-बंध बरेठा परियोजना की खुली नहर के विरोध में रामसिंहपुरा पुलिस चौकी के पास महापंचायत हुई। इसमें किसान, महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे। किसानों ने मांग की कि ईसरदा से बंध बरेठा तक पानी खुली नहर के बजाय पाइपलाइन से ले जाया जाए। प्रभावित भूमि के लिए पाइपलाइन सही विकल्प है।

उन्होंने जयपुर की फैक्ट्रियों से निकलने वाले केमिकलयुक्त पानी के मोरेल बांध तक पहुंचने की समस्या का स्थायी समाधान मांगा। जलस्रोतों और कृषि पर प्रदूषित पानी के असर को रोकने के लिए कदम उठाए जाने की मांग की। महापंचायत के दौरान रामसिंहपुरा चौकी पुलिस के एएसआई विनोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल और बरनाला तहसील प्रशासन सुरक्षा में सतर्क रहा।

इसका आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट और किसान सभा जिलाध्यक्ष कांजी मीणा ने किया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री किसान बत्तीलाल, पूर्व विधायक सवाई माधोपुर मोतीलाल मीणा, युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर मीणा, डॉ. शंकरलाल मीणा, राकेश सांचोली, आशुतोष गोयल, भरतलाल मैनेजर, नानजी पटेल, हंसराज सरपंच, हरिप्रसाद सरपंच, विष्णु उर्फ अल्लू गुप्ता और अंजू एडवोकेट समेत कई किसान मौजूद रहे।

ईसरदा-बंध बरेठा परियोजना की खुली नहर के विरोध में रामसिंहपुरा पुलिस चौकी के पास महापंचायत हुई।

राजगढ़ तहसील के लंबोर बड़ी में दो घरों में भीषण आग लगी

फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया

■ लाखों का सामान जलकर खाक, मौके पर पेट्रोल की बोतल भी मिली

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ तहसील के गांव लंबोर बड़ी में शनिवार को भयावह आगजनी की घटना हो गई। दो घरों में लगी भयानक आग में पांच मकान, फ्रिज, कूलर सहित घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। दोनों घरों में लाखों रुपयों का नुकसान बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार एक घर बंद था। कल्याण सिंह राजपूत परिवार सहित बीकानेर रहते हैं। दूसरे घर में उनके भाई का पुत्र मोनू राजपूत रहता है। आग लगने से गांव में दहशत का माहौल हो गया। सूचना पर नगरपालिका राजगढ़ से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना पर राजगढ़ थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। एएसआई राजकुमार मय जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को घटनास्थल पर पेट्रोल की बोतल मिली है। आगजनी के कारणों का अभी पता नहीं लगा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बड़े भाई ने छोटे भाई पर लगाया पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप : -गांव लंबोर बड़ी में शनिवार रात दो घरों में लगी भीषण आग मामले में पुलिस ने राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि गजेन्द्र सिंह पुत्र कल्याण सिंह राजपूत निवासी लंबोर बड़ी ने रविवार को थाने में रिपोर्ट दी है कि वह बीकानेर में किराए के मकान पर रहता है।

26 सितंबर की रात 9 बजे उसे सूचना मिली कि उसके घर पर आग लग गई है। गजेन्द्र सिंह ने आरोप लगाया कि आग लगाने वाला उसका छोटा भाई रवीन्द्र सिंह है। घरेलू संपत्ति विवाद चल रहा है। रवीन्द्र सिंह व उर्मिला कंवर ने साजिश करके ढाई लीटर की पेट्रोल की बोतल से घर में आग लगाई है।

रिपोर्ट में बताया कि जब वह घर पहुंचा तब तक उसका सारा मकान जल चुका था। घर में रखा सामान कूलर, फ्रिज, बैड, सोफा, चारपाई, संदूक, अलमारी, कपड़े, बिस्तर, लाइट फिटिंग सब कुछ जल गया। आग की वजह से कमरों की छतें टूट गईं। संदूक में रखा थोड़ा बहुत सोने-चांदी का सामान भी जल गया। बेटी को 10वीं में सरकार से मिला लैपटॉप, सरपंच से मिला कम्प्यूटर व अन्य इनाम व कागजात भी जल गए। गजेन्द्र सिंह ने बताया कि पहले भी उर्मिला के कहने पर रवीन्द्र सिंह ने चूरू एसपी के पास जाकर उस पर झूठा मुकदमा लगाया था और उर्मिला कंवर ने उसे बर्बाद करने की धमकी भी दी थी। राजगढ़ थाना पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया है। इससे पहले पुलिस को घटनास्थल पर पेट्रोल की बोतल मिली थी।

तेज रफ्तार में आ रही कार खाई में गिरी, छह जने घायल

टोंक, (निसं)। निवाई के पास दौसा-कोथून हाईवे पर रविवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गई। हादसे में कार में सवार 6 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर दत्तवास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से चाकसू के उपजिला अस्पताल पहुंचाया। दत्तवास थाना प्रभारी निरमा मीणा ने बताया कि सभी घायलों को हल्की चोटें आई हैं। पुलिस के मुताबिक, कार सवार सभी लोग सवाईमाधोपुर में होटल चलाते हैं। वे जयपुर से सवाईमाधोपुर लौट रहे थे, तभी दयालपुरा कट के पास यह हादसा हुआ। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा)
नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, जोधपुर-342003
दूरभाष : 0291-2742223, फैक्स : 0291-2746539
ई-निविदा सूचना
अनगैल्वेनाइज्ड 36 फीट लम्बाई का सिंगल सर्किट एवं 42 फीट लम्बाई का डबल सर्किट लेटिस स्ट्रक्चर सेट TN-2203 (UBN JVV2627GLOB00487) की खरीद हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है।
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800-180-6045
अधीक्षण अभियंता (पदार्थ प्रबन्ध अनुबंध)

भीलवाड़ा में असामाजिक तत्वों ने मूर्ति खंडित की, हिंदू संगठनों में आक्रोश

घटना का पता सुबह चला, जब श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचे

■ स्थानीय निवासियों और हिंदू संगठनों का कहना है कि महज पांच महीने पहले भी इसी स्थान पर मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया था

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों ने एक बार फिर धार्मिक सौहार्द और आस्था पर चोट पहुंचाने की कोशिश की है। प्रताप नगर स्थित तेली समाज के प्राचीन स्थान पर स्थापित झुंझारजी महाराज की मूर्ति को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और हिंदू संगठनों के साथ स्थानीय लोगों में गहरा रोष व्याप्त हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हिंदू संगठनों से चर्चा की।

घटना का पता उस समय चला जब सुबह श्रद्धालु रोजाना की तरह पूजा-अर्चना करने पहुंचे। मूर्ति क्षतिग्रस्त हालत में देखकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय निवासियों और हिंदू संगठनों का कहना है कि महज पांच महीने पहले भी इसी स्थान पर मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया था। इसके बावजूद पुलिस और प्रशासन द्वारा कोई ठोस सुरक्षा इंतज़ाम न किए जाने से दोबारा यह घटना घटित हुई है। घटना की सूचना मिलते ही विभिन्न हिंदू संगठनों के प्रतिनिधि और भारी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। प्रदर्शनकारियों ने असामाजिक तत्वों की इस दुस्साहस भरी करतूत के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। हिंदू संगठनों ने पुलिस-प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि केवल मामला दर्ज करने से काम नहीं चलेगा, दोषियों को अविलंब चिन्हित कर गिरफ्तार किया जाए, अन्यथा उठा आंदोलन किया जाएगा।

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रताप नगर थाना पुलिस जाब्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाकर शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके। पुलिस प्रशासन का दावा है कि माहौल बिगाड़ने वाले तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

आरएसी जवान ने टोंक में आत्महत्या की

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित आरएसी कैंपस में एक हैड कॉन्स्टेबल ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस दौरान शव पेड़ से लटका फंदे पर मिला। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया हैं। शव को सआदत चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। कोतवाली थाना प्रभारी भंवरलाल वैष्णव ने बताया कि मृतक की पहचान आरएसी 9वीं बटालियन में तैनात हैड कॉन्स्टेबल हीरालाल (54) पुत्र हनुमान गुर्जर, निवासी दुदवा, खेतड़ी थाना क्षेत्र, झुंझुनूं के रूप में हुई है, जो अकेले आरएसी में रहता था। शनिवार रात्रि को अपने साथियों के साथ सोया था, रविवार को सुबह जब उनके साथी उठे तो घटना का पता चला, जिसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी कमांडेंट को दी। इसके बाद कमांडेंट मौके पर पहुंचे और कोतवाली पुलिस को सूचना दी।

जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। ओगणा थाना क्षैत्र में स्थित सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर जेवर व नकदी चुरा ले गए। पीड़ित धुमाणसिंह पडावली खुर्द ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि पडावली खुर्द मउड़ी खेड़ा में पुत्र का मकान है। सभी परिजन उदयपुर गए थे। 24 सितंबर रात में आए चोर कुंदा तोड़कर चांदी की कडियां, पायल तथा करीब 17 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए।

RIDCO JPMIA
राजस्थान इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स डवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(NICDIT और RIICO का संयुक्त उद्यम)
राजस्थान की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड टाउनशिप
जोधपुर-पाली-मारवाड़ इंडस्ट्रियल एरिया (JPMIA) में भूखण्ड आवंटन की शुरुआत
JPMIA में भूखण्ड आवंटन का सुनहरा अवसर
प्रत्यक्ष आवंटन के माध्यम से
ईएमडी
प्रारम्भ तिथि : 28 सितम्बर 2026 (प्रातः 10:00 बजे)
अंतिम तिथि : 31 अक्टूबर 2026 (सायं 05:00 बजे)
कुल भूखण्ड 30
मोटल/रेस्टोरेंट 02
औद्योगिक भूखण्ड 28
जनरल जोन 05
टेक्सटाईल जोन 23
भूखण्ड की राशि का भुगतान
आवंटन के समय कुल राशि का 25% एवं 1% धरोहर राशि जमा करानी होगी।
शेष 75% राशि के भुगतान हेतु 11 त्रैमासिक किस्तों का विकल्प उपलब्ध होगा।
*T&C Apply
राज.संवाद/सी/26/10776
राजस्थान इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स डवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
व्हाट्सएप: +91 77268 98789 ; +91 9414038940, ई-मेल: ridco@rajasthan.gov.in
ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से संबंधित जानकारी के लिए देखें ridco.rajasthan.gov.in

घर-दुकान बचाने सड़क पर उतरे लोग

न्यू सांगानेर रोड पर जेडीए की डिमार्केशन कार्रवाई का विरोध, लोगों ने सरकार-प्रशासन की प्रतीकात्मक अर्थी निकाली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जिस घर में किसी की कई पीढ़ियां बीत गईं, जिस दुकान से परिवार की रोजी-रोटी चल रही है और जिन मकानों से बच्चों की पढ़ाई का खर्च निकलता है, रविवार को उन्हीं घरों और दुकानों को बचाने के लिए न्यू सांगानेर रोड पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और व्यापारी सड़क पर उतर आए। ज्ञात रहे कि न्यू सांगानेर रोड पर सोडाला तिराहे से गुर्जर की थड़ी तक करीब 2.4 कि.मी. क्षेत्र में जेडीए की ओर से डिमार्केशन की कार्रवाई की जा रही है। जेडीए के अनुसार करीब 260 निर्माण चिह्नित किए जाने हैं। स्थानीय लोग और व्यापारी मकान-दुकान प्रभावित होने की आशंका को लेकर पुनर्वास, मुआवजे और आपत्तियों की सुनवाई की मांग कर रहे हैं।

रविवार को जेडीए की ओर से सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए शुरू की गई डिमार्केशन कार्रवाई के विरोध में लोगों ने सरकार और प्रशासन की प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर प्रदर्शन किया। कई महिलाएं सड़क पर ही बैठ गईं, जिससे यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाने की कोशिश की तो माहौल और गरमा गया। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय विधायक, जेडीए प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विरोध के दौरान महिलाओं की आंखों में आंसू और व्यापारियों में कार्रवाई को लेकर नाराजगी दिखाई दी।

जयपुर विकास प्राधिकरण की टीम ने रविवार को न्यू सांगानेर रोड की चौड़ाई बढ़ाने के लिए सोडाला तिराहे से गुर्जर की थड़ी तक डिमार्केशन की कार्रवाई की।

- **महिलाओं ने सड़क पर बैठकर रास्ता जाम किया, यातायात बाधित होने पर पुलिस ने उठवाने की कोशिश की तो तनाव बढ़ा**
- **विधायक गोपाल शर्मा ने मौके पर पहुंचकर सुनी लोगों की बात**

2.4 किमी. में 260 निर्माण चिह्नित करने की तैयारी

जेडीए एनफोर्समेंट पुलिस अधीक्षक इस्लाम खान के अनुसार राजस्थान हाईकोर्ट की डबल बैंच के निर्णय के तहत सोडाला तिराहे से गुर्जर की थड़ी तक करीब 2.4 किलोमीटर क्षेत्र में डिमार्केशन किया जा रहा है। इसके साथ ही संबंधित लोगों को नोटिस देने की कार्रवाई भी चल रही है। जेडीए के अनुसार करीब 260 निर्माणों को चिह्नित किया जाना है। इसके लिए पांच टीमें लगाई गई हैं। डिमार्केशन के दायरे में दुकानें, चबूतरे, रैंप और अन्य निर्माण शामिल हैं।

लोगों की चिंता : मकान गया तो रोजगार जाएगा

प्रदर्शन कर रहे स्थानीय लोगों का कहना है कि वे वर्षों से न्यू सांगानेर रोड क्षेत्र में रह रहे हैं। कई परिवारों की कई पीढ़ियां इसी इलाके में बीती हैं। स्थानीय निवासी पूनम शर्मा ने कहा कि यदि मकान और दुकान प्रभावित हुए तो लोगों के सामने रहने के साथ रोजगार का संकट भी खड़ा हो जाएगा। कई परिवारों के बच्चे कॉलेज में पढ़ रहे हैं। ऐसे में कार्रवाई का असर उनके भविष्य पर भी पडेगा। लोगों ने डिमार्केशन की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि कार्रवाई से पहले उनकी आपत्तियां और समस्याएं सुनी जानी चाहिए।

व्यापारियों की मांग ''पहले तय हो पुनर्वास''

स्थानीय व्यापार मंडल के संरक्षक ओम राजोरिया ने जेडीए की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि डिमार्केशन के दौरान पुलिस बल की मौजूदगी में व्यापारियों और स्थानीय लोगों के साथ धक्का-मुक्की हुई। उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ाईकरण की कार्रवाई से बड़ी संख्या में लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित होगी। व्यापारियों ने सवाल उठाया कि यदि दुकानें और मकान हटाए जाते हैं तो उनके पुनर्वास की क्या व्यवस्था होगी? उनका कहना है कि त्यौहारी सीजन कारोबार के लिए महत्वपूर्ण है और ऐसे समय में कार्रवाई की आशंका से व्यापारी परेशान हैं। व्यापारियों ने मास्टर प्लान को लेकर भी स्थानीय लोगों से पर्याप्त बातचीत नहीं होने और पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होने का मुद्दा उठाया।

जेडीए कार्रवाई के विरोध में स्थानीय रहवासियों व दुकानदारों ने सरकार-प्रशासन की प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर विरोध किया।

लोगों से समझाइश के लिए पहुंचे विधायक

विरोध की सूचना पर स्थानीय विधायक गोपाल शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों और व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। विधायक ने कहा कि जनता की बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि लोगों को लगता है कि डिमार्केशन में कहीं पक्षपात हुआ है या गलत तरीके से निशान लगाए गए हैं तो सरकार इस मामले को देखेगी। जेडीए अधिकारियों से लगातार बातचीत की जा रही है और जनहित को ध्यान में रखते हुए समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मास्टर प्लान पर भी उठाए सवाल

विधायक गोपाल शर्मा ने मास्टर प्लान को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि समय के साथ मास्टर प्लान में बदलाव होते रहे हैं और नियमों का पालन हर जगह एक जैसा नहीं हो पाया है। उनका कहना था कि जब जेडीए अस्तित्व में भी नहीं था, तब भी इस क्षेत्र में लोगों के मकान मौजूद थे। ऐसे में लोगों के भविष्य से जुड़ा फैसला केवल जेडीए स्तर पर नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की संभावना की भी बात कही। देखा जाए तो न्यू सांगानेर रोड का विवाद अब केवल सड़क चौड़ाईकरण और अतिक्रमण हटाने तक सीमित नहीं रह गया है। एक तरफ जेडीए न्यायालय के आदेश के तहत डिमार्केशन और नोटिस की कार्रवाई आगे बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोग और व्यापारी अपने घर, दुकान और रोजगार बचाने की मांग कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों की ओर से डिमार्केशन की निष्पक्षता, आपत्तियों की सुनवाई, मुआवजा और पुनर्वास की मांग उठाई जा रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में डिमार्केशन के बाद जारी होने वाले नोटिस, लोगों की आपत्तियों और प्रशासन की ओर से समाधान की दिशा में उठाए जाने वाले कदम महत्वपूर्ण होंगे।

पुनर्वास के बिना तोड़फोड़ मानवाधिकारों का हनन : खाचरियावास

न्यू सांगानेर क्षेत्र में स्थानीय लोगों और व्यापारियों के प्रदर्शन के बाद पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने प्रभावित क्षेत्र का पैदल दौरा किया और व्यापारियों व मकान मालिकों की समस्याएं सुनीं।

जयपुर । न्यू सांगानेर रोड पर जेडीए की डिमार्केशन कार्रवाई के बीच रविवार को विरोध तेज हो गया। स्थानीय लोगों और व्यापारियों के प्रदर्शन के बाद पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने प्रभावित क्षेत्र का पैदल दौरा किया और व्यापारियों व मकान मालिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बिना पुनर्वास और मुआवजे के मकान-दुकान तोडने की कार्रवाई की जाती है तो इससे प्रभावित परिवारों के सामने रहने और रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा।

खाचरियावास ने कहा कि सरकार को किसी भी कार्रवाई से पहले प्रभावित परिवारों के लिए मकान और व्यापारियों के लिए दुकान की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने इसे मानव अधिकारों से जुड़ा विषय बताते हुए कहा कि दुकान के बदले दुकान और मकान के बदले मकान की व्यवस्था के बाद ही आगे की कार्रवाई पर विचार होना चाहिए।

- **प्रताप सिंह ने कहा कि अगर बिना पुनर्वास और मुआवजे के मकान-दुकान तोड़ने की कार्रवाई की जाती है तो इससे प्रभावित परिवारों के सामने रहने और रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा, इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती''**

उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय जोधावाड़ा में 735 दुकानों को हटाने का उदाहरण देते हुए दावा किया कि प्रभावित दुकानदारों को लुआ मंडी में दुकान के बदले दुकान दी गई थी और किरायेदारों को मुआवजा भी दिया गया था। उनके अनुसार उस समय पुनर्वास नीति के तहत प्रभावित लोगों के हितों का ध्यान रखा गया था।

खाचरियावास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संबंधित मंत्री और स्थानीय विधायक पर नोटिस और तोड़फोड़ की कार्रवाई रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार को पहले प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए और बिना मुआवजे व पुनर्वास के कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

इस दौरान उन्होंने व्यापारियों और मकान मालिकों के साथ पूरी न्यू सांगानेर रोड का पैदल दौरा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है और उनके मुद्दे को सड़क से सदन तक उठाएगी।

12वीं मंजिल से कूदकर बीकॉम छात्र ने दी जान

मृतक के तीन दोस्तों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप, मामला दर्ज

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में एक 19 वर्षीय बीकॉम प्रथम वर्ष के छात्र ने 12वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान नागौर के मेड़ता निवासी ध्रुव भूतडा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ध्रुव ने अपने कुछ दोस्तों को रुपए उधार दिए थे। आरोप है कि रुपए वापस मांगने पर दोस्त उसे धमकाते और मानसिक रूप से परेशान करते थे। घटना के बाद मृतक के पिता ने तीन दोस्तों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया है।

पुलिस के अनुसार घटना 25 सितंबर की देर रात करीब 12.30 बजे विधाणी स्थित एक निजी अपार्टमेंट में हुई। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे तो ध्रुव गंभीर हालत में नीचे पड़ा मिला। स्थानीय लोग उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर शिवदासपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर महात्मा गांधी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया।

थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि ध्रुव के पिता विनय कुमार अपने परिवार के साथ इसी अपार्टमेंट में रहते हैं। शनिवार को उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में आरोप लगाया कि ध्रुव ने तीन दोस्तों को बड़ी रकम उधार दी थी। पिछले 10-15 दिनों से ध्रुव जब भी अपने रुपए वापस मांगता था, तो आरोपी कथित तौर पर टालमटोल करने के साथ उसे धमकाते और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। पिता का आरोप है कि लगातार मिल रही धमकियों और रुपए वापस नहीं मिलने के कारण ध्रुव तनाव में था। इसी के चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने पिता की रिपोर्ट पर तीनों दोस्तों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अब आरोपियों की भूमिका और उधार रुपए से जुड़े पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

- **विधाणी स्थित निजी अपार्टमेंट में 25 सितंबर की रात करीब साढ़े 12 बजे की घटना**
- **दोस्तों पर उधार दिए रुपए वापस मांगने पर धमकाने और मानसिक प्रताड़ना का आरोप**

बदनाम करने की धमकी देकर छात्र से 1.50 लाख रु.वसूले

जयपुर । डेटिंग ऐप के जरिए दोस्ती कर कॉलेज छात्र से 1.50 लाख रुपए ऐंठने और बदनाम करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश निवासी 26 वर्षीय छात्र ने शिवदासपुरा थाने में अर्जुन नाम के युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। छात्र जयपुर में कॉलेज हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है।

पुलिस के अनुसार छात्र की करीब एक महीने पहले 'ग्राइंडर' ऐप के जरिए अर्जुन से पहचान हुई थी। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत के बाद 22 अगस्त को जगतपुरा में मिलने का तय हुआ। आरोप है कि मुलाकात के बाद अर्जुन छात्र को बाइक पर हॉस्टल ले गया, जहां उसके साथ मारपीट की और मोबाइल छीन लिया। इसके बाद कॉलेज, हॉस्टल और घरवालों को उसकी निजी जानकारी बताकर बदनाम करने की धमकी दी। आरोप है कि इसका वीडियो भी बनाया गया और उसी दिन ऑनलाइन एक लाख रुपए ट्रांसफर करवाए गए। छात्र के अनुसार 30 अगस्त को आरोपी फिर हॉस्टल पहुंचा और मारपीट कर 40 हजार रुपए ले लिए तथा 10 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए।

दोनों के बीच हुई वॉट्सऐप चैट भी डिलीट कर दी। 31 अगस्त को आरोपी ने वॉट्सऐप कॉल कर निजी जानकारी सार्वजनिक नहीं करने के बदले 50 हजार रुपए और मांगे। रुपए नहीं देने पर कॉलेज और घर पर बदनाम करने तथा भविष्य खराब करने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डी.जी.पी. ने युवाओं के साथ 12 कि.मी. साईकिल चलाई

जयपुर । विश्व हृदय दिवस के अवसर पर रविवार को जयपुर में स्वस्थ हृदय और फिट जीवनशैली का संदेश देने के लिए हेल्दी हार्ट साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। मानसरोवर स्थित प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर से शुरू हुई साइक्लोथॉन में करीब 200 साइकिलिस्ट ने हिस्सा लिया।

राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने स्वयं करीब 12 किलोमीटर साइकिल चलाकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और नियमित शारीरिक गतिविधि का संदेश दिया। साइक्लोथॉन में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार सिंह और वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जीएल शर्मा ने भी साइकिल चलाई। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क और मजबूत हृदय का वास होता है। भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ और मजबूत हृदय महत्वपूर्ण है। उन्होंने नियमित रूप से सक्रिय रहने, तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने तथा फिटनेस के लिए साइकिलिंग जैसी गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहना जरूरी है, ताकि वे पूरी तत्परता और दक्षता से आमजन की सेवा कर सकें।

वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जीएल शर्मा ने कहा कि हृदय रोगों से बचाव के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि बेहद जरूरी है। बीमारी होने के बाद उपचार कराने की बजाय जोखिम कम करने के लिए पहले से ही जीवनशैली में बदलाव करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधि के लिए समय निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग जैसी गतिविधियां शरीर को सक्रिय रखने के साथ हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं।

फर्जी दिल्ली साइबर क्राइम ब्रांच बनकर ठगने वाले गिरफ्तार

जयपुर । पुलिस मुख्यालय के 'म्यूल हंटर' अभियान के तहत करधनी थाना पुलिस और साइबर सेल ने साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली साइबर क्राइम ब्रांच के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर साइबर ठगी के शिकार लोगों को रकम वापस दिलाने का झांसा देकर दोबारा ठगी करते थे। पुलिस ने आरोपियों से 11 मोबाइल, 16 सिम कार्ड, पांच एटीएम कार्ड, दो चेकबुक और दो कारें जब्त की हैं। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि आरोपी फेसबुक पर 'दिल्ली साइबर क्राइम ब्रांच' के नाम से फर्जी पेज बनाकर रिफंड दिलाने के विज्ञापन डालते थे। पीड़ितों के संपर्क करने पर खुद को साइबर सेल का अधिकारी बताकर फर्जी पहचान-पत्र और दस्तावेज भेजते थे। इसके बाद सत्यापन और प्रक्रिया शुल्क के नाम पर क्यूआर कोड भेजकर रकम ट्रांसफर करवा लेते और पैसे मिलते ही पीड़ित को ब्लॉक कर देते थे। पुलिस के अनुसार पूछताछ में सामने आया कि गिरोह 500 से अधिक लोगों से लाखों रुपए की ठगी कर चुका है। करधनी थाना पुलिस ने सात मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि दो अन्य को 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई में लिया गया। वहीं विश्वकर्मा थाना पुलिस ने म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले लोकेश प्रजापत (22) को गिरफ्तार किया। उसके खाते में करीब 15 लाख रुपए के साइबर फ्रॉड का लेन-देन सामने आया है। वह कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता उपलब्ध कराता था।

सार-समाचार

जेन-ज़ी के लिए ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता'' पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

जयपुर । राजकीय रामचंद्र खेतान पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जयपुर के रानी लक्ष्मीबाई क्लब की ओर से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदार अभिव्यक्ति की भावना विकसित करने के उद्देश्य से 'जेन-ज़ी के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रधानाचार्य श्री विनोद जांगिड़ की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अधिवक्ता शिखा शर्मा, सचिव, सार्थक संवाद संस्थान, जयपुर एवं सदस्य, संविधान दीर्घा समिति, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर ने विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक महत्व और लोकतंत्र में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया एवं डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जिम्मेदार उपयोग पर भी विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वतंत्र रूप से विचार व्यक्त करने के साथ संवैधानिक मूल्यों, मर्यादा और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने का आव्हान किया। विद्यार्थियों ने विषय से जुड़े सवाल पूछे और अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में समन्वयक कीर्ति पाठक एवं डॉ. पूनम राजावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने प्रधानाचार्य, मुख्य वक्ता, महाविद्यालय के अधिकारियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

प्रख्यात वास्तुकार प्रमोद जैन को अवार्ड

जयपुर । प्रख्यात वास्तुकार प्रमोद जैन को जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी) के उत्कृष्ट डिजाइन और भारतीय वास्तुकला में योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'आर्किटेक्चर एक्सीलेंस रिकग्निशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। चंडीगढ़ के होटल ताज में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के पांचवें नेशनल आर्किटेक्चर अवाड्र्स समारोह में राज्यसभा सदस्य सतनाम सिंह संधू ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। ''लार्ज सिविक बिल्डिंग्स'' श्रेणी में मिले इस पुरस्कार के लिए काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर के पूर्व अध्यक्ष आर्किटेक्ट हबीब खान की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय जूरी ने चयन किया। जूरी ने उनके डिजाइन, रचनात्मकता, नवाचार और समकालीन भारतीय वास्तुकला में योगदान को सराहा। पुरस्कार के लिए परियोजनाओं का डिजाइन, सौंदर्य, नवाचार, स्थायित्व और सार्वजनिक उपयोगिता के आधार पर 360-डिग्री असेसमेंट किया गया। ज्ञात रहे कि प्रमोद जैन को 2024 में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), जयपुर और 2025 में एमआईसी, जोधपुर के लिए 'डिजाइनस्केप अवार्ड' मिल चुका है। 2025 में एमआईसी के लिए उन्हें एक लाख रुपए की नकद राशि के साथ नेशनल स्टोन मार्ट अवार्ड भी मिला था। पांच दशक से अधिक की उनकी वास्तुशिल्पीय यात्रा में राजस्थान सहित देशभर में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

15 वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान

जयपुर । देवी नारायण पटवारी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से सुभाष नगर शॉपिंग सेंटर स्थित 'अभिनंदन' जेडीए कम्युनिटी सेंटर में चिकित्सा गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉ. एस.एस. सांखला, डॉ. श्याम सुंदर शर्मा, डॉ. एस.पी. अग्निहोत्री, डॉ. सुरेश चंद्र बोहरा, डॉ. माया हाड़ा, डॉ. जीवन कांकरिया, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. जितेंद्र पहलाजानी, डॉ. कपिल देव, डॉ. आशीष जांगिड़, डॉ. रजनीश शर्मा, डॉ. अर्चना मीणा एवं डॉ. प्रकृति बोहरा तथा श्रेष्ठ नर्सिंग सेवाओं के लिए माला रोहित कृष्णानंदन व ऊगम कंवर को स्मृति चिह्न, शॉल व राजस्थानी साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी टीकमचंद बोहरा एवं राजस्थान पुलिस के डीआईजी दौलतराम अटल रहे। उन्होंने चिकित्सकों की सेवाओं और समाज निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर भी आयोजित हुआ, जिसमें समाजसेवा, मानवता और जनकल्याण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन जयपाल सिंह मंडोता ने किया। समन्वयक दिनकर सारस्वत व चंद्रप्रकाश गुप्ता रहे। ट्रस्ट संयोजक रामदास पटवारी ने आभार व्यक्त किया।

महिला से अभद्रता पर दो सिपाही गिरफ्तार

जयपुर । राजधानी में शराब के नशे में महिला से अभद्रता और छेड़छाड़ के आरोप में दो पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों सिपाही एक बहुमंजिला सोसायटी में किराए के फ्लैट में रहते हैं। शनिवार शाम दोनों अपने कमरे में शराब पार्टी कर रहे थे। तेज आवाज और हंगामे पर पडौस में रहने वाली महिला ने उन्हें टोका तो दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज और अभद्रता की। महिला के शोर मचाने पर सोसायटी के लोग एकत्र हो गए। आरोप है कि दोनों सिपाहियों ने उनसे भी अभद्रता की, जिसके बाद लोगों ने दोनों की पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस पीसीआर टीम दोनों को थाने ले गई। महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर मेडिकल कराने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। कानूनी कार्रवाई के बाद दोनों को उसी थाने की हवालात में रखा गया, जहां वे तैनात थे।

पुजारी से मारपीट करने वाले को पकड़ा

जयपुर । करधनी थाना क्षेत्र के निवारू रोड स्थित शिव मंदिर में भजन की तेज आवाज को लेकर विवाद हो गया। पड़ोसी परिवार के युवक ने पुजारी पंडित रामकृष्ण से मारपीट कर दी। घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने मामले में हरिश चतुर्वेदी और उसके बेटे देवांश को शांतिभंग के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम आरती के दौरान भजनों की आवाज कम करने को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर पुजारी से मारपीट की गई। शनिवार को पुजारी की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ। दोनों पक्षों की ओर से क्रॉस एफआईआर दर्ज कराई गई है। घटना के विरोध में रविवार को स्थानीय लोगों ने करधनी थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया और कार्रवाई की मांग की।

शातिर बाइक चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर । खोह नागोरियान थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन मोटरसाइकिलें और पांच पानी की मोटरें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी स्मैक का आदी है और नशे की पूर्ति के लिए चोरी की वारदात करता था। पुलिस के मुताबिक इंद्रा नगर निवासी शंकर लाल मीणा ने जेएनयू कॉलेज के बाहर से बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आबिद उर्फ मोनू उर्फ कैम्पा (25) निवासी चौपड़ा की ढाणी, खोह नागोरियान को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बाइक के अलावा बिना नंबर की एक बाइक, आरजे 14 एचके 0824 नंबर की दूसरी बाइक और पांच पानी की मोटरें बरामद की गईं।

National Good Neighbour Day

National Good Neighbour Day is celebrated annually on 28 September to remind us of the importance of kindness, friendship, and cooperation in our communities. A good neighbour is someone who helps others, respects their feelings, and is always ready to lend a helping hand. This day encourages people to build strong and friendly relationships with those living around them. Simple acts like sharing, greeting others, helping an elderly person, or keeping the neighbourhood clean can make a big difference. National Good Neighbour Day teaches us that a caring neighbourhood creates a happy and safe environment. By being kind and helpful, we can make our community better for everyone.

#AHALYABAI HOLKAR

The Warrior Queen Of The Maheshwari Saree

The saree was not simply a piece of clothing. It became part of the economic and cultural world Ahalyabai was building around the Narmada

In the history of India, some queens are remembered for battles, some for palaces, and some for the kingdoms they ruled. But Ahalyabai Holkar left behind something more enduring, a legacy of governance, temples, trade and a textile tradition that still lives today in the folds of the Maheshwari saree.

Her story began far away from the royal courts. In 1733, Maratha commander Malhar Rao Holkar was travelling towards Pune when he stopped at a temple in the small village of Chondi, in present-day Maharashtra. There, he noticed a young girl, around seven or eight years old, involved in temple service.

Her name was Ahalya. Malhar Rao was so impressed by the child's character that he chose her as a bride for his son, Khanderao Holkar. The little girl who had grown up in an ordinary village would eventually become one of the most remarkable rulers of eighteenth-century India.

Marriage brought Ahalyabai into the Holkar household, but she was not simply expected to live behind palace walls. Her father-in-law recognised her abilities and gradually introduced her to the responsibilities of power.

She learned about administration, finances, diplomacy and military affairs. She also gained an understanding of the complicated political world involving the Marathas, the Peshwa and the declining Mughal Empire.

Then tragedy struck. In 1754, Khanderao Holkar was killed during the siege of Kumher. Ahalyabai was devastated. According to tradition, she considered joining her husband's funeral pyre, but Malhar Rao intervened and persuaded her not to do so. Instead of allowing grief to end her life, he continued preparing her for responsibility. A few years later, another tragedy followed. Malhar Rao died in 1766.

Ahalyabai now faced a completely different challenge. In 1767, she assumed control of the Holkar state, with Maheshwar on the banks of the Narmada becoming her principal seat of power. She proved to be far more than a ceremonial ruler. Ahalyabai governed with attention to administration, trade, infrastructure and public welfare. She supported temples and religious institutions, built roads and facilities for travellers, and encouraged commerce. And Maheshwar became closely associated with weaving.

Ahalyabai invited skilled weavers to settle in the region and encouraged the development of a distinctive textile tradition. From this environment emerged the Maheshwari saree, known for its elegant combination of silk and cotton.

The traditional fabric uses silk in the warp and cotton in the weft, creating a saree that combines the sheen of silk with the lighter, comfortable character of cotton.

The designs became associated with Maheshwar's identity, delicate stripes, checks and distinctive borders inspired by the architecture and surroundings of the region. The saree was not simply a piece of clothing. It became part of the economic and cultural world Ahalyabai was building around the Narmada. Today, the Maheshwari saree carries the memory of that transformation. Ahalyabai Holkar began life as a village girl in Chondi. She became a young bride, then a grieving widow, and eventually the ruler of a powerful Maratha state.

Her legacy survives not only in monuments and temples, but also in the hands of weavers who continue a tradition associated with her patronage. On the banks of the Narmada, a queen once built a centre of administration, faith and commerce. And from that world came a saree whose silk and cotton still carry her name: Maheshwari.

Trinetra Ganesh, Moti Doongri.

Mount Kailasha.

Khatu Shyam Temple.

Most importantly, pilgrims do not merely visit these places to see something. They go to participate. The journey, the hardship, the waiting, the chanting, the crowd, the ritual, and finally, the darshan create an emotional experience that a photograph or television programme cannot reproduce.

The 'Auspicious' Places

#TIRTH

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

This year on Ganesh Chaturthi, the throng of devotees at the Trinetra Ganesh Temple at the base of the Moti Doongri, Jaipur was unprecedented. As it is, the crowds are large, but this time, a rumour that special packets of blessed 'Mehndi' were available (to enhance the joy of married life or create better opportunities for happy marriages) caused the numbers to increase manifold.

Some places of worship seem to have gained a reputation of being more 'Auspicious' than others. They have hordes of followers waiting for the magic to take place in their lives. Over time, more rituals are added in venerating the deity. There must be at least a hundred more Ganesh temples in Jaipur which do not see such gatherings.

It is impossible to understand the aura. At the Ganesh Temple, the precise daily rhythm of Aartis, the scent of fresh laddu offerings (prasadam) and the crowded, synchronized chant of thousands of voices instantly signals to your nervous system that you have stepped out of daily life into sacred territory. When a devotee visits this Ganesh Temple before starting a business, after purchasing a vehicle or before writing an exam and subsequently succeeds, they attribute the positive outcome to deity's blessing. This creates a self-reinforcing psychological cycle.

The devotee enters with intense faith and high expectation. As a result of selective confirmation, successes are remembered and proclaimed as divine intervention (*chamatkar*). Failures are attributed to incorrect timing or personal karma. Personal testimonies shared among families and social networks build a collective consensus by 'Word-of-Mouth Transmission.'

"The deity listens."

Over decades, millions of individual prayers, tears, relief and gratitude accumulate in the public consciousness, creating an invisible, heavy atmosphere of sanctity that newcomers can instantly sense upon arrival.

Have you ever wondered why temples are often built on hilltops?

Paradoxically, the harder a place of worship is to access or endure, the more "auspicious" it is perceived to be. In behavioral economics and psychology, this is closely linked to effort justification. We assign higher value to experiences that require fatigue and sacrifice.

Khatu Shyamji is another example of the 'Auspiscious.' The pilgrimage begins from the home town or at least from the city of Reengus (which is 18 kilometers from the temple). All walk the distance singing 'Bhajans.' The old, infirm and handicapped are also able to do the pilgrimage. It seems that the surge of the devotees gives special energy to them! Standing in a line of thousands at Khatu Shyamji, surrounded by shouting, singing and intense devotion, creates a euphoric sensation where individual identity temporarily dissolves into the group.

Amarnath.

The whole cycle of 24 hrs for a fleeting Darshan is endured without fatigue! Sabarimala's austerities are another example. The journey to Sabarimala requires a strict 41-day *Vrutham* (ascetic regimen of celibacy, vegetarianism, and walking barefoot) followed by a trek through dense forests and climbing the sacred 18 steps (*Pathinettam Padi*). The physical discipline strips away the pilgrim's ego, making the eventual brief darshan of Swami Ayyappan feel intensely cathartic. At Sabarimala, every male devotee addresses the other as "Ayyappan" regardless of wealth, caste or social standing. The wearing of uniform black clothes dissolves societal hierarchies. An auspicious aura is not merely abstract; it is felt physically through the five senses. Unique rituals and sensory environments prime the human brain to enter an altered state of reverence.

Over time, as a temple grows in reputation, institutional authorities naturally introduce structured rituals to manage crowds, formalise worship and maintain mystery. Unique rituals emerge (e.g., offering specific leaves, water from sacred rivers, or gold foils). VIP lines, special puja slots and token systems heighten perceived exclusivity and value. Local legends, temple histories (Sthala Puranas) and devotional literature are published and widely disseminated, embedding the shrine into broader cultural canons.

In Eastern traditions, sites often centre on a deity that was not carved by human hands, but revealed itself organically, Myth of Self-Manifestation (*Swayambhu*). The 12 *Jyotirlingas* (columns of radiant light) are reverenced because Shiva is believed to have pierced the earth at those exact points.

Similarly, Khatu Shyamji derives its sanctity from the legend of Barbarika's head buried in the village of Khatu, discovered through a miraculous yield of milk from grazing cows. The phenomenon can be explained as the transformation of a place into a sacred destination through the interaction of faith, legend, geography, ritual, community and human psychology.

Why does a modest shrine become a global epicentre?

At the beginning, there is often a story, the belief that something extraordinary happened at a particular spot. A deity appeared there, a saint meditated there, a miracle occurred, a sacred object was discovered or nature itself produced something regarded as divine.

Amarnath Cave is a striking example. Deep in the high-altitude Himalayas of Kashmir, Amarnath Cave presents a distinct form of hierophany, a naturally occurring ice stalagmite (*Swayambhu Lingam*) that forms every summer. The cave is remote and physically difficult to reach, yet, the annual pilgrimage attracts enormous numbers because the naturally formed ice lingam is regarded by devotees as a manifestation of Shiva. The difficulty of the journey itself becomes part of the religious experience. The harder the destination is to reach, the greater the sense of having earned the darshan. Mythologically, this is the secluded realm where Lord Shiva revealed the Amar Katha (the secret of immortality) to Goddess Parvati. The temporary, perishable nature of the ice lingam paradoxically reinforces its imperishable cosmic authority.

Mount Kailash represents an even more powerful version of this phenomenon. It is not merely a mountain. Rising over 22,000 feet on the Tibetan Plateau, Mount Kailash is held to be the physical manifestation of Mount Meru, the spiritual center of the universe. It is sacred across four distinct world traditions (Hinduism, Buddhism, Jainism, and Bon). Believed to be the eternal abode of Shiva and Parvati, Kailash is considered so intrinsically holy that humans do not step foot on its peak out of reverence; instead, its sacredness is accessed entirely through circumambulation.

The mountain becomes, in effect, geography converted into theology.

There is another important ingredient: collective testimony. One person says, "I experienced something here;" another believes it; a family returns; a story is passed from generation to generation. Eventually, the reputation of the place becomes greater than the original shrine.

Most importantly, pilgrims do not merely visit these places to see something. They go to participate. The journey, the hardship, the waiting, the chanting, the crowd, the ritual, and finally, the darshan create an emotional experience that a photograph or television programme cannot reproduce.

In Western traditions like Lourdes in France, the sacred breakthrough happens through a vision. In 1858, 14-year-old Bernadette Soubirous reported 18 apparitions of a "Lady" in a damp grotto. When a freshwater spring trickled out of the mud, accompanied by claims of unexplainable physical healings, the site was permanently set apart from the secular world. Lourdes represents a Pilgrimages of suffering. Thousands of terminally ill or physically impaired individuals travel across continents on stretchers to submerge in Lourdes' cold baths. The arduous journey transforms the visit into a profound act of devotion.

When a place demands rigour, reaching it feels like an achievement earned through faith. The perceived potency of the deity scales directly with the hardship required to stand before them.

Places of worship also serve as vital social anchors. In an increasingly fragmented, fast-paced world, visiting a hugely popular temple provides a deep sense of communal identity and shared purpose.

To understand why a particular temple or sanctuary becomes extraordinary while hundreds of neighbouring shrines remain quiet, we must look beyond pure religious doctrine. The creation of an "auspicious aura" is an intricate interplay of sacred myth, sensory neuroscience, sociological feedback loops, ritual architecture, and psychological comfort.

Mythology initiates sanctity, but human experience sustains and multiplies it. A temple's aura is heavily reinforced by collective emotional validation.

Then comes the pilgrimage network. Roads, railways, hotels, guides, religious organisations, government facilities, publicity and modern communications make an increasingly distant sacred place accessible to millions. Ironically, modern technology can strengthen ancient faith: a shrine that once belonged to one village can now be seen, discussed and visited by people across the world.

Once a location acquires a narrative of divine presence, the physical dirt, stone, ice, or water of that space ceases to be mundane matter. It becomes a conduit (tirth or bridge) connecting the finite human to the infinite divine. Thus, the transformation follows a recurring pattern: a place-> a sacred story-> a community of believers-> repeated pilgrimage-> ritual and tradition-> infrastructure and publicity-> mass devotion-> global recognition.

And there is a paradox at the heart of it.

The more ordinary the physical place may appear, the more extraordinary the meaning humans are capable of giving it.

A cave becomes the abode of Shiva.

A mountain becomes the cosmic axis.

A spring becomes a source of healing.

A small shrine becomes a destination for millions. In this sense, pilgrimage is not simply the movement of people towards a sacred place; it is the process by which human beings continually create, preserve and enlarge the sacred meaning of a place. Whether standing in the neon-lit queues of Jaipur, trekking through the Western Ghats, or quietly kneeling in a cave in southern France, human beings are drawn to these locations because they serve as physical anchors for hope, places where the ordinary boundaries of daily life feel thin enough for magic to break through.

rajeshsharma1049@gmail.com

Sabarimala.

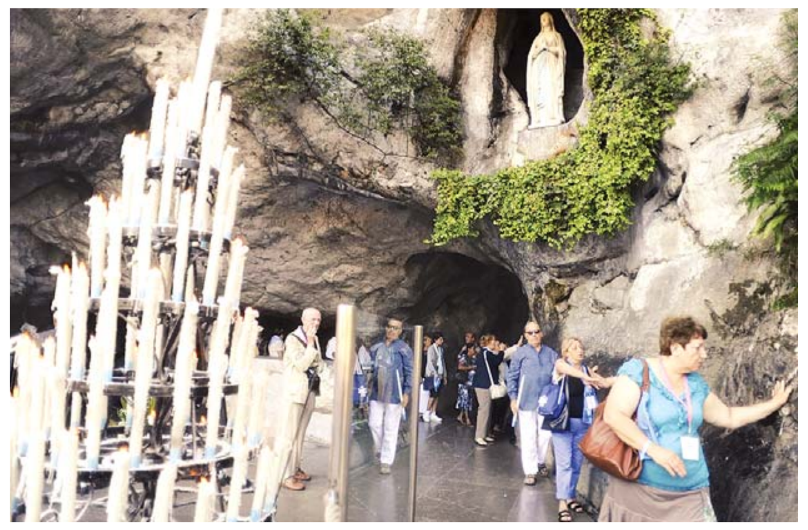

Lourdes in France.

#ANSWERS

Why Is the Ocean Salty?

Salt builds up in the ocean because the only way water can leave the ocean is through evaporation. And when the water evaporates, it doesn't take the salt with it

Oceans make up about 70 percent of Earth's surface. But why is the ocean salty?

Ocean water contains lots of different mineral salts: sodium, chloride, sulfate, magnesium, calcium, potassium, bicarbonate and bromide. These salts enter the ocean through rivers, which pass over rocks and soil, picking up salt along the way.

This salt builds up in the ocean because the only way water can leave the ocean is through evaporation. And when the water evaporates, it doesn't take the salt with it. So, you end up with less water, and the same amount of salt, resulting in a pretty salty sea.

The same thing can happen to a smaller, landlocked body of water, such as the Great Salt Lake in Utah, where water evaporates quickly in the desert climate, the lake has dropped 20 feet since 1849. A favourite pastime for visitors is to float on the lake like a cork, because the high salinity makes people more buoyant.

Ocean salinity levels can vary dramatically from place to place. For example, the Mediterranean Sea is more salty than oceans off the coast of continents that have large freshwater rivers, such as the Amazon. The Atlantic Ocean near the mouth of the Amazon River has relatively low salinity due to the mixing of fresh river water with salty ocean water.

Spending time in the ocean compared to other natural bodies of water, one of the key differences is the noticeable difference in salt content in the water.

Oceans and seas cover roughly 70 per cent of the world, and contain about 97 per cent of the Earth's water, and yet, the water is undrinkable due to the salt levels.

However, the five oceans aren't the only saline bodies of water, most water on earth has some levels of salt.

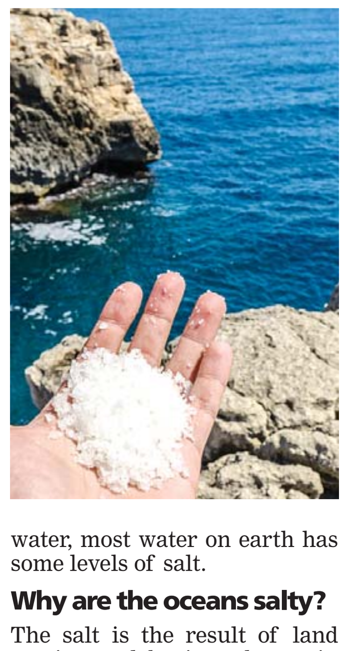

Why are the oceans salty?

The salt is the result of land erosion and begins when rain containing dissolved carbon dioxide falls on land.

As rocks erode, the minerals, mostly chloride and sodium, are washed away by rivers and streams, and carried to the oceans, according to the National Oceanic and Atmospheric Administration (NOAA). Although sodium chloride makes up the majority of the salt in the water, other minerals such as magnesium, calcium, and potassium are also dissolved in salt water.

Do all of the oceans have the same amount of salt?

Each ocean has a different salt content and each ocean is not uniformly salty, rather different areas and seas have higher or lower salt levels.

On average, saltwater contains 35 grams of salt per kilogram, according to Scripps Institution of Oceanography. The ocean with the most salt is the Pacific Ocean, the largest and deepest of Earth's oceans. Located between Asia and Australia in the west and the Americas in the east, the Pacific Ocean has the most salt because parts experience excess evaporation, which leaves the water more dense and salty.

Why are rivers not salty?

Because the water comprising the oceans comes from rivers and streams which deposit the water into the oceans, it would make sense that rivers and streams are also salty, which is partly true.

The constant replenishing of rivers with rainwater keeps rivers from becoming overly salty, as the salt is always pushed out and into the seas, where it collects.

Throughout the world, it is estimated that rivers carry four billion tons of dissolved salts to the oceans annually, according to NOAA. However, the majority of water, including rainwater, contains some salt.

THE WALL

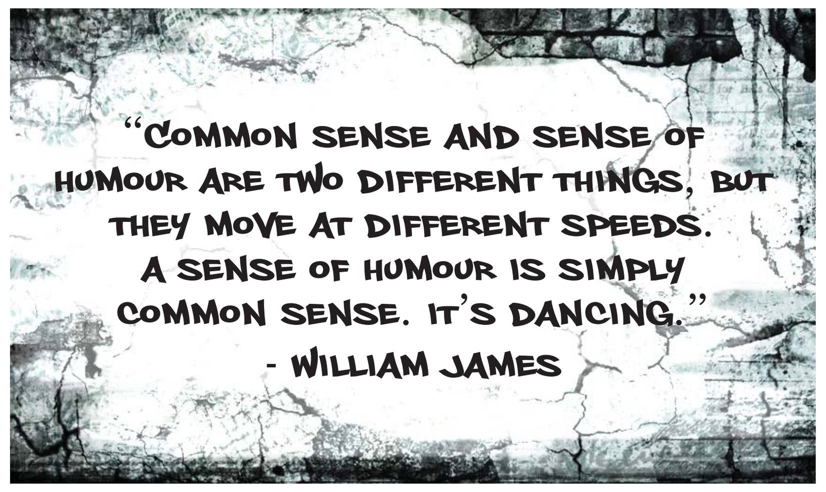

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

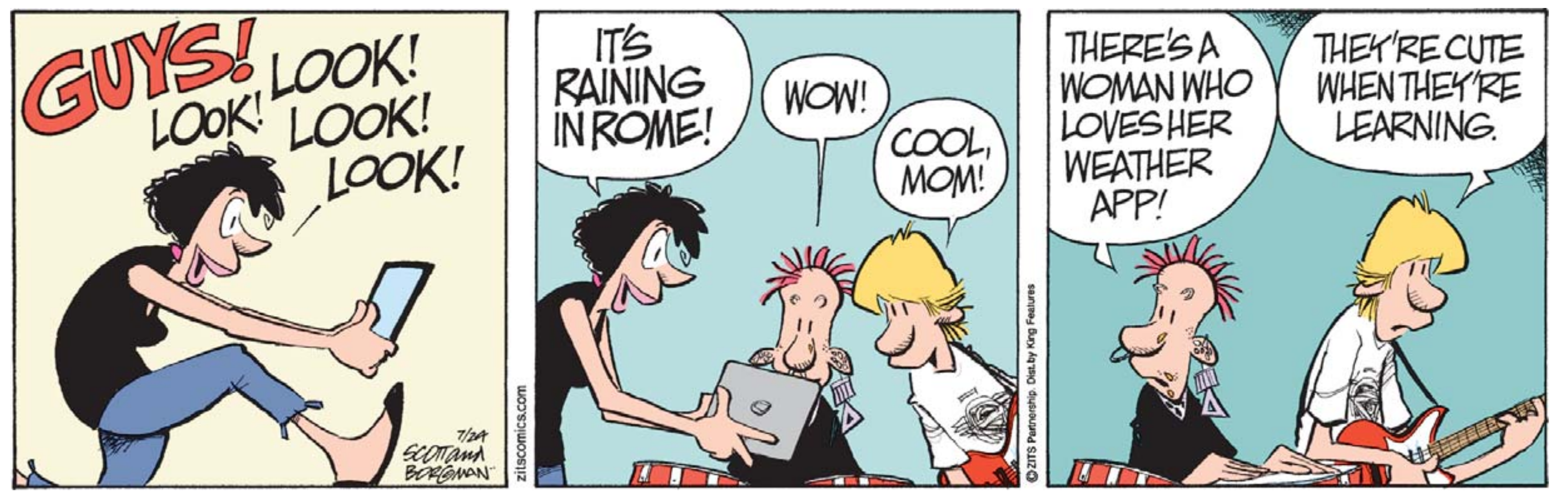

''कोटा गांडिव मैराथन'' में दौड़ा कोटा, 1500 धावकों ने भागीदारी निभाई

दौड़ में पांच वर्ष के नन्हे धावकों से लेकर 75 वर्ष के बुजुर्गों तक ने भाग लिया

कोटा, (निसं)। रविवार को कोटा का उम्मेद सिंह स्टेडियम उस समय उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति की ऊर्जा से भर उठा, जब गांडिव डिवीजन के स्वर्ण जयंती समारोह के तहत कोटा गांडिव हाफ मैराथन-1.0 का आयोजन हुआ। कोटा मिलिट्री स्टेशन की ओर से आयोजित इस मैराथन में सैन्यकर्मियों, पूर्व सैनिकों, युवाओं तथा स्थानीय रनिंग समुदाय सहित 1500 से अधिक धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खास बात यह रही कि दौड़ में पांच वर्ष के नन्हे धावकों से लेकर 75 वर्ष के बुजुर्गों तक ने भाग लेकर सेना के उत्साह को दुगना किया।

सेना के अनुशासन की झलक-मैराथन का मूल संदेश फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन, धैर्य और टीम भावना से जुड़ा रहा। प्रतिभागियों के लिए मेडिकल टीम तैनात रही। किसी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की गई। दौड़ पूरी करने के बाद पैरों में मोच, सूजन या अकड़न जैसी समस्या वाले धावकों के लिए फिजियोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध रही।

कोटा गांडिव हाफ मैराथन-1.0 को अतिथियों ने रवाना किया।

- सेना के मेजर से रिटायर्ड ब्रिगेडियर तक ने नागरिकों के साथ लगाई दौड़, फिटनेस, अनुशासन और सैन्य-नागरिक एकजुटता का संदेश दिया

अंतराष्ट्रीय धावक शाक्ति सिंह ने कहा कि मैराथन में 21 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर दौड़ और 3 किलोमीटर फन रन आयोजित की गई। 21 और 10 किलोमीटर की दौड़ पुरुष एवं महिला वर्गों के लिए थी, जबकि 3 किलोमीटर फन रन में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मैराथन का रूट महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम से अर्जुन गेट, हल्दीघाटी गेट, माला फाटक और आर्मी स्कूल होते हुए वापस उम्मेद सिंह स्टेडियम तक रहा।

21 किलोमीटर पुरुष वर्ग में परवीन पाटील प्रथम, अभिषेक द्वितीय और रोहित तृतीय रहे। महिला वर्ग में दीपा यादव ने पहला, अश्विन ने दूसरा और शीतल ने तीसरा स्थान हासिल किया, वहीं 10 किलोमीटर पुरुष वर्ग में लॉरेंस प्रथम, विनोद पाटील द्वितीय और ओमकार माने तृतीय रहे। वहीं महिला वर्ग में राशी प्रथम, अंजली द्वितीय और अरुणा तृतीय स्थान पर रहीं। धावक दिव्या जैन ने आयोजन को स्वास्थ्य और देशभक्ति को एक साथ जोड़ने वाला अनुभव बताया। उनके लिए सैन्य कैंट क्षेत्र में दौड़ना सामान्य दौड़ से अलग और यादगार अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि गांडिव डिवीजन के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर कोटा में स्वास्थ्य के साथ देशभक्ति का संदेश दिया गया। महिला वर्ग की विजेता दीपा यादव ने ऐसे आयोजनों में महिलाओं की अधिक भागीदारी की जरूरत बताई। उनका कहना था कि जब महिलाओं के लिए इस तरह के अवसर लगातार मिलेंगे तो वे फिटनेस और खेल के क्षेत्र में और आगे आएंगी।

धावक अश्विनी ने आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि दौड़ बेहद सुनियोजित तरीके से कराई गई। प्रतिभागियों को समय पर बैच और बिब मिले तथा रूट भी स्पष्ट रूप से चिन्हित था। पिंकी कपूर ने भी आयोजन में उपलब्ध व्यवस्थाओं की सराहना की।

मारपीट मामले में फरार दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। कृष्णागंज थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के टॉप-10 में शामिल दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर 7,500-7,500 रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को नागौर जिले के बाड़ीघाटी क्षेत्र से दस्तयाब कर अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने दोनों आरोपियों को नागौर जिले के बाड़ीघाटी क्षेत्र से पकड़ा
- प्रकरण में 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है

कृष्णागंज थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि 29 अगस्त को शिवजी चौराहा, 200 फीट बाईपास पर मारपीट और जानलेवा हमले की घटना सामने आई थी। मामले में परिवादी साहिल गठीला उर्फ सत्री निवासी कायड़ ने रिपोर्ट दी थी कि राजीनामे के लिए उसे शिवजी चौराहा, माकड़वाली चौराहे पर बुलाया गया। वहां आरोपियों ने उसके साथ आए सुरेंद्र पर तलवार और सरियों से हमला कर दिया। हमले में सुरेंद्र के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं और उसे उपचार के लिए जेएलएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कृष्णागंज थाना पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी अरविंद सिंह चारण के नेतृत्व में टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की।

घटना के बाद पुलिस टीम ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी गिरफ्तारी के डर से घरों से फरार हो गए थे। इसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से आरोपियों पर 7,500-7,500 रुपये का इनाम घोषित किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और उपलब्ध डाटा का विश्लेषण करते हुए आरोपियों की तलाश जारी रखी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने रामनिवास उर्फ रमेश गुर्जर और जयपाल सिंह उर्फ जेपी को नागौर जिले के बाड़ीघाटी क्षेत्र से पकड़ा। पूछताछ और अनुसंधान के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार इस प्रकरण में इससे पहले कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ के दौरान 29 अगस्त को कायड़ रोड, थाना गेगल क्षेत्र स्थित एक प्रॉपर्टी ऑफिस में घुसकर मारपीट और चोरी की वारदात करना भी स्वीकार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड: रामनिवास उर्फ रमेश गुर्जर, पुत्र नोरतराम गुर्जर निवासी बख्तावरपुरा, थाना पीलवा, जिला डीडवाना-कुचामन के खिलाफ पीलवा थाने में वर्ष 2020 और 2024 के मामले दर्ज हैं। इसके अलावा पुष्कर थाने में वर्ष 2025 का मामला दर्ज है। वहीं जयपाल सिंह उर्फ जेपी, पुत्र किस्मत सिंह राजपूत, निवासी बख्तावरपुरा पीह, थाना पीलवा, जिला डीडवाना-कुचामन के खिलाफ पीलवा थाने में वर्ष 2025 के दो मामले तथा वर्ष 2026 में आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट से संबंधित मामला दर्ज है।

स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे बिजली निगम के ठेकेदार और कर्मचारियों का विरोध

चालू मीटर तोड़ने पर भड़के व्यापारी, ठेकेदार को लौटना पड़ा

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर में शनिवार को स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे बिजली निगम के ठेकेदार और कर्मचारियों को व्यापारियों व उपभोक्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि ठेका कर्मचारी बिना पूर्व सूचना और सहमति के चालू बिजली मीटरों को तोड़कर उनकी जगह स्मार्ट मीटर लगा रहे थे। विरोध बढ़ने पर कटरा बाजार में व्यापारियों ने काम रुकवा दिया, जिसके बाद ठेकेदार और कर्मचारी मौके से लौट गए।

जानकारी के अनुसार शनिवार को डंप रोड, कटरा बाजार, सराफा मार्केट, बनियापाड़ा और धाकड़ कोठा सहित शहर के कई इलाकों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा था। इसके लिए संबंधित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति कई घंटे तक बंद रखी। व्यापारियों का आरोप था कि बड़ी संख्या में ठेका कर्मचारी औजार और हथौड़े लेकर पहुंचे और कई स्थानों पर चालू मीटर तोड़कर नए मीटर लगाने लगे। कटरा बाजार में ठेका कर्मचारियों के पहुंचने पर व्यापारियों ने

- व्यापारियों ने ठेकेदार से मीटर बदलने का वर्क ऑर्डर दिखाने को कहा तो ठेकेदार स्पष्ट दस्तावेज नहीं दिखा सका

हुकम सिंह कश्यप के नेतृत्व में उन्हें रोक दिया। व्यापारियों ने काम की जानकारी लेने के साथ ठेकेदार से मीटर बदलने का वर्क ऑर्डर दिखाने को कहा। व्यापारियों के अनुसार मौके पर मौजूद ठेकेदार स्पष्ट दस्तावेज नहीं दिखा सका। इस दौरान व्यापारियों ने चालू मीटर हथौड़े से तोड़ने, बिना सहमति मीटर बदलने और लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बंद रखने पर सवाल उठाए।

व्यापारियों ने कहा कि यदि मीटर बदलने का अधिकृत काम है तो उपभोक्ताओं को इसकी पूर्व जानकारी दी जानी चाहिए और विभागीय प्रक्रिया के अनुसार मीटर बदले जाने चाहिए। अचानक बड़ी संख्या में कर्मचारियों के पहुंचने और मीटर तोड़कर बदलने से बाजार में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। व्यापारियों और ठेका कर्मचारियों के बीच करीब आधे घंटे तक विरोध चलता रहा। व्यापारियों के लामबंद होने के बाद ठेकेदार और कर्मचारी काम रोककर वापस लौट गए। इसके बाद बंद बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

गौरतलब है कि बिजली निगम की ओर से पुराने मीटरों के स्थान पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर के माध्यम से बिजली खपत की जानकारी डिजिटल रूप से प्राप्त करने और बिलिंग व्यवस्था को अधिक स्वचालित बनाने का उद्देश्य है। निगम के अनुसार इससे मीटर रीडिंग में मानवीय त्रुटियों को कम करने तथा बिजली खपत और आपूर्ति की निगरानी में मदद मिल सकती है।

भारत और अमेरिका का युद्धाभ्यास जारी

बीकानेर, (निसं)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और अमेरिका के सैनिकों ने एक महा संयुक्त मारक क्षमता और लाइव फायर ड्रिल का प्रदर्शन किया। 15 सितंबर से जारी इस 22वें सैन्य अभ्यास के तहत पिछले 24 से 48 घंटों के भीतर दोनों देशों के अत्याधुनिक हथियारों और आधुनिक युद्ध तकनीकों की मारक क्षमता को परखा गया। अभ्यास के दौरान भारतीय सेना के घातक स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन (आत्मघाती ड्रोन) स्काई स्ट्राइकर ने रेगिस्तानी इलाके में वास्तविक युद्ध जैसे माहौल में दुश्मन के ठिकानों को खुद खोजकर पूरी तरह तबाह कर दिया। अमेरिकी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस तकनीक का लाइव प्रदर्शन देखा और भारतीय सेना की क्षमता को सराहा।

इस संयुक्त मारक क्षमता प्रदर्शन की समीक्षा भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी और भारतीय सेना के 10 कोर के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) ने मौके पर मौजूद रहकर की। यह अभ्यास 28 सितंबर को अपने अंतिम चरण को पूरा करेगा।

ट्रेन में छूटा बैग और नकदी यात्री को सुरक्षित लौटाई

कोटा, (निसं)। ट्रेन में छूटा बैग और उसमें रखे 13,500 नकद रेलवे सुरक्षा बल की तत्परता से सुरक्षित बरामद कर यात्री को लौटा दिए गए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि मेवाड़ एक्सप्रेस में कोटा से भरतपुर तक सुरक्षा ड्यूटी में तैनात रेलवे सुरक्षा बल के आरक्षक हिमांशु कुमार एवं नवीन कुमार लांबा को सवाई माधोपुर स्टेशन से ट्रेन रवाना होने के बाद सूचना मिली कि एक यात्री का काले रंग का बैग जनरल कोच में छूट गया है। बैग में कपड़ों के साथ 13,500 नकद थे।

सूचना मिलते ही सुरक्षा कर्मियों ने संबंधित कोच में तलाश कर बैग बरामद किया। जांच में बैग में 13,500 नकद एवं कपड़े सुरक्षित मिले। बैग को हिंडौन सिटी रेलवे सुरक्षा बल चौकी पर आरक्षक बाबू सिंह चौधरी को सुपुर्द कर यात्री मगन लाल मीणा को इसकी जानकारी दी गई। यात्री के हिंडौन सिटी चौकी पहुंचने पर सत्यापन के बाद बैग एवं 13,500 की पूरी राशि सुरक्षित सुपुर्द कर दी गई। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 'ऑपरेशन अमानत' के तहत यात्रियों के रेल परिसर अथवा ट्रेनों में छूटे सामान को सुरक्षित लौटाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रेन में छूटा बैग और नकद रुपए रेलवे सुरक्षा बल की तत्परता से सुरक्षित बरामद कर यात्री को लौटाए गए।

युवती से छेड़छाड़ व मारपीट के आरोपी को सात वर्ष का कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। न्यायालय ने घर में घुसकर युवती से गलत काम करने की कोशिश करने, मारपीट करने व गला दबाने के गंभीर मामले में त्वरित न्याय करते हुए अभियुक्त दिलखुश मीणा को 7 वर्ष के कारावास तथा 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला न्यायाधीश रेखा बधवा की अदालत द्वारा सुनाया गया।

प्राप्त जानकारी एवं पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, घटना 25 दिसंबर 2022 की मध्यरात्रि लगभग 12 बजे की है। पारोली थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता अपने घर में पढ़ाई कर रही थी। उसी दौरान अभियुक्त दिलखुश मीणा नीयत खराब कर अवैध रूप से घर के अंदर घुस आया। आरोपी ने पीड़िता के साथ गलत काम करने की कोशिश की। जब युवती ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसके साथ

- कोर्ट ने आरोपी को 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा भी सुनाई

मारपीट की, बाल पकड़कर खींचे और गला दबाने का प्रयास किया। पीड़िता के लगातार चिल्लाने और शोर मचाने पर आरोपी पकड़ाए जाने के डर से बाड़ कूदकर पास ही स्थित घर में भाग गया। घटना से सहमे परिजनों ने हिम्मत जुटाकर 27 दिसंबर 2022 को थाना पारोली पर आरोपी दिलखुश मीणा के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना पारोली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित अनुसंधान पूरा किया और अभियुक्त दिलखुश मीणा को गिरफ्तार कर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने की। अभियोजन ने आरोपी को कड़ी सजा दिलाने के लिए, अदालत के समक्ष 10 गवाहों के बयान दर्ज कराए तथा 14 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए। न्यायालय ने दोनों पक्षों की बहस सुनने तथा प्रस्तुत साक्ष्यों व गवाहों का अनुशीलन करने के बाद अभियुक्त दिलखुश मीणा को दोषी पाया और उसे 7 वर्ष के कारावास एवं 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया।

जोधपुर एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल खत्म

- केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के हस्तक्षेप के बाद एम्स प्रशासन और रेजिडेंट डॉक्टर्स के बीच मांगों को लेकर सहमति बन गई
- जोधपुर एम्स के एजीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. गोवर्धन पुरी को हटाया नए एजीक्यूटिव डायरेक्टर की नियुक्ति तक जम्मू एम्स के एजीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. संजीव सिन्हा को चार्ज सौंपा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल रविवार को खत्म हो गई। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के हस्तक्षेप के बाद एम्स प्रशासन और रेजिडेंट डॉक्टर्स के बीच मांगो को लेकर सहमति बन गई है। दूसरी तरफ जोधपुर एम्स के एजीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. गोवर्धन पुरी को हटा दिया गया है। वहीं, जोधपुर एम्स में नए एजीक्यूटिव डायरेक्टर की नियुक्ति तक जम्मू एम्स के एजीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. संजीव सिन्हा को चार्ज सौंपा गया है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर एम्स में ड्यूटी के दौरान रेजिडेंट डॉक्टर राजनरेश यादव (29) पुत्र नरेश कुमार मंगलवार को रेस्ट रूम के बाथरूम में अचेत मिले थे। उनकी मौत हो गई थी। राजनरेश एनस्थीसिया विभाग में ड्यूटी के लिए आए थे। शुरुआती जानकारी में इंजेक्शन के ओवरडोज की आशंका जताई गई है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह जांच के बाद ही साफ होगी। इस घटना के बाद से रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर उतर गए थे। रविवार दोपहर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एम्स पहुंचे थे। यहां उन्होंने डायरेक्टर सहित एम्स के अन्य अधिकारियों के साथ वार्ता की। इसके बाद रेजिडेंट डॉक्टर्स के बीच ओपीडी पहुंचे और फैसले को लेकर जानकारी दी। इसके बाद रेजिडेंट डॉक्टर्स ने हड़ताल समाप्त करने की घोषणा कर दी।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि रेजिडेंट डॉक्टर की मौत के बाद स्टूडेंट शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। जोधपुर का जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि मरीज जिस तरह से परेशान हो रहे हैं, ऐसे में बीच का कोई रास्ता निकाला जाए। कल भी रेजिडेंट और प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत की। इसके बाद चिकित्सा मंत्री को इसकी जानकारी दी। चिकित्सा मंत्री के इंटरवेंशन के बाद सरकार के स्तर पर निर्णय हुआ। डायरेक्टर डॉ.गोवर्धन पुरी को तुरंत प्रभाव से पदमुक्त करके दिल्ली बुला लिया गया है। जहां उनको जो कार्य सौंपा जाएगा, वो जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक जोधपुर एम्स में परमानेंट डायरेक्टर की नियुक्ति नहीं होती है, तब तक जम्मू एम्स के डायरेक्टर के पास ही चार्ज रहेगा। रेजिडेंट डॉक्टर्स की मांग थी कि मामले में एम्स डायरेक्टर डॉ.गोवर्धन पुरी इस्तीफा दें। एडमिनिस्ट्रेशन सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। साथ ही परिवार को मुआवजा दिया जाए।

32 किलो डोडा-पोस्त जब्त

हनुमानगढ़, (निसं)। पुलिस ने रोही 20 जेआरके अचालकी में कार्रवाई की है। गोलूवाला पुलिस थाना टीम ने आरोपी विक्रम उर्फ इंद्रसेन गोदारा के घर से 32 किलो 140 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त जब्त किया। गोलूवाला थानाधिकारी रजनीष कौर के साथ चौकी कैंचिया प्रभारी गुरदेव सिंह और उनकी टीम ने डोडा पोस्त जब्त किया। आरोपी विक्रम उर्फ इंद्रसेन पर केस दर्ज किया गया है।

जेल से सिगरेट व मोबाइल बरामद

उदयपुर, (निसं)। सूरजपोल थाना पुलिस ने जेल में अज्ञात बंदी के खिलाफ सिगरेट व मोबाइल रखने का प्रकरण दर्ज किया। जानकारी के अनुसार पीड़ित पुष्पेन्द्रसिंह पुत्र दमनसिंह जाट निवासी मोहमदपुर टेका डिंग हॉल उदयपुर जेल प्रहरी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 26 सितंबर सवेरे जेल प्रशासन द्वारा शुरू किए गए तलाशी अभियान के दौरान जेल की दिवार के पास लावारिस हालत में सिगरेट, वाईफाई डोंगल, दो कीपेड मोबाइल मय डाटा केबल लावारिस हालत में देखे गए, जिन्हें जब्त कर प्रकरण दर्ज करवाया।

नारियल पानी के बढ़े हुए दाम मरीजों के लिए परेशानी का सबब बने

60-70 रुपये में मिलने वाला नारियल पानी अब 100 रुपये तक पहुंचा

बयाना/भरतपुर, (निसं)। मौसम में बदलाव के साथ क्षेत्र में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बयाना उप जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या 1200 के पार पहुंच गई है। ऐसे में कुछ बीमारियों में डॉक्टरों की ओर से मरीजों को नारियल पानी पीने की सलाह दी जा रही है, लेकिन नारियल पानी के बढ़े हुए दाम मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं।

- बयाना उप जिला अस्पताल में कुछ बीमारियों में डॉक्टरों की ओर से मरीजों को नारियल पानी पीने की सलाह दी जा रही है

बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले तक बयाना में नारियल पानी 60 से 70 रुपये में आसानी से मिल जाता था, लेकिन अब इसकी कीमत बढ़कर करीब 100 रुपये तक पहुंच गई है। नारियल पानी की मांग बढ़ने के बावजूद कीमतों में हुई बढ़ोतरी के कारण कई मरीज और उनके परिजन खरीदारी कम कर रहे हैं।

बयाना में नारियल पानी के बढ़े हुए दाम मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं।

मरीजों का कहना है कि बीमारी के दौरान पहले ही दवाइयों और जांच पर खर्च हो रहा है। ऐसे में 100 रुपये में नारियल पानी खरीदना अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन गया है। डॉक्टरों की सलाह के बाद भी आर्थिक स्थिति कमजोर होने वाले मरीज नियमित रूप से नारियल पानी नहीं खरीद पा रहे हैं।

मौसमजनित बीमारियों के बीच नारियल पानी की बढ़ती मांग और कीमतों में हुए इजाफे ने मरीजों की परेशानी बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित विभाग को बाजार में नारियल पानी की कीमतों पर नजर रखनी चाहिए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को उचित दर पर यह उपलब्ध हो सके।

पुष्कर में पर्यटकों का पारंपरिक अंदाज में स्वागत

पुष्कर, (निसं)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रविवार को पुष्कर में देशी-विदेशी पर्यटकों के स्वागत के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुष्कर सरोवर के जयपुर घाट पर पर्यटन विभाग की ओर से नगाड़ा वादन और कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति दी गई। पारंपरिक लोक संस्कृति की प्रस्तुतियों ने पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया। पर्यटन विभाग के प्रभारी नारायण सिंह ने बताया कि विभाग की ओर से पुष्कर पहुंचने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

जानलेवा हमले के दो इनामी आरोपी गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर के निहालगंज थाना पुलिस ने जानलेवा हमले के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी लंबे समय से वांछित चल रहे थे। कार्रवाई के दौरान घटना में प्रयुक्त अल्टो कार और एक अपाची मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

- घटना में प्रयुक्त कार और मोटरसाइकिल भी जब्त की

जानकारी के अनुसार निहालगंज थाना पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में वांछित आरोपी रजना पुत्र रामजीलाल गुर्जर, निवासी चपरौली थाना मनियां और ऑफिसर पुत्र विजय सिंह गुर्जर, निवासी चपरौली थाना मनियां, हाल निवासी संगम विहार कॉलोनी, अंडेला रोड, रीको धौलपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 22 अगस्त को परिवादी देवेंद्र कुमार शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की नीयत से हमला किया। मामले में निहालगंज थाने में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ घटना में प्रयुक्त अल्टो कार और अपाची मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस के मुताबिक मामले में आरोपी दीपक और देवेंद्र उर्फ देवा पूर्व में गिरफ्तार किए जा चुके हैं। निहालगंज थाना पुलिस की इस कार्रवाई से मामले में आगे की जांच और आरोपियों की भूमिका को लेकर पूछताछ जारी है।

अलवर को मिली सड़क कार्यों से लेकर ट्रेन ठहराव की सौगातें

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने अलवर विभिन्न सौगातें दी।

- जिले में रेल एवं सडक सहित आधारभूत इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान करने किए जा रहे हैं सार्थक प्रयास : केंद्रीय वन मंत्री यादव
- सरकार द्वारा सड़क सहित विभिन्न आधारभूत विकास कार्यों को दी जा रही है गति : वन राज्यमंत्री शर्मा

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को विभिन्न सौगातें दी, जिसमें 20 करोड रूपये की लागत से निर्मित होने वाली 18 किमी लम्बाई की कुशालगढ से थैक्यू बोर्ड सडक का शिलान्यास एवं अलवर शहर में 1.20 करोड रूपये की लागत की 4 किमी लम्बाई की प्रतापबंध तिराया से मांच का तिराया तक निर्मित सडक का लोकार्पण किया तथा मालाखेडा रेलवे स्टेशन पर जैसलमेर-काठगोदाम रानीखेत एक्सप्रेस ट्रेन ठहराव के शुभारम्भ कार्यक्रम में शिरकत कर ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार द्वारा चहुंमुखी विकास को प्राथमिकता में रखते हुए जिले में सडक नेटवर्क मजबूत करने की दिशा में निरन्तर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर सडक कनेक्टिविटी से आमजन एवं श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगमता होने के साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क मजबूत होता है। इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने के साथ-साथ सरिस्का में टयूरिज्म बढेगा, जिससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि भर्तृहरि धाम के विकास के साथ पाण्डुपोल हनुमान जी मंदिर व नीलकंठ महादेव मंदिर में आवागमन हेतु सडक निर्माण कार्य हो या सिलीसेढ झील को रामसर साइट का दर्जा देने जैसे कार्यों को आगे बढाया जा रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र के नेतृत्व में अमृत भारत योजना के तहत अलवर में अलवर, राजगढ, गोविन्दगढ, खैरथल, खेडली रेलवे स्टेशनों का विकास कर यात्रियों की सुविधाओं में विस्तार करते हुए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही है। इसी प्रकार खैरथल, अलवर, राजगढ रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव कराया गया है। उन्होंने कहा कि न केवल अलवर के कर्णपुरा रेलवे स्टेशन को बचाया गया है बल्कि वहां अब डबल मंजिल का नया रेलवे स्टेशन भी तैयार हो रहा है। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में अलवर जिले के सर्वांगीण विकास करने के साथ-साथ आमजन को सुविधा को ध्यान में रखते हुए सडक, रेल सहित विभिन्न आधारभूत विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रताप बांध तिराहा से मांच का तिराहा सडक के लोकार्पण से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

अलवर में आम आदमी पार्टी पंचायत चुनाव लड़ेगी

अलवर। आम आदमी पार्टी अलवर जिले में आगामी पंचायती राज चुनाव लड़ेगी। सभी 11 पंचायत समितियों और जिला परिषद के सभी 262 वार्डों में पार्टी अपने प्रत्याशी उतारेगी। नगर निकाय चुनाव में उतरी आप के प्रदेशभर में 42 पार्षद जीते हैं।'आप के जिलाध्यक्ष जगन्नाथ गोयल और जिला चुनाव प्रभारी शरद मिश्रा ने कहा- दोनों पार्टियां विकास के मुद्दों पर जनता की उम्मीदों पर खरे उतरने में नाकाम रही हैं। उनके वादे सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। इसके विपरीत आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी के मोर्चे पर किए विकास कार्यों के अपने दिल्ली मॉडल को जनता के सामने रखा है।

चुनावी तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी ने पहल की है। राजस्थान में चुनाव लडने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए कोड जारी किया गया है। चुनाव लड़ने के इच्छुक लोग क्यूआर कोड को स्कैन कर सीधे दावेदारी पेश कर सकते हैं।

सार-समाचार

कालाडेरा में आंगनबाड़ी मिलन सेवा समारोह आयोजित

चौमूं / कालाडेरा। कालाडेरा कस्बे के बस स्टैंड के पास स्थित संस्कृत स्कूल में आंगनबाड़ी केन्द्र पर आंगनबाड़ी मिलन सेवा समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्तिक चारण के सानिध्य में महिला पर्यवेक्षक ममता चौधरी के द्वारा समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष महिला मोर्चा राखी राठौड़ द्वारा कार्यकर्ता, सहायिका व आशा सहयोगियों को प्रशस्ति पत्र व तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया गया। और राखी राठौड़ ने आशा सहयोगियों के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सहारना की। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व बच्चों का अन्नप्राशन किया गया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद - गजेन्द्र बुनकर, विष्णु सेन, कार्यकर्ता- कविता मिश्रा, नीलम रावत सुमिता, रेणु योगी व अन्य उपस्थित रहे।

फुलेरा पालिकाध्यक्ष राजू दाधीच ने वार्डवासियों का आभार जताया

फुलेरा। नगरपालिका अध्यक्ष व वार्ड 24 के पार्षद राजू दाधीच ने रविवार को राधा गोविंद मंदिर में धोक लगाकर वार्डवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वार्ड 24 के लोगों के आशीर्वाद से उन्हें पालिकाध्यक्ष बनने का अवसर मिला है। वार्ड की प्रमुख समस्याओं के समाधान के साथ पूरे नगरपालिका क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता रहेगा। इस दौरान मंदिर विकास समिति, महादेव मंडल, रोटी बैंक सहित विभिन्न संगठनों और आमजन ने ढोल-नगाड़ों के साथ दाधीच का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। दाधीच ने घर-घर जाकर वार्डवासियों का धन्यवाद किया और मिठाई बांटी। कार्यक्रम में पं. रामावतार दाधीच, पूर्व पार्षद हरजीत सिंह, महेश सोनी, विद्यासागर जोशी, श्रीराम विजयवर्गीय, जगदीश सैनी, जयप्रकाश शर्मा, भैरूप्रसाद शर्मा, श्यामसुंदर सैनी, राजेंद्र सोनी, मंगल सैनी, मन्नी सिंधी, दीनदयाल दाधीच, श्याम विजयवर्गीय, देवकीनंदन सोनी, अजय विजयवर्गीय, गणेश सोनी, मुरारीलाल सिंवाल, नीलू महाराज, भानुप्रताप सिंह, आदित्य दाधीच, मनमोहन सिंह, घनश्याम पडिहार, विजय जांगिड़, तनिष्क गौड़ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गौसेवा कर जन्मदिन मनाया

पावटा। जन्मदिन को सामाजिक सरोकार और राजनीतिक मेल-मिलाप का अवसर बनाते हुए एक युवा पावटा निवासी राहुल खंडेलवाल ने पूर्व विधायक एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर के सानिध्य में पावटा स्थित श्री कृष्ण गौशाला में गौसेवा कर अपना जन्मदिन मनाया।

सांभर में ट्रिपल इंजन की सरकार विकास का इतिहास रचेगी : चेयरमैन

सांभरझील। चेयरमैन पवन मोदी मैंने कहा कि आगामी सालों में भारतीय जनता पार्टी की स्थानीय सरकार ने सांभर को विकास की दृष्टि से अग्रणी स्थान दिलाने के लिए जो संकल्प लिया है उसे पूरा करके क्षेत्र की जनता के विश्वास को कायम रखेंगे। सांभर को विकास की दृष्टि से प्रदेश की समस्त निकायों में अग्रणी स्थान दिलाने का हमारा प्रयास सफल होगा। सांसद राव राजेंद्र सिंह का सांभर के प्रति गहरा लगाव और हमें दिए गए उनके आशीर्वाद से सांभर की तमाम मूलभूत समस्याएं जो लंबे समय से व्याप्त थी उनका पूरी तरह से निराकरण करवाया जाएगा। चेयरमैन पवन मोदी के ऊर्जावान उद्बोधन से मंच पर बैठे सांसद राव राजेंद्र सिंह, जिला स्तर के पदाधिकारी अभिभूत हो गए।

चैयरमेन मोदी ने यह भी कहा कि

सांभर में भाजपा के विजय जुलूस में जनसैलाब उमड़ा।

क्षेत्र की जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर अपना भरोसा रखा है और हम सदैव उनके कृतज्ञ रहेंगे। भाजपा का बोर्ड बनवाने में निर्वाचित पार्षदों व अन्य के मिले समर्थन के बाद प्रदेश और केंद्र में अब ट्रिपल इंजन की सरकार तेज गति से अपने काम को अंजाम देगी, आने वाले कुछ माह में ही इसके रिजल्ट दिखना शुरू हो जाएंगे। सांभर में लंबे समय से विचाराधीन पड़ी 4 करोड़ से अधिक की पेयजल परियोजना का काम भी शीघ्र ही पूरा होगा जिससे पेयजल की किल्लत जड़ से समाप्त हो जाएगी, क्योंकि बीसलपुर परियोजना की नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा होने को है यह दोनों ही प्रोजेक्ट सांभर के लिए अमृत का काम करेंगे। सांसद राव राजेंद्र सिंह का सांभर में ट्रेन ठहराव के लिए उनका अध्यक्ष पवन मोदी व उनकी टीम की तरफ से तहे दिल से शुक्रिया अदा किया गया।

रविवार को नवनिर्वाचित पार्षदों के सम्मान समारोह में पूर्व विधायक निर्मल कुमावत कुमावत में भी अपने विचार व्यक्त करते हुए भाजपा का बोर्ड बनने पर क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर बहुजन समाज पार्टी व निर्दलीय पार्षदों के अलावा बलाई समाज के युवा कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसके पश्चात भाजपा का विजय जुलूस को सांसद में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सांभर के प्रमुख मार्गों से निकली जहां जगह-जगह लोगों ने नवनिर्वाचित चेयरमेन व सहित सभी पार्षदों का पुष्प वर्षा से भव्य अभिनंदन किया।

कोटपूतली में तीन दिवसीय आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली। विकसित भारत जन सेवा अभियान के अंतर्गत जिले में 25 से 27 सितंबर तक 03 दिवसीय आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया गया। इसके तहत जिले के 1263 आंगनबाड़ी केंद्रों पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान समस्त मानदेय कार्मिकों आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं आशा सहयोगिनी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। मानदेय कार्मिकों के कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जी और से प्राप्त प्रशंसा पत्र एवं प्लांटर प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम उपनिदेशक तेजप्रकाश अग्निहोत्री के निर्देशन में राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें मानदेय कार्मिकों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान सुरज्ञान यादव, देवीराम मीणा, गिरिराज यादव, राजेन्द्र यादव, अखिलेश शर्मा, शीशराम यादव समेत अन्य मौजूद रहें। अधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा सहयोगिनियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप सेवाओं को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कस्बे के वार्ड नं. 04 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर आंगन मिलन कार्यक्रम एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद सभापति कमल सैनी ने सरस्वती वंदना एवं द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंतर कंवर ने सभापति कमल सैनी सहित अमित सैनी एवं महेश सैनी का स्वागत किया। सभापति कमल सैनी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंतर कंवर, सहायिका रीना सैनी एवं आशा सहयोगिनी पूजा सैनी का सम्मान किया।

समाजसेवी कल्लूमल लख्याणी का देहांत

किशनगढ़ बास। मोठूका किशनगढ़बास की धरती ने रविवार सुबह अपना एक अनमोल रत्न खो दिया। मोठूका के पूर्व सरपंच, उद्योगपति और समाजसेवी कल्लूमल लख्याणी (90) का सुबह करीब सात बजे अचानक तबीयत बिगड़ने से देहांत हो गया।

उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे किशनगढ़बास, मोठूका और व्यापार जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी अंतिम यात्रा सायं 5 बजे उनके निजी निवास स्थान से शुरू होकर गांव के मोक्षधाम पहुंची, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। 90 वर्षीय कल्लूमल लख्याणी का जीवन सरपंच से लेकर सफल उद्योगपति तक का उनका सफर आज के युवाओं के लिए प्रेरणा है।

खोया पाया

मेरे मकान 1-त-10 जवाहर नगर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जापत्र, डिक्लेरेशन- जवाहर नगर में कहीं खो गए है, मिलने पर सूचित करें- अरविंद मित्तल 9892916666

PUBLIC NOTICE Under instructions from and on behalf of my client, M/s Shree Balaji Homes, notice is given that residential plot Khasra No. 661/654, 651/55 (3720.17 sq. mtrs.), Village Ganpatpura, Tehsil Sanganer, Jaipur, originally allotted to Shri Bhagwan Sahay Sulla S/o Shri Puran Mal Sulla vide JDA Patta dated 18.11.2025, has been sold to my client vide registered Sale Deed dated 18.02.2026 (Sub-Registrar, Jaipur-VII), and mutated in my client's name by JDA vide order dated 21.04.2026. Anyone having any right, claim or objection regarding the said property may contact the undersigned in writing, with proof, within 3 days of publication, failing which no claim shall be entertained and the transaction shall be treated as valid and final.

Suraj Bhan Choudhary, Advocate
Mobile : 7568492274

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या परवीन बानो पत्नी इदरीश निवासी प्लॉट नम्बर 34-ए, श्रीरामपुरी, निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान द्वारा मुश्ताक पुत्र शमसुद्दीन व्यापारी निवासी वार्ड संख्या 18, मोहल्ला व्यापारियान्, सादुलपुर, राजगढ़, जिला चुरू, राजस्थान से उनके स्वामित्व व आधिपत्य की सम्पत्ति फ्लैट / यूनिट नम्बर जी-2 (ग्राउण्ड फ्लोर) " नेशनल एनक्लेव -5" प्लाट नम्बर 30 श्री रामपुरी निवारू रोड, जयपुर, राजस्थान मे स्थित है जिसका बिल्टअप एरिया 1200 वर्गफीट है को खरीद करने हेतु एच.डी. एफ.सी. बैंक लि. से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहती हैं। यह कि उक्त सम्पत्ति को मुश्ताक ने एच.डी.एफ.सी. लि. के द्वारा कि गई निलामी मे जरिये रजिस्टर्ड सेल्स सेर्टिफिकेट के द्वारा दिनांक 03.08.2017 को खरीद किया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को मेरी अभिभाष्या परवीन बानो द्वारा के उक्त सम्पत्ति के खरीद / बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी।

जयपुर (रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट
दिनांक:-27.09.2026 मो.नं. 9829256466

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:-3709 दिनांक:-08/09/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना मे आवास संख्या R-28 TYPE-D (NRI), (एरिया 750.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती प्रतिभा गुप्ता पत्नी श्री विनोद कुमार गुप्ता को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 461 दिनांक 08.07.2009 को जारी किया गया। श्रीमती प्रतिभा गुप्ता के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 28.08.2009 को उप पंजीयक जयपुर-प्रथम के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती प्रतिभा गुप्ता द्वारा उक्त आवास को दिनांक 25.01.2021 के द्वारा 70 प्रतिशत हिस्सा 1. श्री यशपाल सारण पुत्र श्री बलवीर सिंह एवं 30 प्रतिशत 2. श्रीमती ललिता सारण पत्नी श्री यशपाल सारण को विक्रय कर उप पंजीयक- चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती ललिता सारण द्वारा उक्त आवास का 30 प्रतिशत हिस्से को दिनांक 08.07.2026 के द्वारा श्री यशपाल सारण पुत्र श्री बलवीर सिंह को उपहार कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहा उपहार पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/केती श्री यशपाल सारण पुत्र श्री बलवीर सिंह द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास मे अपना नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री यशपाल सारण पुत्र श्री बलवीर सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

मोरल डेम प्रदूषण की समस्या को लेकर किसानो की महापंचायत

बौंली -बामनवास। क्षेत्र के बरनाला तहसील अंतर्गत ग्राम रामसिंह पूरा चौकी केपास खुली नहर एवं मोरल डैम प्रदूषण की समस्या को लेकर किसानों की एक महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत के दौरान ईसरदा बंध तक खुली नहर के बजाय पाइपलाइन से पहुंचाया जाए जिससे किसानों की भूमि उनके स्वयं कार्य में आ सके। महापंचायत के दौरान मोरेल डैम में जयपुर के फैक्ट्रियों व अन्य केमिकलयक्त पानी को मोरल डैम में जाने से रोकने के स्थाई समाधान करने की मांग की। किसान महापंचायत के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यपाल जाट, कांजी मीणा सहित अनेको किसान नेताओं ने महापंचायत के दौरान अपने विचार व्यक्त किए।

पर्यटन के महत्व को लेकर कार्यक्रम आयोजित

मनोहरपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पूरे विश्व में पर्यटन के महत्व को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1980 में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने की थी। इसका उद्देश्य दुनियाभर में पर्यटन के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है।

कांग्रेस नेता नदीम पठान ने कहा कि पर्यटन सिर्फ घूमना नहीं है, यह एक दूसरे की संस्कृति को समझना है। यात्रा करने से मानसिक तनाव कम होता है और स्वास्थ्य बेहतर होता है। पठान ने कहा कि राजस्थान तो पर्यटन की धरती है। जयपुर, आमेर, मनोहरपुर के आसपास के किले और यहां की संस्कृति पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। पर्यटन से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है। मजदूर नेता अजीज हबीब कल्लू लोहानी ने कहा कि पर्यटन उद्योग से मजदूर वर्ग को भी बड़ा फायदा होता है, एच के लोहानी वेलफेयर सोसायटी के संचालक जाफर लोहानी ने कहा के हमें अपने गांव, अपने शहर की खूबसूरती को साफ-सुथरा रखना चाहिए, क्योंकि हर अतिथि देवो भव: की भावना से ही पर्यटन बढ़ता है।

किशनगढ़बास में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आयोजित

किशनगढ़ बास में बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते विधायक दीपचंद खेरिया।

- विधानसभा चुनाव प्रभारी देव कसाना ने कहा नगर निकाय में तानाशाही से बोर्ड छीना, अब पंचायत में हिसाब बराबर करेगी कांग्रेस

किशनगढ़बास। नगर निकाय चुनाव की हार का बदला अब पंचायती राज चुनाव में लिया जाएगा। इसी संकल्प के साथ किशनगढ़बास में कांग्रेस ने जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनावों के लिए बिगुल फूंक दिया है। रविवार को जाटका रोड स्थित विधायक कार्यालय पर विधायक दीपचंद खैरिया के नेतृत्व में संगठनात्मक बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखने को मिला।

विधायक के निजी सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया कि बैठक में आगामी जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव लड़ने वाले दावेदारों के बायोडाटा लिए गए। बैठक में किशनगढ़बास विधानसभा प्रभारी देव कसाना सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए विधानसभा प्रभारी देव कसाना ने कहा कि सरकार भाजपा की है, फिर भी खैरथल नगर परिषद में जनता ने कांग्रेस को सबसे बड़ी पार्टी बनाया, लेकिन भाजपा ने तानाशाही कर जोड़-तोड़ से अपना बोर्ड बना लिया।

विधायक दीपचंद खैरिया ने कहा कि सभी एकजुट होकर काम करें। टिकट मांगने बहुत लोग आ रहे हैं, लेकिन टिकट एक ही आदमी को मिलेगा।कई कमेटियों द्वारा सर्वे कराकर टिकट वितरण किया जाएगा, लेकिन टिकट मिलने के बाद सभी को पार्टी हित में एकजुट होना पड़ेगा।

इस मौके पर पीसीसी महासचिव अजीत यादव, पीसीसी सदस्य गिरीश डाटा, प्रधान बद्री प्रसाद सुमन, किशनगढ़बास ब्लॉक अध्यक्ष संदीप पाटिल, कोटकासिम ब्लॉक अध्यक्ष राम प्रसाद गुर्जर, खैरथल शहर अध्यक्ष शिवचरण गुप्ता, किसान नेता जसवंत यादव ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष संस्कार अग्रवाल, हाजी सुब्बा खां, पूर्व सरपंच नूर मोहम्मद हल्लू, मंडल अध्यक्ष किशनचंद, दशरथ राठौर, दीपक चौधरी, सतीश यादव, कृषि उपज मंडी पूर्व अध्यक्ष घीसाराम बड़ाना, एडवोकेट सूरजभान भड़ाना, नवीन खैरिया, पार्षद सुनील सांवरिया, पार्षद प्रदीप कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दौसा में अस्पतालों के आसपास होटल, ढाबों, दुकानों का निरीक्षण

- दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर 40 किलो एक्सपायरी सामग्री नष्ट करवाई

दौसा (निसं.)। जिले में 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग का विशेष अभियान आज से शुरू हुआ। अभियान के पहले दिन खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने राजकीय अस्पताल दौसा की कैंटीन, अस्पताल के बाहर तथा राजधानी हॉस्पिटल के आसपास स्थित रेस्टोरेंट, ढाबों, दुकानों एवं ठेलों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए तथा गंदगी मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए। वहीं, करीब 40 किलो एक्सपायरी खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश कुमार सैनी ने बताया कि पहले दिन राजकीय अस्पताल दौसा की कैंटीन, अस्पताल के बाहर तथा राजधानी हॉस्पिटल के आसपास स्थित रेस्टोरेंट, खाने के ढाबों, दुकानों एवं ठेलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। गंदगी पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को इंप्रूवमेंट नोटिस दिए गए।

उन्होंने बताया कि मनोहर चाय वाले एवं अस्पताल के बाहर स्थित तनु जनरल स्टोर से करीब 40 किलो एक्सपायरी खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई। साथ ही खाद्य विक्रेताओं को साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए। खाद्य पदार्थों के लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सभी खाद्य विक्रेताओं को खाद्य सामग्री ढककर रखने, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, किसी भी खाद्य पदार्थ को अखबार में लपेटकर नहीं रखने तथा खाद्य लाइसेंस दुकान पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत 30 सितंबर तक जिले के अस्पतालों एवं उनके आसपास संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान फूड कैटर्स, खुदरा एवं थोक खाद्य विक्रेताओं की नियमित जांच एवं नमूनीकरण का कार्य किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश कुमार सैनी, प्रकाश चंद सैनी, जगदीश प्रसाद सैनी, सुमित्रा कुमारी जाट, मीना सिंघल एवं रामोतार बैरवा उपस्थित रहे।

'खेलो राजस्थान अभियान, एक जन-आंदोलन'

चौमूं / कालाडेरा। राजस्थान में खेल केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का अनुशासन, हमारी ऊर्जा और एक स्वस्थ समाज की नींव है। इसी भावना के साथ खेलो राजस्थान अभियान का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को जोड़ना और प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। अभियान के चार चरण (स्तर)

यह अभियान विभिन्न चरणों और स्तरों पर आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण (पंचायत स्तर) ग्रामीण और जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए प्रतियोगिताओं की शुरुआत। द्वितीय चरण (ब्लॉक स्तर) पंचायत स्तर पर चयनित खिलाड़ियों के बीच ब्लॉक स्तर पर मुकाबले।

तृतीय चरण (जिला स्तर) ब्लॉक स्तर के विजेताओं के बीच जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धा। चतुर्थ चरण (राज्य स्तर) जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का महाकुंभ, जहाँ राज्य स्तर पर विजेता तय होते हैं। शामिल 12 खेल (चरणवार) इस अभियान में नागरिकों के लिए कुल 12 खेलों को शामिल किया गया है। पहला चरण वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, रस्साकशी और तीरंदाजी।

तीसरा चरण खो-खो, कुश्ती, बास्केटबॉल और हमारा पारंपरिक खेल सातोलिया। मानसिक स्वास्थ्य और खेल आज की तेज जीवनशैली, पढ़ाई और प्रतिस्पर्धा के दौर में तनाव और अकेलेपन जैसी चुनौतियाँ बढ़ रही हैं। ऐसे में खेल एक प्राकृतिक और सकारात्मक माध्यम है। नियमित शारीरिक गतिविधि मूड को बेहतर करती है और तनाव कम करती है।

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भरतपुर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर पुलिस की मैराथन दौड़

खेल कार्यक्रमों के तहत पुलिस ने पांच किलोमीटर मैराथन दौड़ की।

- नशा-मुक्त जीवनशैली अपनाने तथा साइबर अपराध से बचाव का संदेश दिया

भरतपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित खेल कार्यक्रमों के तहत जिला पुलिस भरतपुर द्वारा आज 05 किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं जवानों में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन एवं टीम भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ आमजन को स्वस्थ एवं नशा-मुक्त जीवनशैली अपनाने तथा साइबर अपराधों के प्रति जागरूक एवं सतर्क रहने का संदेश देना रहा। मैराथन का आयोजन जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर राजेश कुमार मीना, के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र कुमार यादव, सीओ ट्रैफिक योगेश सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवानों सहित अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मैराथन का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भरतपुर धर्मेंद्र कुमार यादव द्वारा यातायात सर्किल भरतपुर से मैराथन दौड़ को 'हरी झंडी' दिखाकर किया गया। प्रतिभागियों ने सारस चौराहा यूआईटीसर्किल सर्किट हाउससर्किल मल्टीपरपस चौराहा मानसिंह सर्कल बिजली घर सर्किल होते हुए निर्धारित 05 किलोमीटर मार्ग पर दौड़ पूरी की तथा यातायात सर्किल भरतपुर पर मैराथन का समापन हुआ।

मैराथन के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साह एवं अनुशासन के साथ सहभागिता करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे से दूर रहने और साइबर अपराधों से सतर्क रहने का संदेश आमजन तक पहुंचाया तथा मैराथन दौड़ के उपरांत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र कुमार यादव द्वारा उपस्थित सभी पुलिस जवानों एवं प्रतिभागियों को साइबर अपराध जागरूकता की 'शपथ' दिलाई गई।

शपथ के माध्यम से सभी ने स्वयं साइबर अपराधों के प्रति सजग एवं सतर्क रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं आमजन को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

मैराथन के माध्यम सेजिला पुलिस द्वारा युवाओं एवं आमजन को नशे से दूर रहकर खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस विभाग द्वारा इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। जिला पुलिस भरतपुर द्वारा आयोजित यह मैराथन स्वास्थ्य, अनुशासन, नशा-मुक्त जीवन, साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश देने वाली एक सार्थक पहल रही।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का धरना प्रदर्शन कल

टोंक। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा वोट चोरी एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिला अध्यक्ष सऊद सईदी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय स्थित गांधी पार्क में 29 को बजे धरना देकर घंटाघर चौराहा के पास स्थित निर्वाचन कार्यालय के बाहर ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी, सांसद, विधायक,, पीसीसी सदस्य, विधानसभा प्रभारी गण व पदाधिकारी तथा जिले के समस्त ब्लॉक अध्यक्ष, नगर परिषद पालिका के सभापति, प्रधान, अग्रिम संगठन प्रकोष्ठ विभागों के अध्यक्ष मंडल, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य पार्षद गण तथा समस्त कांग्रेसजन भाग लेंगे।

(रजि. MSCS/CR/1202/2015) दि.10.03.2015)

सुचैत ग्रुप हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी लि.

पंजीकृत कार्यालय:-फिरोजपुर रोड, अनाज मण्डी, मैमदुत-152023(पंजाब)
शाखा कार्यालय:- 111, बलाई के घर, वार्ड नं. 45, सिंवार, झोटवाडा, जयपुर-302012 (राज.)

क्रमांक: एसजीएचसीएल/2026/एसपी-1 दिनांक 14.09.2026

वार्षिक आम सभा का नोटिस

सुचैत ग्रुप हाउसिंग को-ऑपरेटिव रसोसायटी लि. के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि **दिनांक 28.09.2026 को प्रातः 11:30 बजे** सोसायटी के **शाखा कार्यालय:- 111,बलाई के घर, वार्ड नं. 45 सिंवार, झोटवाडा, जयपुर-302012 (राज.)** पर सोसायटी के सदस्यों की **वार्षिक आमसभा** आयोजित की जाऐगी जिसके विचारणीय विषय बिन्दू निम्नलिखितानुसार रहेंगें 1. सोसायटी की गत वार्षिक आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार। 2. सोसायटी की कार्यकारिणी में लिये गये निर्णयों की पुष्टि पर विचार। 3. वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट के अनुमोदन पर विचार। 4. सोसायटी के **वर्ष 2014-15** एवं **वर्ष 2025-26** की ऑडिट रिपोर्ट एवं अंतिम लेखों की पुष्टि पर विचार। 5. सोसायटी के पंजीकृत पते में परिवर्तन करने बाबत् सोसायटी के उप नियमों में संशोधन करने पर विचार। 6. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञा से

नोट- कोरम के अभाव में स्थगित आम सभा उसी दिन दोपहर 12-30 बजे उसी स्थान पर पुनः आयोजित की जायेगी जिसमें विचारणीय विषय बिन्दु यथावत रहेंगे। **आज्ञा से, अध्यक्ष**

(रजि. नं. MSCS/CR/1234/2015 दि. 28.04.2015)

भव्यराज हाउसिंग मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि.

पंजीकृत कार्यालय : बी- 36, शिवपुरी, सदाशिव पथ, बुधसिंहपुरा, सांगानेर एयरपोर्ट के सामने, जयपुर-302029
शाखा कार्यालय : 8, गोपाल विहार, प्रताप नगर, टोंक रोड़, सांगानेर, जयपुर-302029 (राज.)

क्रमांक: बीएचएमएससीएल/जन./2026/एसपी-1 दिनांक 14.09.2026

वार्षिक आम सभा का नोटिस

भव्यराज हाउसिंग मल्टीस्टेट को ऑपरेटिव सोसायटी लि. जयपुर के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि **दिनांक 29.09.2026 को प्रातः 11:30 बजे** सोसायटी के **शाखा कार्यालयः 8, गोपालविहार, प्रताप नगर, टोंक रोड़, सांगानेर,जयपुर-302029 (राज)** पर सोसायटी के सदस्यों की **वार्षिक आमसभा** आयोजित की जाऐगी जिसके विचारणीय विषय बिन्दू निम्न लिखितानुसार रहेंगें

1. सोसायटी की गत वार्षिक आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार। 2. सोसायटी की कार्यकारिणी में लिये गये निर्णयों की पुष्टि पर विचार। 3. **वर्ष 2026-27** के वार्षिक बजट के अनुमोदन पर विचार। 4. सोसायटी के **वर्ष 2025-26** की ऑडिट रिपोर्ट की पुष्टि पर विचार। 5. सोसायटी के पंजीकृत पते में परिवर्तन करने बाबत् सोसायटी के उप नियमों में संशोधन करने पर विचार। 6. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञा से

नोट- कोरम के अभाव में स्थगित आम सभा उसी दिन दोपहर 12-30 बजे उसी स्थान पर पुनः आयोजित की जायेगी जिसमें विचारणीय विषय बिन्दु यथावत रहेंगे। **आज्ञा से, अध्यक्ष**

कांग्रेस के पास तथ्य हैं तो प्रमाण दें, संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना बंद करें : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एस.आई.आर. को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि यदि कांग्रेस के पास अपने आरोपों के समर्थन में तथ्य और प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करने और चुनावी हार को छिपाने के लिए तथ्यहीन राजनीति करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने 26 सितंबर को जारी अपने संयुक्त बयान में स्पष्ट किया है कि एसआईआर सहित प्रमुख निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने यह भी कहा है कि 24 जून 2025 को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के लिए जारी आदेश को आयोग की सर्वसम्मति से मंजूरी मिली थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 27 मई 2026 के अपने फैसले में बिहार में एसआईआर की वैधानिकता से जुड़े सवालों पर निर्णय दिया था। उन्होंने सवाल किया कि न्यायिक प्रक्रिया के बाद कांग्रेस एसआईआर पर लगातार सवाल क्यों उठा रही है और उसके पास अपने आरोपों के समर्थन में कौन से ठोस तथ्य और प्रमाण हैं। सर्वोच्च न्यायालय के रिकॉर्ड के अनुसार मामले में 24 जून 2025 के निर्वाचन आयोग के आदेश और एसआईआर की वैधानिकता से जुड़े प्रश्नों पर सुनवाई हुई थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचन आयोग के अनुसार एसआईआर से संबंधित फॉर्म को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष रखा गया था और गैर-एसआईआर अवधि में निर्वाचन नियमों के तहत निर्धारित फॉर्म का ही उपयोग किया जाएगा। आयोग ने 26 सितंबर को यह भी स्पष्ट किया कि एसआईआर के दौरान नोटिस पाने वाले ऐसे मतदाताओं के दस्तावेज एकत्र करने के लिए बीएलओ उनके घर जा सकेंगे।

■ उन्होंने पूछा कि "चुनाव आयोग, न्याय पालिका और सेना के शौर्य पर कांग्रेस सवाल क्यों उठाती है?"

शर्मा ने कांग्रेस से सवाल किया कि यदि वह नियमों या फॉर्म में बदलाव का दावा करती है तो उसका आधिकारिक दस्तावेज सार्वजनिक क्यों नहीं करती। उन्होंने एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग के भीतर कथित मतभेदों, कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र और फॉर्म में कथित बदलाव के दावों का आधार भी स्पष्ट करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पात्र मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं और छूटे हुए मतदाताओं तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं और न्यायालयों के संबंध में सार्वजनिक बयान देते समय तथ्यों और प्रमाणों की जिम्मेदारी भी आवश्यक है। शर्मा ने कांग्रेस से पूछा कि क्या वह निर्वाचन आयोग के संयुक्त स्पष्टीकरण के बाद अपने आरोपों की समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के बजाय जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ झूठ, सनसनी और भ्रम फैलाने का काम कर रही है, लेकिन अब कांग्रेस का झूठ बेनकाब हो गया है। कांग्रेस का इतिहास राहुल गांधी के नेतृत्व में बार-बार ऐसे झूठे और तथ्यहीन मुद्दों को उठाकर भारत की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का रहा है। उन्होंने विदेश में जाकर भारत की चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए। बाद में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगनी पड़ी। इतना ही नहीं वे भारत की सेना के शौर्य पर भी सवाल उठाते हैं। ऐसे में कांग्रेस और राहुल गांधी जनता को बताए कि उनके पास एसआईआर में कथित मतभेद का प्रमाण क्या है? कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र को एसआईआर से जोड़ने का आधार क्या है?, संबंधित फॉर्म में कथित बदलाव का आधिकारिक दस्तावेज कहां है? मीडिया रिपोर्ट को राजनीतिक आरोप का आधार बनाने से पहले उसका सत्यापन किया गया था या नहीं?

मिट्टी के नीचे दफन थी छह माह की गर्भवती महिला

आरोपी किराएदार फरार, पत्नी बताकर 2 माह से साथ रह रहा था युवक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। बिंदायका थाना क्षेत्र की प्रेस्टीज कॉलोनी में रविवार सुबह एक मकान के अंदर मिट्टी में दबा महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मकान मालिक देखरेख के लिए पहुंचे तो घर में ताला लगा था और अंदर से बदबू आ रही थी। पडौसियों से पूछताछ के बाद अंदर जाकर देखा तो बाउंड्रीवाल के भीतर मिट्टी खोदी हुई थी और गड्ढे में दफन महिला का हाथ बाहर निकला हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मिट्टी खोदकर शव बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि मृतका की पहचान उत्तर प्रदेश के बाराबंकी निवासी किरन (32) के रूप में हुई है। वह करीब छह माह की गर्भवती थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उत्तर प्रदेश निवासी प्रवेश (22) ने करीब दो महीने पहले मकान किराए पर लिया था और किरन को अपनी पत्नी बताकर उसके साथ रह रहा था। पुलिस को आशंका है कि करीब दो-तीन दिन पहले किरन की हत्या कर शव को रात के समय गड्ढा खोदकर दफनाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि शव दफन करने के बाद उसके ऊपर नमक डाला गया और फिर मिट्टी से गड्ढा ढक दिया गया। हत्या के बाद भी प्रवेश करीब तीन दिन तक घर आता-जाता रहा। रविवार सुबह वह मकान से निकल गया और इसके बाद फरार हो गया। पुलिस के अनुसार उसने ठेकेदार से पैसे उधार लिए और फरार हुआ है।डीसीपी पश्चिम ने बताया कि किराएदार प्रवेश ने महिला को अपनी पत्नी बताया था। पुलिस मृतका के परिजनों की जानकारी जुटाने के साथ आरोपी की तलाश में जुटी है। हत्या के कारणों और वारदात के तरीके को लेकर भी जांच की जा रही है।

■ आरोपी ने महिला की हत्या के बाद शव दफनाकर ऊपर नमक डाला

63 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों पर बना "आंगन मिलन सेवा" लोक उत्सव

तीन दिन में एक करोड़ से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा

जयपुर (कासं)। विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत प्रदेश के करीब 63 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों पर 25 से 27 सितम्बर तक 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। तीन दिवसीय आयोजन में एक करोड़ से अधिक लोगों की सहभागिता का अनुमान है। कार्यक्रम में पहली बार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का इस स्तर पर सम्मान किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और सांसद मदन राठौड़ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को प्रधानमंत्री का पत्र प्रदान करने के साथ माला पहनाकर एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

■ पहली बार भव्य स्तर पर हुआ आंगनबाड़ी दीदियों का सम्मान

कार्यक्रम में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के आमजन के साथ जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और धात्री माताओं के बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। लोकगीत, लोकधुन एवं लोकनृत्य के साथ महिलाओं ने उत्सव मनाया। पोषण एवं आईईसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग पूनम ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की भूमिका सम्मान के योग्य है और इसी उद्देश्य से 'आंगन मिलन सेवा' का आयोजन किया गया। निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने बताया कि अभियान का उद्देश्य जनसेवा, सामाजिक सरोकार तथा पोषण-स्वास्थ्य योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग के लिए नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, संस्था प्रधानों, शिक्षकों, चिकित्सकों, राजीविका सदस्यों, पोषण सखियों, एसएमसी एवं स्वयं सहायता समूहों का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों एवं भामाशाहों ने आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण के लिए आर्थिक सहयोग की घोषणाएं भी की। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व सांसद मदन राठौड़ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को प्रधानमंत्री का पत्र प्रदान करने के साथ माला पहनाकर एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित भाजपा पार्षदों के साथ सुनी "मन की बात"

सीएम भजनलाल शर्मा ने पार्षदों को आमजन से निरंतर जुड़ाव रखने और पूरी ताकत से काम करने की सीख दी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर नगर निगम चुनाव में नव-निर्वाचित भाजपा पार्षद और सभी पार्टी प्रत्याशियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 138वें एपिसोड को सुना। इसके बाद उन्होंने सभी पार्षदों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने सभी भाजपा पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनके विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए हमारी डबल इंजन की सरकार राजस्थान के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास के काम कर रही है और निकायों का भी तीसरा इंजन इसमें जुड़ गया है, जिससे विकास अब अंतिम छोर और हर जरूरतमंद तक पहुंचेगा।

■ पार्षदों को अपने वार्ड में विकास की रूपरेखा बनाकर जयपुर शहर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रेरित किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में हाल ही में संपन्न हुए नगर निकाय चुनावों में पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की है। इन चुनावों में कार्यकर्ताओं को तरजीह दी गई, जिससे अच्छे परिणाम आए। उन्होंने कहा कि अब जयपुर को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है और पार्षद शहर के विकास के लिए अपने-अपने वार्डों में काम की रूपरेखा बनाएं और पूरी ताकत से काम के लिए जुट जाएं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में वन स्टेट-वन इलेक्शन का जो वादा किया उसे पूरा करके दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्षद अपनी कार्यशैली से अपने वार्ड में हर घर तक अपने जुड़ाव को और प्रभावी बनाएं तथा हमेशा आमजन के सुख-दुख में साथ खड़े रहें। उन्होंने कहा कि सभी लोग मिलकर पार्टी की और मजबूती के लिए निरंतर काम करें। निकाय चुनाव के सभी पार्टी प्रत्याशियों को आगामी पंचायतराज चुनावों में जिम्मेदारी दी जाएगी। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में जयपुर नगर निगम के महापौर सुनील कोठारी, उप महापौर सरोज कंवर, प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, पार्टी पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष और सभी नव-निर्वाचित पार्षद एवं प्रत्याशी मौजूद रहे।

मोबाइल स्नैचर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। विधाधर नगर थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की वारदात करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे का आदी है और नशे की पूर्ति के लिए राहगीरों से मोबाइल छीनकर उन्हें सस्ते दामों में बेच देता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि विधाधर नगर थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की वारदात करने वाले एक शातिर आरोपी सुमित स्वामी (22) निवासी शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे का आदी है। नशे की लत पूरी करने के लिए वह राहगीरों को निशाना बनाकर मोबाइल छीनता था।

गैर औद्योगिक बहुमंजिला भवनों के लिये बेटरमेंट लेवी अब 8 किश्तों में जमा करवा सकेंगे

रीको प्रशासन ने नियमों में प्रावधान करके राहत दी

जयपुर। गैर औद्योगिक भूखण्ड पर बहुमंजिला भवनों के निर्माण के लिए बेटरमेंट लेवी जमा कर भूखण्डों में देय से अधिक निर्माण किये जाने का रीको द्वारा नियमों में प्रावधान दिया गया है। जिससे निर्माणकर्ता भूखण्ड पर नियमानुसार यथाउचित निर्माण कर भूखण्ड का अधिकाधिक उपयोग कर सकता है।रीको ने बहुमंजिला गैर औद्योगिक भवनों में अधिकाधिक निर्माण को प्रोत्साहित करने हेतु तथा निर्माण कार्य के दौरान बेहतर वित्तीय प्रबन्धन हेतु, देय बेटरमेंट लेवी के भुगतान से संबंधित नियमों का सरलीकरण किया है। संशोधित व्यवस्था के अनुसार जिन भूखण्डों पर बहुमंजिला भवन प्रस्तावित हैं, उन पर देय बेटरमेंट लेवी की राशि अब निर्धारित समयावधि में आठ किस्तों में जमा करवाई जा सकेगी। जो कि पूर्व में पांच किस्तों में जमा करने का प्रावधान था।

रीको के नवीन संशोधन के तहत गैर औद्योगिक बहुमंजिला भवनों के भवन मानचित्र स्वीकृति जारी होने से पूर्व प्रथम किस्त के रूप में बेटरमेंट लेवी की राशि का 1 प्रतिशत तथा लागू 100 प्रतिशत जीएसटी जमा करवाना होगा। इसके बाद शेष बेटरमेंट लेवी की राशि को छः माही किस्तों में जमा कराया जा सकेगा। 6 किस्त 15 प्रतिशत की तथा अंतिम किस्त 9 प्रतिशत की होगी।

बीकानेर, अजमेर, भरतपुर और जयपुर संभाग में आज बारिश की संभावना

जयपुर। नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रविवार को राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को बीकानेर, अजमेर, भरतपुर और जयपुर संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर मेघगर्जन और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।मौसम विभाग के अनुसार रविवार को सीकर, डूंगरपुर, झुंझुनूं सहित कुछ अन्य स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। फलौदी को छोड़कर प्रदेश के अन्य शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। फलौदी प्रदेश में सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.2 और न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में सुबह काले घने बादल छाए रहे, हालांकि बारिश नहीं हुई। बाद में धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 34.3 और न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार रविवार को डिप्रेशन कमजोर होकर उत्तर प्रदेश के मध्य भागों और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर वेल मार्क लो प्रेशर के रूप में स्थित है। इसके अलावा एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिमी भारत और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर सक्रिय है। उन्होंने बताया कि इसके प्रभाव से 28 सितंबर को बीकानेर, अजमेर, भरतपुर और जयपुर संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर मेघगर्जन, तेज हवाओं और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 29 सितंबर को भी पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद अगले पांच से छह दिनों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।

शेखावाटी ढाबा के किचन पर खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत जयपुर द्वितीय की खाद्य सुरक्षा टीम ने शुक्रवार को एसकेआईटी कॉलेज के पास स्थित शेखावाटी ढाबा के किचन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किचन में खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएं मिलीं। टीम को फफूंद लगी और सड़ी-गली कच्ची सब्जियों से ग्रेवी व सब्जी तैयार करते हुए पाया गया।

■ लाइसेंस व मेडिकल फिटनेस समेत जरूरी दस्तावेज भी नहीं दिखा सके संचालक

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में हुई कार्रवाई के दौरान किचन खुला और गंदगीयुक्त मिला। यहां प्रतिबंधित खाद्य रंग भी पाया गया। खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले कर्मचारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निर्धारित मानकों के अनुसार हेड कैप, एप्रिन और ग्लव्ज नहीं पहन रखे थे। किचन में प्लास्टिक और एल्यूमिनियम के बर्तनों का भी इस्तेमाल किया जा रहा था।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद फर्म मालिक नरेंद्र सिंह राठौड़ से खाद्य निर्माण में इस्तेमाल होने वाले पानी की जांच रिपोर्ट, फूड हैंडलर्स की मेडिकल फिटनेस रिपोर्ट, उनके प्रशिक्षण संबंधी दस्तावेज और एफएसएसएआई लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया। संचालक ये दस्तावेज मौके पर उपलब्ध नहीं करा सके।

टीम ने मौके से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए और उन्हें जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेज दिया है। लैब रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा नियम एवं विनियम, 2011 के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही फर्म को खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2006 की धारा 32(1) के तहत 15 दिन में सुधार करने का नोटिस भी दिया गया है।

विश्व पर्यटन दिवस : "पधारो म्हारे देश" से गूंजा जयपुर

पर्यटन स्थलों पर नि:शुल्क प्रवेश के साथ राजस्थानी ठाट-बाट में हुआ स्वागत

विश्व पर्यटन दिवस पर रविवार को गुलाबी नगरी के ऐतिहासिक स्मारक और संग्रहालय देशी-विदेशी सैलानियों से गुलजार रहे। आमेर महल, हवा महल, नाहरगढ़ फोर्ट, अल्बर्ट हॉल और जंतर-मंतर पर सैलानियों का राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया गया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रविवार को गुलाबी नगरी के ऐतिहासिक स्मारक और संग्रहालय देशी-विदेशी सैलानियों से गुलजार रहे। पर्यटन एवं पुरातत्व विभाग की ओर से प्रदेशभर के स्मारकों और संग्रहालयों में पर्यटकों का प्रवेश निशुल्क रखा गया। जयपुर में आमेर महल, हवा महल, नाहरगढ़ फोर्ट, अल्बर्ट हॉल और जंतर-मंतर समेत प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सैलानियों का तिलक, माला और पुष्प भेंट कर राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया गया।

पर्यटकों के स्वागत के साथ ही विभिन्न स्मारकों पर लोक कलाकारों ने कच्ची घोड़ी, कालबेलिया और कठपुतली नृत्य, शहनाई वादन, नगाड़ा वादन, रावण हत्था और बहरूपिया जैसी प्रस्तुतियां दीं। 'पधारो म्हारे देश' के सुरों के बीच देशी-विदेशी पर्यटक भी लोक कलाकारों के साथ झूमते नजर आए। सैलानियों ने इन यादगार पलों को मोबाइल और कैमरों में कैद किया।

■ कच्ची घोड़ी और कालबेलिया पर झूमे पर्यटक, जयपुर के स्मारकों में उमड़ा सैलानियों का सैलाब

हवामहल पर उमड़ी भारी भीड़

हवा महल के मुख्य द्वार पर सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल रहा। पर्यटकों का रोली-अक्षत से तिलक कर सूत की माला पहनाकर स्वागत किया गया। निशुल्क प्रवेश के चलते स्मारक के बाहर सुबह से ही पर्यटकों की कतारें नजर आईं। महाराजा सवाई प्रताप सिंह की ओर से 1799 में निर्मित हवा महल के 365 झरोखों और जालियों की स्थापत्य कला ने सैलानियों को खासा आकर्षित किया। कई पर्यटक राजस्थानी पोशाक में झरोखों के सामने फोटो और रील बनाते नजर आए।

आमेर में शहनाई और कच्ची घोड़ी ने मन मोहा

आमेर महल में भी देशी-विदेशी पर्यटकों का पारंपरिक स्वागत किया गया। महल अधीक्षक राकेश छोलक के अनुसार पर्यटकों के लिए प्रवेश निशुल्क रखा गया। यहां शहनाई, नगाड़ा वादन और कच्ची घोड़ी नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

पर्यटकों ने महल की स्थापत्य कला और राजस्थानी संस्कृति की जमकर सराहना की।

जंतर-मंतर पर हुआ पर्यटकों का स्वागत

जंतर-मंतर पर भी पर्यटकों को तिलक और माला पहनाकर स्वागत किया गया। बच्चों को टॉफियां वितरित की गईं। कच्ची घोड़ी, कठपुतली, शहनाई वादन और बहरूपिया सहित विभिन्न लोक प्रस्तुतियों के जरिए पर्यटकों को राजस्थान की लोक संस्कृति से रूबरू कराया गया।

पर्यटन कारोबार को भी मिला सहारा

विश्व पर्यटन दिवस पर स्मारकों में बढ़ी पर्यटकों की संख्या से पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों में भी उत्साह नजर आया। हस्तशिल्प विक्रेताओं, टूरिस्ट गाइड, ऑटो-टैक्सी चालकों और खान-पान से जुड़े कारोबारियों को भी इसका लाभ मिला। विदेशी पर्यटकों ने हस्तशिल्प और अन्य स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की।

पुरातत्व विभाग के निदेशक पंकज धरेंद्र ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर प्रदेशभर के सभी स्मारकों और संग्रहालयों में प्रवेश निशुल्क रखा गया तथा पर्यटकों के स्वागत के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वरिष्ठ टूरिस्ट गाइड महेश कुमार शर्मा ने कहा कि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सैलानियों को राजस्थान की विरासत, इतिहास और लोक संस्कृति से रूबरू कराया गया। पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रमुख स्थलों पर विशेष व्यवस्थाएं भी की गईं।

मैंने स्वर्ण पदक जीता और मैं बेहद खुश हूं। मेरे दिमाग में सिर्फ यही था कि हमें जीतना है। हमारी टीम सबसे अच्छी है। हमने आठ महीने तक तैयारी की थी, इसलिए उस मेहनत का नतीजा मिलना ही था। - सुनील कुमार

भारतीय कबड्डी कप्तान, टीम की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — शत्रुघ्न सिन्हा

आसनसोल के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने आसनसोल राइफल क्लब को देश के चुनिंदा और बेहतरीन राइफल क्लबों में से एक बताते हुए क्लब से जुड़े निशानेबाजों की उपलब्धियों की सराहना की। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि आसनसोल राइफल क्लब केवल बंगाल ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में अपनी अलग पहचान रखता है। क्लब में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं, यहां आने वाले खिलाड़ियों और स्थानीय निशानेबाजों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि क्लब से जुड़े खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर देश-विदेश में पहचान बनाई है।

क्या आप जानते हैं ?... यह एशियन गेम्स में पारुल का तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 के हांगझोउ एशियन गेम्स में 5000 मीटर में स्वर्ण और 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक जीता था।

भारतीय टीम का सामना आज अफगानिस्तान से

नई दिल्ली, 27 सितंबर। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का सामना एशियाई खेलों के पहले मैच में सोमवार को अफगानिस्तान से होगा और जापान के हालात में जल्दी ढलने की चुनौती टीमों के सामने रहेगी। कोरोगी स्पोर्टस पार्क पर ही महिला वर्ग की स्पर्धा हुई थी जिसमें भारत ने स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं के मुकाबलों में बड़े स्कोर बने लेकिन अभी तक पुरुष टीम के मैचों में बड़े स्कोर नहीं देखे गए हैं। हाल ही में दिल्ली में भारत के हाथों श्रृंखला में बुरी तरह पराजित हुई अफगानिस्तान टीम दारविश रसूली की कप्तानी में नये खिलाड़ियों को लेकर आई है। टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार खेलेंगे। भारत अभियान की शुरुआत क्वार्टर फाइनल से करेगा जबकि अफगानिस्तान नेपाल के खिलाफ एक मैच खेल चुका है जिसमें उसे पराजय मिली। पहले मैच में उसने जापान को हराया था। अन्य खिलाड़ियों की तरह क्रिकेटरों को होटल की दिक्कत नहीं हुई क्योंकि बीसीसीआई ने सारा बंदोबस्त खुद किया है। खिलाड़ी नागोया में पांच सितारा होटल में ठहरे हैं। सभी की नजरें 15 बरस के वैभव सूर्यवंशी पर लगी है लेकिन अभिषेक और संजू सैमसन के फॉर्म को देखते हुए उन्हें मौका मिलने की उम्मीद कम ही है। भारत को स्वर्ण जीतने के लिये सिर्फ तीन जीत की जरूरत है।

एफसी ब्रदर्स यूनाइटेड जयपुर ने जीता 78वां श्री सूर्य मंडल फुटबाल कप 2026

नवलगढ़, 27 सितम्बर। नवलगढ़ में आयोजित 78वें श्री सूर्य मंडल फुटबॉल कप 2026 में जयपुर की एफसीबीयूने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में एफसीबीयूने डीएफए कोटा को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों से ही एफसीबीयूके खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में डीएफए कोटाको हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन एफसीबीयूके खिलाड़ियों ने दबाव के बीच शानदार संयम और टीमवर्क दिखाते हुए मुकाबला अपने पक्ष में किया और 78वें श्री सूर्य मंडल फुटबॉल कप की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

राजस्थान महिला टीम ने छत्तीसगढ़ को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

श्रीकालहस्ती (तिरुपति, आंध्र प्रदेश), 27 सितम्बर। श्रीकालहस्ती, तिरुपति (आंध्र प्रदेश) में दिनांक 24 से 28 सितंबर तक आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में राजस्थान की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी के अनुसार, राजस्थान महिला टीम ने प्रतियोगिता में अब तक बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की है। लीग चरण में राजस्थान की महिला टीम ने उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़ एवं पश्चिम बंगाल की टीमों को शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पराजित किया और अपने ग्रुप में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके बाद खेले गए क्वालिफाइंग मुकाबले में राजस्थान ने ओडिशा को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। तीन सेटों तक चले इस रोमांचक मुकाबले में राजस्थान की टीम ने शानदार जुझारू खेल का प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ को 36-34, 28-35 एवं 35-25 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

कोहली और गिल के 'शतकीय तूफान' में उड़ा वेस्टइंडीज

भारत ने सीरीज में बनाई बढ़त

तिरुवनंतपुरम, 27 सितंबर। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत ने रविवार को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित पहले वनडे में आठ विकेट से जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने 296 रनों का टारगेट दिया, जिसे मेजबान भारत ने 42 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर चेज किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अच्छी शुरुआत की। रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने 74 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। रोहित ने 35 गेंदों में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 32 रनों की पारी खेली। यह साझेदारी 12वें ओवर में अल्जारी जोसेफ ने रोहित को आउट कर तोड़ी। वहीं, गिल ने 108 गेंदों में 113 रन जुटाए। उन्होंने 13 चौके और एक छक्का मारा। गिल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 151 रनों की पार्टनरशिप की। उनकी पारी का अंत रोस्टन चेज ने 34वें ओवर में किया। कोहली ने 88 गेंदों में 10 चौकों और 9 छक्कों के दम पर नाबाद 139 रन बनाए। यह कोहली का वनडे में 55वां शतक है। उन्होंने ऋतुराज गायकवाड़ (19 गेंदों में नाबाद 13) के साथ तीसरे विकेट के लिए 75 रनों की अटूट साझेदारी की। कोहली ने लगातार दो छक्के लगाकर भारत को जीत की दहलीज पार कराई। इससे पहले, वेस्टइंडीज ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 295 रन जुटाए। वेस्टइंडीज के लिए सर्वाधिक रन जस्टिन ग्रीव्स ने बनाए। उन्होंने 108 गेंदों में 101 की पारी खेली, जिसमें 12 चौके हैं। उन्होंने जॉन कैम्पबेल (60 गेंदों में 62) के 135 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। कीसी कार्टी 13 और कप्तान शाई होप 12 रन बना पाए। ज्वेल एंड्रयू का खाता नहीं खुला। ऐसे में आमिर जांगू ने मोर्चा संभाला और टीम को 300 के करीब पहुंचाया। वह 43 गेंदों में 58 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसमें सात चौके और एक छक्का है। आमिर ने रोस्टन चेज (24) के साथ छठे विकेट के लिए 52 और मैथ्यू फोर्ड (7) के संग सातवें विकेट के लिए 37 रनों की साझेदारी की। भारत की ओर से स्पिनर कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट चटकाए। पेसर प्रसिद्ध कृष्णा ने दो जबकि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने एक शिकार किया।

विराट कोहली ने जड़ा 86वां अंतर्राष्ट्रीय शतक

नई दिल्ली, 27 सितंबर। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 86वां शतक जड़ दिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में शतक जड़ने के साथ उन्होंने सचिन तेंदुलकर के एक देश में सर्वाधिक सेंचुरी लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

शुभमन गिल ने इंटरनेशनल क्रिकेट में लगाया 22वां शतक

शुभमन गिल ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिया है। उन्होंने कप्तानी पारी खेली है और क्रिकेट के किंग कहे जाने वाले विराट कोहली के सामने शतक जड़ा है। गिल के वनडे करियर का यह 10वां शतक है। इस सेंचुरी को मिलाकर ओवरऑल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके कुल शतकों की संख्या अब 22 हो गई है। शुभमन गिल ने यह खास उपलब्धि सिर्फ 27 साल की उम्र में प्राप्त कर ली है।

ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता की तैयारियां जोरों पर

महिला अम्पायरों की सेमीनार आज से

जयपुर, 27 सितम्बर। गुलाबी नगर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाली योनेक्स सनराईज ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता की तैयारियां जोरो से चल रही है। प्रतियोगिता के दौरान बालक व बालिका वर्ग के अंडर-15 व अंडर-17 आयु वर्ग के मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता के दोरान दोनो वर्गो में एकल, युगल व मिश्रित युगल के मुकाबले खेले जाऐंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 9 अक्टूबर तक होगा।

राजस्थान बैडमिंटन संघ एवं आयोजन सचिव के.के. शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए योनेक्स के आठ कोर्ट गुलाबी नगर पहुंच गए है। सोमवार को इंडोर स्टेडियम में कोर्ट बिछाने का कार्य पूरा हो जाएगा। प्रतियोगिता कुल 19 कोर्ट पर खेली जाएगी जिसमें बैडमिंटन हॉल के 11 कोर्ट भी शामिल है।

प्रतियोगिता से पूर्व महिला अम्पायरों की सेमीनार सोमवार से शुरू होगी। सेमीनार में भाग लेने के लिए देश भर से 46 अम्पायर गुलाबी नगरी पहुंच गयी है। सेमीनार के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ के तकनीकी अधिकारी संयुक्त कन्वीनर राजेश कमल, तकनीकी समिति के अध्यक्ष एस. मुरलीधरन, ओलम्पिक में अंपायरिंग कर चुके विश्व बैडमिंटन फेडरेशन के फाइन सी दातन, विश्व बैडमिंटन अम्पायर राजीव मेहता, बैडमिंटन एशियन अम्पायर बालारीना और रवि दीक्षित जयपुर पहुंच गए है। इन सभी अधिकारियों ने देरा रात तैयारियों का जायजा लिया।

भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें सेमीफाइनल में

आइची-नागोया (जापान), 27 सितंबर। भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने रविवार को जारी एशियन गेम्स 2026 में अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। पुरुष टीम में साहिल जाधव, गणेश मणिरत्नम और कुशल दलाल की तिकड़ी ने भूटान को बेहद करीबी मुकाबले में 235-232 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में सामना दक्षिण कोरिया से होगा। महिला टीम में चिकिता तनीपार्थी, ज्योति सुरेखा वेन्नम और पृथिका प्रदीप ने कजाकिस्तान को 233-230 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना दक्षिण कोरिया से होगा। क्वार्टर फाइनल में भारतीय महिला टीम छह तीरों के पहले सेट के बाद पीछे चल रही थी, लेकिन खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए कजाकिस्तान को तीन अंकों के मामूली अंतर से मात दी।

मुक्केबाज अंकुश का पदक पक्का

भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने मुक्केबाजी में देश के लिए एक पदक पक्का कर लिया है। पंघाल ने आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने रविवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ताजिकिस्तान के नेकुज सलिमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हरा दिया।

राज्य स्तरीय अंडर-16 प्रतियोगिता : प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में चूरू व सीकर जीती

अंडर-19 वीमेन टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी आज से जयपुर में खेली जाएगी

शिफॉन खान 101 (रिटायर्ड), रक्षित श्रीमाल 74 रन

जयपुर, 27 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 एक दिवसीय क्रिकेटप्रतियोगिता प्री क्वाटर फाइनल के आज उदयपुर में खेले गए मैच का परिणाम :-

चूरू - धौलपुर मैच (चूरू जीती) धौलपुर पारी 183 /9, टीम के लिए कौस्तव 43, शिवम् 33, प्रीत 34 व हर्षित 32 रन, चूरू के गेंदबाज आंजनेय शर्मा 38 /4, हार्दिक 26 /2, चूरू पारी आंजनेय शर्मा 68, प्रिंस 39 व दिव्यांशु 27 रन, धौलपुर के गेंदबाज हर्षित यादव 24 /5 व ध्रुव 37 /2

सीकर - भीलवाड़ा मैच (सीकर जीती) सीकर पारी 168 आल आउट, टीम के लिए आदित्यराज बड़सरा 75 रन, भीलवाड़ा के गेंदबाज राकेश सिंह व अवि सुवालका 3 -3 व अभिनव व्यास 2 विकेट, भीलवाड़ा पारी 124 आल आउट, टीम के लिए राकेश सिंह नाबाद 35 व दैविक 25 रन, सीकर के गेंदबाज लवमीत गुर्जर 9 /5 व मनुराज 2 विकेट।

अंडर 19 अभ्यास मैचों के परिणाम :-

टीम ए - टीम सी मैच (टीम ए जीती) टीम ए पारी 354 /8, टीम के लिए शिफॉन खान 101 (रिटायर्ड), अभय शर्मा 71 (रिटायर्ड) व यथार्थ भरद्वाज 70 रन, टीम सी के गेंदबाज अजय 2 विकेट, टीम सी पारी 257 /8, टीम के लिए रक्षित श्रीमाल 74, आदित्य वाधवा 57 व दक्ष पचार 43 रन, टीम ए के गेंदबाज यश चौधरी 41 /3 व अविनाश, अक्षय 2 -2 विकेट।

टीम डी - टीम बी मैच (टीम बी जीती) टीम डी पारी 82 आल आउट, टीम के लिए दीपेश 27 रन, टीम बी के गेंदबाज सुमित तेजी व शिवम् सोखल 3-3 विकेट, टीम बी पारी 83 /2, टीम के लिए आदित्य भाम्भू 30 व कृष्ण कुमार गुप्ता 22 रन।

रणजी संभावित अभ्यास मैचों के दूसरे दिन का खेल :-

टीम बी पहली पारी 504 आल आउट, टीम के लिए आयुष अमेरिया 163 व विशाल 47 रन, **टीम सी** के गेंदबाजहिमांशु नेहरा116 /4 व दीपेंद्र 58 /3, **टीम सी** पारी 187 /2, टीम के लिए सुमित गोदारा नाबाद 85, दीपक कड़वासरा 55 व सलमान नाबाद 41 रन, **टीम डी** पहली पारी 570 /8 घोषित, टीम के लिए करण लाम्बा125 (रिटायर्ड), नावेदखान 90 व मुकुल चौधरी 51 रन, **टीम ए** के गेंदबाज पुरोहित छगन सिंह 60 /3 व जय गोयल 74 /3, **टीम ए** पारी 122 /3, टीम के लिए रोहन राजभर नाबाद 54 रन, **टीम डी** के गेंदबाज आकाश सिंह 2 विकेट।

// एशियाई खेल //

स्क्वैश में भारत को दो रजत, अभय व अनाहत ने जीते पदक

आइची-नागोया (जापान), 27 सितंबर। जापान के आइची-नागोया में जारी एशियाई खेलों में भारत ने रविवार को स्क्वैश में दो रजत पदक जीते। पुरुष एकल में अभय सिंह के बाद महिला एकल में युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह ने भी रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि, दोनों खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। स्क्वैश में पुरुष एकल के फाइनल में भारत के अभय सिंह को मलेशिया के ऐन यो एनजी के खिलाफ 9-11, 5-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले में अभय मलेशियाई खिलाड़ी ऐन यो के सामने तीनों गेम में संघर्ष करते नजर आए। ऐन यो ने पहला गेम 11-9 से जीतकर बढ़त बनाई। इसके बाद उन्होंने दूसरे गेम में भी अभय को वापसी का मौका नहीं दिया और 11-5 से गेम अपने नाम कर लिया। तीसरे गेम में अभय ने अच्छी शुरुआत करने की कोशिश की लेकिन मलेशियाई खिलाड़ी ने मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया और 11-5 से गेम जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

अनाहत सिंह भी स्वर्ण से चूकीं

महिला एकल के फाइनल में भारत की 18 वर्षीय अनाहत सिंह को मलेशिया की सिवसांगरी सुब्रमण्यम ने 11-4, 11-4, 11-7 से हराया। इस तरह अनाहत को रजत पदक मिला, जबकि सिवसांगरी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत के पदकों की संख्या 32 हुईअभय सिंह और अनाहत सिंह के रजत पदकों के साथ एशियाई खेलों 2026 में भारत की पदक संख्या 32 हो गई है। भारत के खाते में अब तक 4 स्वर्ण, 14 रजत और 14 कांस्य पदक हैं।

दोनों खिलाड़ियों ने रजत पदक जीतकर अपनी क्षमता साबित की : सुरभि मिश्रा

भारतीय महिला स्क्वैश टीम की कोच सुरभि मिश्रा ने कहा कि अनाहत सिंह और अभय सिंह के फाइनल में हारने से निराशा जरूर हुई है, लेकिन एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन उम्मीद जगाने वाला है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने रजत पदक जीतकर अपनी क्षमता साबित की है। स्वर्ण और 2028 ओलंपिक में सीधे प्रवेश का मौका भले ही हाथ से निकल गया हो, लेकिन ओलंपिक में अभी करीब दो साल का समय है। इस दौरान खिलाड़ियों के पास अपनी रैंकिंग बेहतर कर शीर्ष स्तर पर पहुंचने के पर्याप्त अवसर हैं। सुरभि ने कहा कि टीम इवेंट में भारतीय खिलाड़ी पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। ऐसे में प्रतियोगिता के अंत तक स्क्वैश में भारत के पदकों की संख्या और बढ़ सकती है।

पी.वी. सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारी, सफर खत्म

आइची-नागोया, 27 सितंबर। जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियाई खेलों में रविवार को भारत को बैडमिंटन में निराशा हाथ लगी। महिला एकल में दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधु कड़े मुकाबले में हार गईं, जबकि युवा खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। महिला युगल और मिश्रित युगल में भी भारत को हार मिली। बैडमिंटन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु चीन की चेन यू फेई से कड़े मुकाबले में 21-11, 18-21, 10-21 से हार गईं।

मुकाबले में सिंधु ने शानदार शुरुआत की और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया।

लंबी कूद में एन्सी सोजन को रजत

आइची-नागोया, 27 सितंबर। जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियाई खेलों में भारत की एथलीट एन्सी सोजन ने महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक जीता है। फाइनल में शुरुआती समय पहले स्थान पर रहने के बाद आखिरी पल में हुए उलटफेर से एन्सी सोजन स्वर्ण पदक से चूक गईं। मुकाबले के दौरान एन्सी सोजन ने अपने पहले ही प्रयास में 6.49 मीटर की छलांग लगाई। फिर उन्होंने पांचवें प्रयास में 6.53 मीटर की शानदार छलांग लगाई और स्वर्ण पदक के बेहद करीब पहुंच गईं। इस बीच शुरुआत में पीछे चल रहीं चीन की हुआंग यिंगयिंग ने अपने पांचवें प्रयास में 6.49 मीटर की छलांग लगाई। हालांकि, शीर्ष पर चल रहीं एन्सी सोजन को तब झटका लगा, जब चीनी खिलाड़ी ने अपने आखिरी और अंतिम प्रयास में 6.55 मीटर की छलांग लगाकर बाजी पलट दी। चीनी खिलाड़ी की इस जोरदार वापसी के बाद एन्सी सोजन ने अपनी आखिरी कोशिश में शीर्ष स्थान हासिल करने का प्रयास किया, लेकिन वह 6.49 मीटर की ही छलांग लगा पाईं, जिसकी वजह से उन्हें रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा।

मुरली श्रीशंकर और डेविड सोलोमन लंबी कूद स्पर्धा के फाइनल में

महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में भी भारत को मिली सफलता

आइची-नागोया (जापान), 27 सितंबर। भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर और डेविड पद्दुराज सोलोमन ने रविवार को आइची-नागोया में जारी एशियाई खेलों में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। श्रीशंकर ने क्वालिफिकेशन राउंड ग्रुप बी में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि डेविड सोलोमन क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में 7.62 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फाइनल कल यानी 28 सितंबर को खेला जाएगा। श्रीशंकर ने पहले प्रयास में 7.67 मीटर की छलांग लगाई थी और तीसरे प्रयास में 7.08 मीटर की छलांग लगाई। उनकी दूसरे प्रयास में लगाई गई 7.84 मीटर की छलांग सर्वश्रेष्ठ रही, जिसके चलते उन्होंने फाइनल में जगह बनाई। डेविड ने पहले प्रयास में 7.61 मीटर की छलांग लगाई थी। उनकी दूसरे प्रयास में 7.62 मीटर की छलांग सर्वश्रेष्ठ रही। इसके अलावा महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में भी भारत को सफलता मिली। भारतीय खिलाड़ी विथ्या रामराज और अनु राघवन ने अपनी-अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। विथ्या ने 55.73 सेकंड का सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, जबकि अनु ने 55.84 सेकंड के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। फाइनल कल 28 सितंबर को खेला जाएगा।

भद्रा ने 200 मी. फाइनल में जीता कांस्य

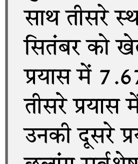

आइची-नागोया, 27 सितंबर। जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियाई खेलों में रविवार को महिलाओं की 200 मीटर दौड़ के फाइनल में भारत की हरिता भद्रा ने कांस्य पदक अपने नाम किया। हरिता ने 23.20 सेकंड में दौड़ फिनिश कर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने जापान की अबिगिरुफुका इडो को महज 0.01 सेकंड से पीछे छोड़ा। इडो ने 23.21 सेकंड का समय दर्ज किया। फाइनल में शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिंगापुर की शांति परेरा ने 22.78 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन की चेन युजी ने 22.93 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया।

तेजस्विन ने डेकाथलॉन में जीता कांस्य पदक

आइची-नागोया, 27 सितंबर। भारत के तेजस्विन शंकर ने एशियन गेम्स-2026 में रविवार को पुरुषों के डेकाथलॉन में कांस्य पदक जीता। तेजस्विन ने 10 स्पर्धाओं में कुल 7,934 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। 10 स्पर्धाओं तक चले मुकाबले में तेजस्विन ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आखिरी इवेंट 1500 मीटर में किया।

आरसीए चुनाव के लिये नामांकन पत्र वापस लेने का आज आखिरी दिन

अलग-अलग गुटों की ओर से वोटर को साधने, समर्थन जुटाने की कवायद तेज, नाम वापसी के बाद तस्वीर पूरी तरह साफ होगी

जयपुर, 27 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही प्रदेश में क्रिकेट प्रशासन की गतिविधियां तेज हो गई हैं। आरसीए चुनाव के लिए प्राप्त नामांकन पत्र वापस लेने का आज आखिरी दिन है। 29 सितंबर 2026 को होने वाले चुनाव से पहले निर्वाचन अधिकारी ए.के. पांडे जिला क्रिकेट संघों के पदाधिकारियों की अंतिम सूची आज चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी करेंगे। इन सूचियों की खास बात यह होगी कि प्रदेश की सक्रिय राजनीति और राजनीतिक परिवारों से जुड़े कई नाम जिला क्रिकेट संघों में अध्यक्ष, सचिव या कोषाध्यक्ष जैसे पदों पर दिखाई देंगे या नहीं इसका फैसला आज अंतिम सूची जारी होने के बाद साफ दिखाई देगा। निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी सूची में सभी 30 नामांकन वैध पाए गए हैं। अब अगला बड़ा पड़ाव नाम वापसी का होगा। नाम वापसी के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि 6 पदों पर कितने उम्मीदवार अंतिम रूप से चुनाव मैदान में रहते हैं और कौन-कौन से पैनल आमने-सामने होंगे। फिलहाल अध्यक्ष पद पर पांच और सचिव पद पर छह दावेदार होने से आरसीए चुनाव में मुकाबला बहुकोणीय दिखाई दे रहा है। राजनीतिक परिवारों से जुड़े चेहरों, जिला क्रिकेट संघों के पदाधिकारियों और संगठन से जुड़े नेताओं की मौजूदगी ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के इस चुनाव को प्रदेश के क्रिकेट जगत के साथ-साथ राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बना दिया है। नामांकन पत्रों की जांच पूरी होते ही अब आरसीए चुनाव में असली राजनीतिक और संगठनात्मक कवायद शुरू हो गई है। जिला क्रिकेट संघों के सचिव आरसीए के वोटर हैं और ऐसे में सभी उम्मीदवार इन वोटरों से संपर्क साधने में जुट गए हैं। अलग-अलग गुटों की ओर से समर्थन जुटाने के दावे भी किए जा रहे हैं। बृज किशोर उपाध्याय और पिंकेश जैन से जुड़े गुट की ओर से सबसे ज्यादा वोटरों के समर्थन का दावा किया जा रहा है। वहीं धनंजय सिंह खींवसर गुट भी लगातार जिला क्रिकेट संघों के सचिवों से संपर्क कर रहा है। दूसरी तरफ पराक्रम सिंह राठौड़ और दीनदयाल कुमावत भी अपने स्तर पर वोटरों से संपर्क में हैं। ऐसे में नामांकन के बाद अब आरसीए का चुनाव मैदान सिर्फ नामांकन तक सीमित नहीं है। हर वोटर को साधने, समर्थन जुटाने और अंतिम समय तक समीकरण अपने पक्ष में करने की कवायद तेज हो गई है। हालांकि, कौन किस पैनल के साथ रहेगा, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो गया है। नामांकन प्रक्रिया के बाद रविवार को नामांकन पत्रों की जांच हुई, जिसमें सभी 30 नामांकन वैध पाए गए हैं, जबकि अध्यक्ष पद के लिए 5 दावेदार मैदान में हैं। इस बार चुनाव मैदान में भाजपा से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के बेटों के साथ भाजपा कार्यकर्ता और विभिन्न जिला क्रिकेट संघों के सचिव भी आमने-सामने नजर आ रहे हैं। अब दावेदारों ने वोटरों से संपर्क साधने की कवायद तेज कर दी है। आरसीए के चुनावी पिच पर मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। अध्यक्ष पद से लेकर सचिव और अन्य पदों तक कई दिग्गज नाम मैदान में हैं। अब नाम वापसी के बाद तस्वीर पूरी तरह साफ होगी, लेकिन फिलहाल आरसीए के भीतर चुनावी सरगर्मी तेज हो चुकी है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा स्क्रूटनी के बाद वैलिड पाए गए नॉमिनेशन फॉर्म की लिस्ट (एलिजिबल कैंडिडेट्स की लिस्ट) जारी की गई।

प्रेसिडेंट कैंडिडेट के नाम - धनंजय सिंह खींवसर, दीनदयाल कुमावत, पराक्रम सिंह राठौर, राजेश सारस्वत, बृज किशोर उपाध्याय

वाइस प्रेसिडेंट उम्मीदवार के नाम - पवन दिलावर, मोहित यादव, मनोज कुमार शर्मा, रतन सिंह शेखावत, मनोज चौधरी

सचिव उम्मीदवार के नाम - मोहित यादव, आशीष तिवारी, सुमेंद्र तिवारी, मनोज कुमार शर्मा, बृज किशोर उपाध्याय, पिंकेश कुमार जैन।

संयुक्त सचिव उम्मीदवार के नाम - विनोद सहारण, रतन सिंह शेखावत, सुशील जैन, गोविंद स्वरूप उपाध्याय, राजेश सारस्वत।

ट्रेज़रर कैंडिडेट के नाम : आशीष तिवारी, सुशील जैन, विष्णु प्रकाश अठावाल, राजेश कुमार माथुर, पिंकेश कुमार जैन।

एग्जीक्यूटिव मेंबर कैंडिडेट के नाम - शोभना गुर्जर, अरिष्ठ सिंघवी, धर्मवीर सिंह शेखावत, राकेश चौधरी।

आप पार्टी सरकार की नाकामी ने पंजाब को नशे की आग में झोंका- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने फिरोजपुर में ''नशा संबंधी यात्रा-नशा मुक्त पंजाब'' की जनसभा को संबोधित किया

फिरोजपुर, 27 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पंजाब के फिरोजपुर के ममदोट में ''नशा विरोधी यात्रा-नशा मुक्त पंजाब'' के तहत जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां की सरकार की घोर नाकामी ने पंजाब को नशे की आग में झोंक दिया है। लेकिन अब यह साजिश और अधिक दिन नहीं चलेगी।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''नशा मुक्त पंजाब आंदोलन'', पंजाब के भविष्य को बचाने की लड़ाई है। पंजाब को तस्करों के हवाले नहीं छोड़ा जा सकता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पंजाब के फिरोजपुर के ममदोट में ''नशा विरोधी यात्रा-नशा मुक्त पंजाब'' के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब सहित पूरे देश को नशे से बचाने का संकल्प लिया है। वर्ष 2029 तक भारत को पूरी तरह नशामुक्त बनाने के लिए मजबूत रोडमैप तैयार किया गया है, जो 200 से अधिक कार्य-बिंदुओं पर आधारित है। इसका उद्देश्य नशे के स्रोत, तस्करी के रूट और मुख्य सरगनाओं को बेनकाब करना तथा नशीली दवाओं की सप्लाई चेन और हवाला फंडिंग के तंत्र को तोड़ना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने तीन से छह महीने में नशा खत्म करने की गारंटी दी थी, लेकिन इसके बाद तारीखें बदलती रहीं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की ओर से एनडीपीएस मामलों में सजा की दर बढ़ने का दावा किया गया है, लेकिन पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2022 से 2024 के बीच पंजाब में 33 हजार से अधिक नशे के मामले दर्ज हुए। वर्ष 2025 में देशभर में ड्रोन से नशे की तस्करी की 305 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 298 घटनाएं पंजाब बॉर्डर पर हुईं और 460 किलोग्राम ड्रग्स बरामद की गई। उन्होंने कहा कि केवल छोटे मोहरों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, नशे के असली माफिया और हैंडलर तक पहुंचना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त पंजाब आंदोलन पंजाब के भविष्य को बचाने की लड़ाई है और इसके लिए भारतीय जनता पार्टी अब सड़कों पर उतरी है। इस अभियान से जुड़ने का आव्हान करते हुए हम सभी को पंजाब को तस्करों के हवाले नहीं छोड़ा जा सकता। नशे को हराने के लिए सभी को मिलकर आगे आना होगा।

ममता तृणमूल के विधायक कुणाल घोष पर लगातार दूसरे दिन भी हमला

कोलकाता, 27 सितंबर। कोलकाता के फूलबागान-नारकेलडांगा इलाके में रविवार को ममता तृणमूल के विधायक कुणाल घोष के वाहन पर फिर हमला किया गया। यह 24 घंटे के भीतर उनकी कार पर हमले की दूसरी घटना है। शनिवार को हुगली के उत्तरपाड़ा में भी उनकी कार पर पत्थर और अंडे फेंके गए थे।

कुणाल घोष के अनुसार, वह बेलियाघाटा विधानसभा क्षेत्र में एक कार्यक्रम में जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार लोगों के एक समूह ने उनकी कार को घेर लिया और हथौड़े से शीशा तोड़ दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों में से एक ने उनके सुरक्षाकर्मी की ओर बंदूक तान दी। घटना के बाद घोष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

■ बेलियाघाटा विधानसभा क्षेत्र में बाइक सवार लोगों ने उनकी कार को घेरकर हथौड़े से शीशें तोड़ दिए। चौबीस घंटे के अंदर उनकी कार पर हमले की यह दूसरी घटना है।

घोष ने पत्रकारों को कार के टूटे शीशे के टुकड़े दिखाते हुए कहा कि शनिवार के बाद रविवार को फिर उन्हें निशाना बनाया गया। शनिवार को वह पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सभा में शामिल होने के लिए श्रीरामपुर जा रहे थे, तभी उत्तरपाड़ा में उनकी कार पर पथराव और अंडे फेंके गए थे।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक युवक को सरेआम थप्पड़ मारा

दिल्ली सरकार के मंत्री का कहना है कि युवक ने उनके परिवार को गालियां दी थीं

नई दिल्ली, 27 सितंबर। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा पर थप्पड़ मारने का आरोप लगा है। आम आदमी पार्टी एक वीडियो शेयर कर रही है, जिसमें दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा एक युवक को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी दावा कर रही है कि सवाल पूछने पर प्रवेश वर्मा ने युवक को थप्पड़ मारा। आज प्रवेश वर्मा तिलक नगर इलाके में सड़क निर्माण का निरीक्षण करने गए थे, जहां पर स्थानीय आप विधायक जरनैल सिंह के साथ उनके समर्थक मौजूद थे। सड़क की क्वालिटी को लेकर प्रवेश वर्मा और आप विधायक जरनैल सिंह के बीच बहस हुई, जिसके बाद आप कार्यकर्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया।

■ मंत्री प्रवेश वर्मा तिलक नगर में सड़क निर्माण के निरीक्षण के लिए गए थे। वहाँ आप पार्टी के विधायक जनरैल सिंह और उनके समर्थकों से उनकी बहस हो गई।

इसी दौरान, आप विधायक जरनैल सिंह के सोशल मीडिया का काम देखने वाला शख्स प्रवेश वर्मा के सामने आकर वीडियो बनाने लगा। हालांकि, प्रवेश वर्मा और जरनैल सिंह के बीच क्या बात हुई, यह बात ऑडियो और वीडियो में समझ नहीं आ रही है। लेकिन इसके बाद बाद प्रवेश वर्मा ने उस शख्स को थप्पड़ जड़ दिया।

थप्पड़ की घटना पर मंत्री प्रवेश वर्मा का बयान भी आया है। प्रवेश वर्मा ने कहा कि ''तिलक नगर में सड़क निरीक्षण के लिए मैं गया था। वहां आप विधायक जनरैल सिंह अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। फिर, आप कार्यकर्ताओं ने मेरे साथ धक्का-मुक्की की और मेरे परिवार को गालियां दीं।'' प्रवेश वर्मा ने आप विधायक पर कमीशन मांगने का आरोप भी लगाया है।

मंत्री ने कहा कि हमारे इंजीनियर ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और एफआईआर करवा रहे हैं क्योंकि जरनैल सिंह को कोई कमीशन नहीं मिला इसलिए वे सुबह साइट पर जाते थे-रात में सड़क बनने के बाद उसे उखाड़ देते थे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर संबंधित वीडियो जारी करते हुए इस घटना को गुंडागर्दी बताते हुए कहा कि सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार दिखाने पर मंत्री ने युवक को सरेआम थप्पड़ मारा। उन्होंने कहा कि वह कल तिलक नगर जाकर इस सड़क का मुआयना करेंगे।

पीड़ित युवक ने कहा कि वह विधायक जरनैल सिंह के लिए सोशल मीडिया गतिविधियां संभालता है। पीडब्ल्यूडी विभाग की तरफ से उसे एक सड़क की हालत दिखाने के लिए बुलाया गया था इसलिए वह यहां आया। युवक का दावा है कि उसने दिखाया कि सड़क की सतह कैसे टूट रही थी। युवक का आरोप है कि इसके बारे में जानकारी देने पर मंत्री बर्दाश्त नहीं कर पाए और उन्होंने उसपर हाथ उठाते हुए उसके साथियों को जान से मारने की धमकी दी।

यूपीआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की कार्यसूची के अनुसार, मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ करेगी। याचिका में कहा गया है कि यह शुल्क पर्याप्त कानूनी सुरक्षा, पारदर्शिता और सार्वजनिक परामर्श के बिना लागू किया गया है।

नई व्यवस्था के तहत सामान्य व्यक्ति से कारोबारी यानी पी2एम यूपीआई भुगतान में 2,000 रुपये से अधिक की राशि पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जाएगा। यह शुल्क 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रहेगा।

रूस ने यूक्रेन की सबसे बड़ी मोबाइल सेवा कंपनी के मुख्यालय पर हमला किया

पिछले कुछ दिनों से रूस-यूक्रेन के डेटा सैंटरों तथा संचार ढांचे पर लगातार हमले कर रहा है

कीव, 27 सितंबर। रूस ने रविवार को यूक्रेन की सबसे बड़ी मोबाइल सेवा कंपनी 'कीवस्टार' के मुख्यालय को निशाना बनाया। कंपनी ने बताया कि कीव स्थित उसके कार्यालय पर हमला हुआ, हालांकि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस बीच रूस ने यूक्रेन के डेटा सेंटरों और संचार ढांचे पर हमले जारी रखे हैं।

कीवस्टार ने स्थानीय समाचार एजेंसी इंटरफैक्स-यूक्रेन को बताया कि राजधानी कीव में स्थित उसका मुख्यालय हमले की चपेट में आया। कंपनी के अनुसार, इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी रविवार को दावा किया कि उसकी सेना ने यूक्रेन की दूसरी सबसे बड़ी मोबाइल नेटवर्क कंपनी 'वोडाफोन यूक्रेन' से जुड़े एक डेटा सेंटर को निशाना बनाया। हालांकि वोडाफोन यूक्रेन की ओर से इस संबंध में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई।

■ यूक्रेन के डिजिटल मंत्रालय के अनुसार, गत एक सप्ताह में रूस द्वारा कई डेटा सैंटरों को निशाना बनाने से करीब एक लाख घरों की इंटरनेट सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने रविवार सुबह कीव में एक डेटा सेंटर पर दो बार हमला किया। उनके अनुसार, इस घटना में दो बच्चे और एक वयस्क घायल हुए।

यूक्रेन के डिजिटल मंत्रालय के अनुसार, पिछले एक सप्ताह के दौरान रूस ने देश के इंटरनेट सेवा प्रदाताओं से जुड़े कई डेटा सेंटरों को निशाना बनाया है। इन हमलों के कारण कीव और आसपास के क्षेत्रों में करीब एक लाख घरों की इंटरनेट और अन्य संचार सेवाएं प्रभावित हुईं।

यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रिय सिबिहा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि रूस प्रमुख यूक्रेनी डेटा सेंटरों को निशाना बनाकर सूचना के प्रवाह को बाधित करने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने मिसाइल और ड्रोन हमलों की समय पर चेतावनी को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि ऐसी चेतावनियां लोगों की जान बचाने में मदद करती हैं।

वांगचुक ने सीजेपी के प्रदर्शन का समर्थन किया

नई दिल्ली, 27 सितंबर। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दो अक्टूबर को होने वाले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन का समर्थन किया है। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित है। सीजेपी चुनाव आयोग से जवाबदेही की मांग कर रही है। वांगचुक ने कहा कि देश में जवाबदेही बढ़ाने और चुनाव प्रक्रिया को बेहतर करने वाली किसी भी कोशिश का समर्थन होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह प्रदर्शन में खुद मौजूद रहें, यह जरूरी नहीं है।

सोनम वांगचुक ने कहा कि किसी आंदोलन का समर्थन करने के लिए हर जगह खुद पहुंचना जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, आंदोलन अपने दम पर आगे बढ़ने चाहिए। उन्होंने कहा कि अब इस मुद्दे पर कई लोग सामने आ रहे हैं। इसलिए उन्हें उम्मीद है कि सीईसी से जुड़े इस मामले में उनकी जरूरत नहीं पड़ेगी। उनका कहना था कि वह ऐसे आंदोलनों के साथ हैं, जिनका मकसद देश में जवाबदेही बढ़ाना है।

कांग्रेस ने दिल्ली में दलित-आदिवासी सम्मान बैठक बुलाई

बैठक में हल्द्वानी की शुद्धिकरण घटना तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति पर अत्याचार रोकने की रणनीति पर चर्चा की जाएगी

नई दिल्ली, 27 सितंबर। कांग्रेस ने 29 सितंबर को दिल्ली में दलित-आदिवासी सम्मान बैठक बुलाने की घोषणा की है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उत्तराखंड के हल्द्वानी दौरे के बाद हुई कथित शुद्धिकरण घटना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदायों के खिलाफ हो रहे अत्याचार तथा ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसद, पूर्व सांसद, कांग्रेस शासित राज्यों के मंत्री, विधायक तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

■ कांग्रेस की बैठक में लोकसभा-राज्यसभा के सांसद, पूर्व सांसद, कांग्रेस शासित राज्यों के मंत्री, विधायक तथा एआईसीसी के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में तेलंगाना के नागरकुरनूल से सांसद डॉ. मल्लू रवि ने बताया कि 29 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे संविधान क्लब के मावलांकर हॉल में दलित-आदिवासी सम्मान बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद हुई कथित शुद्धिकरण घटना पर चर्चा करना है। यह केवल खरगे का नहीं बल्कि पूरे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय का अपमान था।

आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कहा कि प्रस्तावित बैठक में दलित और आदिवासी समाज के सांसद, विधायक, पूर्व विधायक तथा विधान परिषद सदस्य शामिल होंगे। बैठक में साझा एजेंडा तैयार किया जाएगा और प्रत्येक राज्य में संयुक्त कार्रवाई मंच के माध्यम से दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अन्याय तथा अत्याचार के मामलों में संघर्ष किया जाएगा। यह केवल एक बैठक नहीं बल्कि एक कार्रवाई मंच होगा, जो देश के किसी भी हिस्से में होने वाले अत्याचार के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाएगा।

गुवाहाटी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपों में कहा गया है कि पुलिस ने सुबह से ही कार्यक्रम स्थल तक जाने का रास्ता रोक दिया था, जिससे स्वयंसेवक पहाड़ी पर बनी मीटिंग की जगह तक नहीं पहुंच पाए। संगठन ने दावा किया है कि पूरे इलाके से लगभग 200-300 स्वयंसेवकों को एक साथ लाने की योजना बनाई गयी थी। हिरासत में लिए जाने के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए रांका ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को इस बात की चिंता थी कि स्कूलों पर उनकी टीम का अभियान राज्य में स्कूलों की हालत की ओर लोगों का ध्यान खींचेगा।

तमिलनाडु सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डिपार्टमेंट यानी सार्वजनिक कानून-व्यवस्था विभाग को सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005, के दायरे से बाहर करने की कोशिश की गई थी। इस फैसले पर चौतरफा आलोचनाओं के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि मानव संसाधन प्रबंधन विभाग की तरफ से 21 सितंबर 2026 को जारी किए गए सरकारी आदेश के तहत आरटीआई अधिनियम की धारा 24 की उप-धारा (4) का हवाला देते हुए कानून-व्यवस्था विभाग को एक खुफिया और सुरक्षा संगठन मानकर आरटीआई के दायरे से छूट देने का प्रयास किया गया था।

आलोचकों और विपक्षी नेताओं का कहना था कि अगर इस विभाग को आरटीआई से बाहर कर दिया जाता, तो जनता से ये तमाम महत्वपूर्ण जानकारियां छिप जातीं, जिससे पारदर्शी शासन पर सवाल खड़े होते।

दूसरी ओर सरकार के इस फैसले के खिलाफ विपक्ष और विभिन्न दलों के नेता खुलकर विरोध में उतर आए थे। सीपीएम सांसद वेंकटेशन ने कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा था कि यह कदम तमिलनाडु को एक पुलिस राज में बदलने की खुली कोशिश है और सरकार को तुरंत यह आदेश वापस लेना चाहिए।

ब्राज़ील की कंपनी ने वायुसेना के विमानों के लिए महिन्द्रा ग्रुप से पार्टनरशिप की

नई दिल्ली, 27 सितंबर। ब्राजील की विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर ने भारतीय वायुसेना के 60 मल्टी-रोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट (एमटीए) कार्यक्रम को लेकर अपनी साझेदारी स्पष्ट कर दी है। कंपनी ने कहा है कि इस रक्षा सौदे के लिए वह महिंद्रा ग्रुप के साथ मिलकर बोली लगाएगी और अपने केसी-390 मिलेनियम विमान को पेश करेगी। वहीं, नागरिक विमानन क्षेत्र में भारत में बढ़ती कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय उड़ानों की मांग को देखते हुए एम्ब्रेयर ने अदाणी ग्रुप के साथ साझेदारी की है।

■ कमर्शियल विमानों के लिए ब्राज़ील की कंपनी एम्ब्रेयर ने अडानी ग्रुप के साथ हाथ मिलाया।

एम्ब्रेयर डिफेंस एंड सिक्योरिटी के प्रेसिडेंट और सीईओ बोस्को दा कोस्टा जूनियर ने एएनआई से बातचीत में दोनों साझेदारियों को लेकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में एमटीए कार्यक्रम के लिए कंपनी का भारतीय साझेदार महिंद्रा ग्रुप है, जबकि नागरिक विमान कारोबार के लिए अदाणी ग्रुप के साथ काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने 2023 में भारत में सी-390 का प्रदर्शन किया था। उस दौरान भारतीय बाजार और संभावित साझेदारों का विस्तृत अध्ययन करने के बाद एमटीए कार्यक्रम के लिए महिंद्रा ग्रुप को अपना साझेदार चुना गया। बोस्को ने स्पष्ट किया कि सैन्य परिवहन विमान कार्यक्रम में महिंद्रा के साथ साझेदारी बनी रहेगी, जबकि नागरिक विमान क्षेत्र में अदाणी के साथ कंपनी की साझेदारी अलग दिशा में आगे बढ़ेगी।

भारतीय वायुसेना के एमटीए कार्यक्रम का उद्देश्य पुराने हो रहे परिवहन विमान बेड़े को चरणबद्ध तरीके से बदलना है। इसके तहत शुरुआत में 60 परिवहन विमानों की खरीद की योजना है। इसके अलावा जरूरत के मुताबिक शुरुआती संख्या से 50 फीसदी तक अतिरिक्त विमान खरीदने का विकल्प भी रखा गया है।

देश की पहली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। रेलवे के अनुसार यह प्रणाली लगभग 40 प्रतिशत तक डीजल की जगह एलएनजी का उपयोग कर सकती है। इस सेवा को शुरू करने से पहले इसका 2,000 किलोमीटर से अधिक का फील्ड ट्रायल भी किया गया।

■ गृह मंत्री अमित शाह ने साबरमती में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने 1,542 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ किया। उन्होंने साबरमती में नवनिर्मित डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड राष्ट्र को समर्पित किया। लगभग 700 करोड़ की लागत से निर्मित यह शेड उच्च क्षमता वाले डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के रख रखाव के लिए विकसित किया गया है। डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव लगभग 12,000 हॉर्सपावर क्षमता वाला है और भारी मालगाड़ियों के संचालन में उपयोग किया जाता है।

नेपाल में बाढ़ से 500 घर डूबे, दो हजार लोग प्रभावित

तीन दिन से लगातार हो रही बरसात के कारण सप्तकोसी नदी का पानी बस्तियों में घुसा

काठमांडू, 27 सितंबर। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नेपाल के सप्तरी जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है।

हनुमाननगर कंकालिनी नगरपालिका और तिलाठी कोइलाडी गांवपालिका में बाढ़ का पानी घुसने से करीब 500 घर डूब गए हैं। बाढ़ के कारण दो हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

हनुमाननगर कंकालिनी नगरपालिका के प्रमुख वीरेन्द्र माझी ने बताया कि शुक्रवार रात सप्तकोसी नदी में पानी का स्तर बढ़ने के बाद बस्तियों में बाढ़ का पानी घुस गया। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल सुबह और शाम दो वक्त के भोजन की व्यवस्था की गई है। कालीगंडकी नदी के तेज बहाव में स्यांगजा के मिर्मी और गुल्मी के हर्मिचौर को जोड़ने वाला पुल बह गया। यह पुल मिर्मी डैम साइट से नीचे स्थित था। गुल्मी के पुलिस प्रमुख एसपी भीम किरण बोगटी ने भी पुल के बहने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह बेली ब्रिज था, जिससे चार पहिया वाहन आवागमन करते थे। रविवार सुबह करीब 6 बजे बाढ़ के तेज बहाव में पुल बह गया। पुल बहने के बाद मिर्मी और हर्मिचौर के बीच यातायात और आवागमन प्रभावित हो गया है।

■ पुलिस एसपी भीम किरण बोगटी ने बताया कि कालीगंडकी नदी के तेज बहाव में स्यांगजा के मिर्मी व गुल्मी के हर्मिचौट को जोड़ने वाला पुल बह गया।

अखिलेश यादव इंडिया गठबंधन की 30 सितंबर की बैठक में शामिल नहीं होंगे

लखनऊ, 27 सितंबर। सपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच अखिलेश यादव 30 सितंबर को दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगे। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि वह इस बार बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा, इस बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनकी बात हुई है। ''उस दिन मैं (अखिलेश यादव) व्यस्त हूं। गठबंधन की बैठक में हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता जाएंगे।'' राजनीतिक गलियारों के इस बात के निहितार्थ निकाले जा सकते हैं।

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग अपनी विश्वसनीयता बचाए।

अक्टूबर में फ्रिज, एसी, टीवी, वॉशिंग मशीन के दाम बढ़ेंगे

कॉपर, स्टील, एल्युमीनियम व फ्रेट की कीमतों में वृद्धि के कारण आठ प्रतिशत इलैक्ट्रोनिक सामनों के दाम बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली, 27 सितंबर। त्योहार के सीजन में अगर आप एसी, टीवी, फ्रिज या वॉशिंग मशीन खरीदने की तैयारी कर रहे हैं तो आपकी जेब पर असर पड़ सकता है। कॉपर, स्टील, एल्युमीनियम और अन्य कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ महंगे फ्रेट और रुपये में उतार-चढ़ाव के कारण कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और अप्लायंस कंपनियां कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।

■ थामसन टीवी के सीईओ के अनुसार, पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण शिपमैंट देर से आ रहे हैं तथा फ्रेट में ढाई गुना वृद्धि हो चुकी है। प्लास्टिक व मेटल के दाम भी बढ़ रहे हैं। इन सब के कारण टीवी, वॉशिंग मशीन आदि की कीमतें बढ़ रही हैं।

इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, 1 अक्टूबर 2026 से कई कंपनियां एसी और दूसरे घरेलू उपकरणों की कीमतों में 5 प्रतिशत से 8 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर सकती हैं। कुछ कंपनियों ने पहले ही कीमतें बढ़ा दी हैं, जबकि कुछ कंपनियां अभी लागत का आकलन कर रही हैं। वर्ष 2026 में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री की ओर से की जाने वाली कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी होगी।

थॉमसन टीवी इंडिया के सीईओ अवनीत सिंह मारवाह ने बताया कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण काफी अनिश्चितता बढ़ गई है। साथ ही शिपमेंट में देरी हो रही है और फ्रेट कॉस्ट में भी ढाई गुना का इजाफा हुआ है। कच्चे तेल के दाम बढ़ने से प्लास्टिक भी महंगी हुई है। इसके अलावा मेटल के भी दाम बढ़े हैं। टीवी, वॉशिंग मशीन आदि में मेमरी चिप का इस्तेमाल होता है। पिछले एक साल में मेमरी की कीमत में कई गुना का इजाफा हुआ है। ऐसे में प्रोडक्शन लागत काफी बढ़ गई है। इन सब चीजों के कारण टीवी, वॉशिंग मशीन आदि के दाम में इजाफा किया जा रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908